रजिस्ट्री सं० डी(डी)-73 REGISTERED No. D(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 23, 1976/कार्तिक 1, 1898
No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 23, 1976/KARTIKA 1, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रीमण्डल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3682.—दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (6) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री अमर नाथ ग्रोवर, मैसर्स माडल वुलन मिल्स, थाना, बम्बई तथा अन्यों के विरुद्ध आर० सी० मं० 9/66-विशेष पुलिस स्थापना-सी० आई० ए० (I) से उत्पन्न 1975 की अपराधीय अपील सं० 683 तथा 684 में राज्य की ओर से संचालन करने हेतु श्री पी० पी० खम्बाट्टा, अधिवक्ता, बम्बई को बम्बई न्यायालय में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/8/76-ए० वी० डी०-II]
बी० सी० वंजानी, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Admn. Reforms)

New Delhi, the 7th October, 1976

S.O. 3682.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. P. Khambatta, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor to conduct on behalf of the State in criminal Appeal Nos. 683 and 684 of 1975, arising out of RC No. 9/66-SPE-CIA(I) against Shri Amar Nath Grover of M/s. Model Woollen Mills, Thana, Bombay and others in the High Court of Bombay.

[No. 225/8/76-AVD. II]
B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3683.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग पांडिचेरी संघ राज्य प्रशासन के परामर्श से श्री ए० चन्द्रशेखर मैनन के स्थान पर, श्री एस० आर० गंडोत्रा, आई० ए० एस०, सचिव, पांडिचेरी सरकार, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में, उनको उक्त पद का कार्यभार ग्रहण किये जाने की तारीख से अगले आदेशों तक एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है।

[संख्या 154/पांडि०/76]
प्रभात कुमार मिश्र, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 4th October, 1976

S.O. 3683.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the

People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Administration of the Union Territory of Pondicherry, hereby nominates Shri S. R. Gandotra, I.A.S., Secretary to the Government, Health and Education Department, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Pondicherry with effect from the date he takes charge of the office and until further orders vice Shri A. Chandrasekhara Menon.

[No. 154/POND./76]

P. K. MISRA, Secy.

वित्त मन्त्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1976

(आयकर)

का०आ० 3684.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 'श्री शारदा मठ, कलकत्ता' को निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1408/फा० सं० 197/42/76-आयकर (ए०आई०)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 28th July, 1976

(INCOME-TAX)

S.O. 3684.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23c) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Sri Sarada Math, Calcutta' for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1975-76.

[No. 1408/F. No. 197/42/76-IT(AI)]

(आयकर)

का० आ० 3685.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 'रामकृष्ण शारदा मिशन, कलकत्ता' को निर्धारण वर्ष 1974-75 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1409/फा० सं० 197/42/76-आयकर (ए०आई०)]

INCOME-TAX

S.O. 3685.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23c) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Ramakrishna Sarada Mission, Calcutta' for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1974-75.

[No. 1409/F. No. 197/42/76-IT(AI)]

(आयकर)

का० आ० 3686.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 'श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ, नांजंगुड' को निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1973-74 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1410/फा० सं० 197/51/76-आई टी (ए०आई०)]

टी० पी० झुनझुनवाला, निदेशक

INCOME TAX

S.O. 3686.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23c) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies 'Shri Raghavendra Swamy Mutt, Nanjangud' for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1973-74.

[No. 1410/F. No. 197/51/76-IT(AI)]

T. P. JHUNJHUNWALA, Director

(बैंकिंग पक्ष)

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3687.—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री आर० जी० पुरी को 'शेखावाटी ग्रामीण बैंक, सीकर', का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 7 अक्तूबर, 1976 से आरम्भ होकर 31 मार्च, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें उक्त श्री आर० जी० पुरी, अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-81/76 ए० सी०]

(Banking Wing)

New Delhi, the 7th October, 1976

S.O. 3687.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri R. G. Puri as the Chairman of the 'Shekhawati Gramin Bank, Sikar' and specifies the period commencing on the 7th October, 1976 and ending with the 31st March, 1977 as the period for which the said Shri R. G. Puri shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-81/76-AC]

नई दिल्ली, 11 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3688.—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री स्वरूप चन्द्र दास को 'कटक ग्राम्य बैंक, कटक' का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 11 अक्तूबर, 1976 से आरम्भ होकर 31 मार्च, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें श्री स्वरूप चन्द्र दास अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-76/76-ए० सी०]

सी० आर० बिस्वास, उप सचिव

New Delhi, the 11th October, 1976

S.O. 3688.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Swarup Chandra Dash as the Chairman of the 'Cuttack Gramya Bank, Cuttack' and specifies the period commencing on the 11th October, 1976 and ending with the 31st March, 1977, as the period for which the said Shri Swarup Chandra Dash shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-76/76-AC]

C. R. BISWAS, Dy. Secy.

(राजस्व पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 1976

स्टाम्प

का०आ० 3689.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से, जो केरल वित्तीय निगम द्वारा जारी किये जाने वाले पचास लाख रुपये मूल्य के वचन-पत्रों के रूप में तदर्थ बंध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं, छूट देती है ।

[सं० 54/76-स्टाम्प/फा०सं० 471/71/76-सी०शु०-7]

(Revenue Wing)

ORDER

New Delhi, the 8th October, 1976

STAMPS

S.O. 3689.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the ad-hoc bonds in the form of promissory notes to the value of fifty lakhs of rupees, to be issued by the Kerala Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 54/76-Stamps. F. No. 471/71/76-Cus. VII]

आदेश

नई दिल्ली, 11 अक्तूबर, 1976

स्टाम्प

का० आ० 3690.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से, जो वर्ष 1976 के मार्च के महीने में वचन-पत्रों के रूप में जारी किये गये पचपन लाख रुपये मूल्य के 6¼% उड़ीसा राज्य वित्तीय निगम बन्ध-पत्र, 1986 पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं, छूट देती है ।

[सं० 57/76-स्टाम्प/फा०सं० 471/74/76-सी०शु०-7]

ORDER

New Delhi, the 11th October, 1976

STAMPS

S.O. 3690.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the 6-1/4 per cent Orissa State Financial Coporation Bonds, 1986 issued in the form of promissory notes in the month of March, 1976 to the value of fifty five lakhs of rupees, are chargeable under the said Act.

[No. 57/76-Stamps/F. No. 471/74/76-CUs VII.]

आदेश

स्टाम्प

का०आ० 3691.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से, जो कर्नाटक राज्य वित्तीय निगम, बंगलौर द्वारा जारी किये जाने वाले एक सौ दस लाख रुपये मूल्य के वचन-पत्रों के रूप में बन्ध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं, छूट देती है ।

[सं० 56/76-स्टाम्प/फा०सं० 471/73/76-सी०शु०-7]

ORDER

STAMPS

S.O. 3691.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of one hundred and ten lakhs of rupees, to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, Bangalore, are chargeable under the said Act.

[No. 56/76-Stamps/F. No. 471/73/76-Cus. VII.]

आदेश

स्टाम्प

का० आ० 3692.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क से, जो महाराष्ट्र राज्य विद्युत् बोर्ड द्वारा जारी किये जाने वाले चार करोड़ और पचास लाख रुपये मूल्य के 10.25 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य विद्युत् बोर्ड के अप्रत्याभूत ऋण-पत्र, 1988 पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं, छूट देती है ।

[सं० 55/76-स्टाम्प/फा०सं० 471/72/76-सी०शु०-7]

ORDER

STAMPS

S.O. 3692.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the 10.25 per cent Maharashtra State Electricity Board Unguaranteed Debentures, 1988 to the value of four crores and fifty lakhs of rupees to be floated by the Maharashra State Electricity Board are chargeable under the said Act.

[No. 55/76?Stamps/F. No. 471/72/76-Cus. VII.]

नई दिल्ली, 13 अक्तूबर, 1976

स्टाम्प

का० आ० 3693.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और तारीख 28 अगस्त, 1976 के भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 2846-2847 पर प्रकाशित भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) की दिनांक 16 अगस्त, 1976 की अधिसूचना सं० 43/76-स्टाम्प/फा०सं० 471/24/76-सी०शु०-7 (का०आ० 3113) को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा स्टाम्प शुल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिये, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा के भारतीय मुद्रा में संपरिवर्तन के लिये विनिमय की दर, उसके स्तम्भ (3) में तत्संबंधी प्रविष्टियों में, विहित करती है ।

सारणी

क्रम सं०	विदेशी मुद्रा	100 रु० के समतुल्य विदेशी मुद्रा के विनिमय की दर
1.	आस्ट्रियन शिलिंग	193
2.	आस्ट्रेलियन डालर	8.77
3.	बेल्जियन फ्रैंक	419
4.	कनाडियन डालर	10.81
5.	डैनिश क्रोनर	65.80
6.	डूत्से मार्क	27.40
7.	डच गिल्डर	28.60
8.	फ्रेंच फ्रैंक	54.80
9.	हांग कांग डालर	53.50
10.	इटालियन लीरा	9520
11.	जापानी येन	3200
12.	मलयेशियन डालर	27.60
13.	नार्वेइयन क्रोनर	59.50
14.	पौंड स्टर्लिंग	6.7695
15.	स्वीडिश क्रोनर	47.90
16.	स्विस फ्रैंक	27.30
17.	अमरीकी डालर	11.14

[सं० 58/76/स्टाम्प/फा०सं० 471/24/76-सी०शु०-7]

डी०के० आचार्य, अवर सचिव

New Delhi, the 13th october, 1976

STAMPS

S.O. 3693.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Banking (Revenue Wing) No. 43/76-Stamps F.No.471/24/76-Cus.VII (S.O.3113) dated the 16th August, 1976, published at pages 2846-2847 of the Gazette of India, in part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 28th August, 1976, the Central Government hereby prescribes in column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty.

TABLE

Sl. No.	Foreign currency	Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100
1.	Austrian Schillings	193
2.	Australian Dollers	8.77
3.	Belgian Francs	419
4.	Canadian Dollars	10.81
5.	Danish Kroners	65.80
6.	Deutsche Marks	27.40
7.	Dutch Guilders	28.60
8.	French Francs	54.80
9.	Hong Kong Dollars	53.50
10.	Italian Lire	9520
11.	Japanese Yen	3200
12.	Malaysian Dollars	27.60
13.	Norwegian Kroners	59.50
14.	Pound Sterling	6.7695
15.	Swedish Kroners	47.90
16.	Swiss Francs	27.30
17.	U.S.A. Dollars	11.14

[No. 58/76/Stamps/F.No.471/24/76-Cus.VII]

D. K. ACHARYYA, Under Secy

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

(आय-कर)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1976

का०आ० 3694.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियां और उस निमित्त इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए, निदेश करता है कि निम्न अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 3 में की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर

सर्किलों, वार्डों और जिलों में आय-कर और अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

क्रम सं०	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1.	विशेष रेंज, लखनऊ	1. क-वार्ड, सर्किल-I, लखनऊ। 2. ख-वार्ड, सर्किल-I, लखनऊ। 3. ग-वार्ड, सर्किल-I लखनऊ। 4. क-वार्ड, सर्किल-II, लखनऊ। (जो 31-5-68 तक और उसके पश्चात् 1-8-68 से 1-6-69 तक और उसके पश्चात् विद्यमान था)। 5. कम्पनी सर्किल, लखनऊ। 6. विशेष सर्किल, लखनऊ। 7. सम्पदा-शुल्क एवं आयकर सर्किल, लखनऊ।
2.	लखनऊ रेंज, लखनऊ	1. सर्किल I, लखनऊ निम्नलिखित को छोड़कर; (i) क-वार्ड, सर्किल I, लखनऊ। (ii) ख-वार्ड सर्किल-I, लखनऊ। (iii) ग-वार्ड, सर्किल I, लखनऊ। 2. सर्किल II, लखनऊ (जो 31-5-68 तक और 8-1-68 से 1-6-69 तक और उसके पश्चात् विद्यमान था), क-वार्ड को छोड़कर। 3. सर्वेक्ष सर्किल, लखनऊ। 4. लखीमपुर खेड़ी। 5. सीतापुर। 6. हरदोई। 7. सम्पदा शुल्क-एवं आयकर सर्किल, इलाहाबाद।
3.	गोरखपुर रेज, गोरखपुर	1. वेतन सर्किल, लखनऊ 2. गोरखपुर 3. सर्वेक्षण सर्किल, गोरखपुर 4. बस्ती 5. बहराइच 6. गोंडा 7. फैजाबाद 8. आजमगढ़ 9. बलिया 10. जौनपुर 11. सुलतानपुर 12. देवरिया 13. रायबरेली 14. बाराबंकी।
4.	इलाहाबाद रेंज, इलाहाबाद	1. इलाहाबाद 2. सर्वेक्षण सर्किल, इलाहाबाद 3. वेतन सर्किल, इलाहाबाद 4. मिर्जापुर।
5.	वाराणसी रेंज, वाराणसी	1. सर्किल, I, वाराणसी 2. सर्किल II, वाराणसी 3. विशेष सर्किल, वाराणसी 4. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, वाराणसी 5. परियोजना सर्किल, वाराणसी 6. सर्वेक्षण सर्किल, वाराणसी।
6.	मुरादाबाद रेंज, मुरादाबाद	मुरादाबाद
7.	बरेली रेंज, बरेली	1. बरेली सर्किल 2. नैनीताल 3. हल्दवानी 4. चन्दौसी 5. रामपुर 6. शाहजहांपुर 7. बदायूं 8. काशीपुर 9. अल्मोड़ा 10. पीलीभीत 11. नजीबाबाद 12. बुलन्दशहर।

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आयकर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारिणी से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी।

यह अधिसूचना 1-7-1976 से प्रभावी है।

[सं० 1381/फा०सं० 261/5/76 आई०टी०जे०]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 1st July, 1976

INCOME-TAX

S.O. 3694.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other power enabling it in that behalf and in supersession of all previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax and Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in Column 3 thereof :

Sl. No.	Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2	3
1.	Special Range, Lucknow	1. A-Ward, Circle I, Lucknow. 2. B-Ward, Circle I, Lucknow. 3. C-Ward, Circle I, Lucknow. 4. A-Ward, Circle II, Lucknow. (which existed upto 31-5-68 and thereafter 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter). 5. Companies Circle, Lucknow. 6. Special Circle, Lucknow. 7. E.D.-cum-Income-tax Circles, Lucknow.

1	2	3
2. Lucknow Range, Lucknow		1. Circle I, Lucknow excluding; (i) A-Ward, Circle I, Lucknow (ii) B-Ward, Circle I, Lucknow (iii) C-Ward, Circle I, Lucknow 2. Circle II, Lucknow (which existed upto 31-5-68 & from 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter) excluding A-Ward. 3. Survey Circle, Lucknow. 4. Lakhimpur Kheri. 5. Sitapur. 6. Hardoi. 7. Estate Duty-cum-IT Circle, Allahabad.
3. Gorakhpur Range, Gorakhpur.		1. Salary Circle, Lucknow. 2. Gorakhpur. 3. Survey Circle, Gorakhpur. 4. Basti. 5. Bahraich. 6. Gonda. 7. Faizabad. 8. Azamgarh. 9. Ballia. 10. Jaunpur. 11. Sultanpur. 12. Deoria. 13. Rae Bareilly. 14. Barabanki.
4. Allahabad Range, Allahabad.		1. Allahabad. 2. Survey Circle, Allahabad. 3. Salary Circle, Allahabad. 4. Mirzapur.
5. Varanasi Range, Varanasi.		1. Circle I, Varanasi. 2. Circle II, Varanasi. 3. Special Circle, Varanasi. 4. Spl. Survey Circle, Varanasi. 5. Project Circle, Varanasi. 6. Survey Circle, Varanasi.
6. Moradabad Range, Moradabad.		Moradabad.
7. Bareilly Range, Bareilly.		1. Bareilly Circle. 2. Nanital. 3. Haldwani. 4. Chandausi. 5. Rampur. 6. Shahjahanpur 7. Budaun. 8. Kashipur. 9. Almora. 10. Pilibhit. 11. Najibabad. 12. Bulandshahar.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-7-1976.

Explanatory Note :

The amendment has been considered necessary consequent upon shifting of the Headquarters of the Appellate Range at present known as "B-Range, Lucknow" to Gorakhpur and on being named as "Gorakhpur Range, Gorakhpur".

[No. 1381/F. No. 261/5/76 I.T.J.]

आय-कर

का० आ० 3695.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा बोर्ड की अधिसूचना सं० 1045 (फा० सं० 261/16/75–आई०टी० जे०) तारीख 16-8-1975 का आंशिक उपान्तरण करते हुए, निदेश करता है कि सहायक आयकर आयुक्त (अपील) ख–रेंज, नागपुर यथाविनिर्दिष्ट निम्नलिखित आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले की बाबत, आय-कर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत अपने कृत्य का भी पालन करेगा।

सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), ख–रेंज, नागपुर	आय-कर सर्किल, वार्ड और जिला
	आय-कर अधिकारी, ख–वार्ड, वर्धा

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उद्भूत होने वाली और उस रेंज के, जिस से आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से, जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा निपटाई जाएगी।

यह अधिसूचना 1-7-1976 से प्रभावी होगी।

[सं० 1382, फा० सं० 261/1/76 आई० टी०जे०]

INCOME-TAX

S.O. 3695.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all powers enabling it in this behalf and in partial modification of Board's notification No. 1045 (F. No. 261/16/75-ITJ) dated 16-8-1975, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the A. A. C. B-Range, Nagpur, shall also perform his function in respect of all the persons and income assessed to Income Tax in respect of the following Income-tax Circle, Ward and District specified as under :—

	Income Tax Circle, Ward & District
Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, B-Range, Nagpur.	Income Tax Officer, B-Ward, Wardha.

Where an Income Tax Circle Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one range to another, appeals arising out, pending immediately before the date of his notification before the Appellate Asstt. Commissioner of the Range from whom the Income Tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income tax of the Range to whom the said Circle, Ward or District, part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-7-1976.

Explanatory Note :

The amendment has become necessary consequent upon creation of new Circle vaz., I.T.O. B-Ward, Wardha, in this Charge. (The above note does not form part of notification but is intended to be merely clarificatory)

[No. 1382/F. No. 261/1/76-ITJ]

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1976

आय-कर

का०आ० 3696.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी अधिसूचना सं० 1229 (फा० सं० 261/2/76-आई० टी० जे०) तारीख 16-2-1976 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, स्तम्भ 1 और 2 के नीचे तिरुचिरापल्ली रेंज, तिरुचिरापल्ली और मदुराई रेंज, मदुराई के सामने क्रमश: निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

तिरुचिरापल्ली रेंज, तिरुचिरापल्ली	1. तिरुचिरापल्ली सर्किल 2. नगर सर्किल-1, तिरुचिरापल्ली (सभी अनुभाग) 3. नगर सर्किल-2, तिरुचिरापल्ली (सभी अनुभाग) 4. कम्पनी सर्किल, तिरुचिरापल्ली 5. करूर सर्किल, (सभी अनुभाग) 6. पुदुकोट्टइ सर्किल (सभी अनुभाग) 7. डिन्डीगुल सर्किल (सभी अनुभाग) 8. कराईकुडी सर्किल (सभी अनुभाग) 9. रामनाथपुरम सर्किल
मदुराई रेंज, मदुराई	1. कम्पनी सर्किल, मदुराई 2. मदुराई सर्किल 3. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, मदुराई 4. विशेष सर्किल, मदुराई (निष्क्रांत सम्पत्ति के मामले निपटाने वाला भूतपूर्व सर्किल) 5. विशेष सर्किल, मदुराई (2-12-74 से बनाया गया नया आय-कर सर्किल)। 6. विरुद्ध नगर सर्किल 7. टूटीकोरिन सर्किल 8. तिरुनेलवेली सर्किल 9. नेगरकायल सर्किल

यह अधिसूचना 5-7-1976 से प्रभावी होगी।

[सं० 1383/फा०सं० 261/2/76-आई०टी०जे०]

New Delhi, the 5th July, 1976

INCOME-TAX

S.O. 3696.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment in its Notification No. 1229 (F. No. 261/2/76-ITJ) dated 16-2-1976, namely:

In the said schedule under columns 1 & 2 against Tiruchirapalli Range, Tiruchirapalli and Madurai Range, Madurai, the following shall be substituted respectively, namely:—

Tiruchirapalli Range, Tiruchirapalli	(1) Tiruchirapalli Circle. (2) City Circle-I, Tiruchirapalli (all sections). (3) City Circle-II, Tiruchirapalli (all sections) (4) Companies Circle, Tiruchirapalli. (5) Karur Circle (all sections) (6) Pudukottai Circle (all sections) (7) Dindigul Circle (all sections). (8) Karaikudi Circle (all sections) (9) Ramanathapuram Circle.
Madurai Range, Madurai	(1) Company Circle Madurai. (2) Madurai Circle. (3) Special Survey Circle, Madurai. (4) Special Circle, Madurai (Erstwhile circle dealing with EPT cases). (5) Special Circle, Madurai (New Income-tax Circle formed with effect from 2-12-74). (6) Virudhunagar Circle. (7) Tuticorin Circle. (8) Tirunelveli Cirlcle (9) Nagercoil Circle.

This notification shall take effect from 5-7-76.

Explanatory Note :

These amendments have become necessary on account of transfer of Virudhunagar circle from the AAC, Tiruchirapalli To AAC, Madurai. (The above note does not form a part of the notification, but is intended to be merely clarificatory).

[No. 1383/F. No. 261/2/76-ITJ]

शुद्धिपत्र

आय-कर

का०आ० 3697.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की अधिसूचना सं० 1341 (फा० सं० 261/11/76-आई०टी०जे०) तारीख 31-5-1976 में स्तम्भ 3, में, क्रम संख्या 27 के सामने :

"1. जिला-I (I), कलकत्ता (क से च वार्डों से भिन्न)" के स्थान पर

"1. जिला-I (I), कलकत्ता (क से च वार्ड)" पढ़ें।

[सं० 1384/फा० सं० 261/11/76-आई० टी० जे०]

CORRIGENDUM

INCOME-TAX

S.O. 3697.—In the notification of the Central Board of Direct Taxes No. 1341 (F. No. 261/11/76-ITJ) dated 31-5-1976.

In column 3 against Sl. 27

For "1. District-I(I), Calcutta (other than A to F-Wards)"

Read "1. District-I(I), Calcutta (A to F-Wards)"

[No. 1384/F. No. 261/11/76-ITJ]

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976

आय-कर

का०आ० 3698.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं का आंशिक उपान्तरण करते हुए, निदेश देता है कि निम्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 3 में की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों, वार्डों और जिलों

में आय-कर या अधिकर से निर्धारित व्यक्तियों और आयों की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे :--

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सर्किल/वार्ड और जिले
1	2	3
1.	घ-रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला III), (6) (अतिरिक्त), (7), (7) (अतिरिक्त), (8) और (9) नई दिल्ली ।
		(ii) प्रथम अतिरिक्त सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली ।
2.	ठ-रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला-III (25), (25) (अतिरिक्त) (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) (अतिरिक्त) (33), (34), और (35) नई दिल्ली ।
		(ii) सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली ।
		(iii) परिवहन सर्किल और प्रथम अतिरिक्त परिवहन सर्किल, नई दिल्ली ।
		(iv) जिला-III, वार्ड ज, झ, ञ, ट, ठ, क (1), ग (1), ङ (1), छ (1), झ (1) और ट (1), नई दिल्ली ।
		(v) विशेष निर्धारण सर्किल-I, II, III, VI, VII, VIII, और X नई दिल्ली ।
		(vi) विशेष सर्वेक्षण सर्किल-II, III, IV और IX, नई दिल्ली ।
		(vii) आय-कर-एवं-धन-कर सर्किल-II, नई दिल्ली ।
		(viii) ख-VI, ख-VII, ख-VII (अतिरिक्त), ख-IX, और ख-IX (अतिरिक्त), नई दिल्ली ।
3.	ड-रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला III (1), (1) (अतिरिक्त), 1 (प्रथम अतिरिक्त) (संग्रहण), (1) द्वितीय अतिरिक्त (संग्रहण), (1) तृतीय अतिरिक्त (संग्रहण), (2), (2) (अतिरिक्त), (3), (4) और (5), नई दिल्ली ।
		(ii) निष्क्रांत सर्किल, नई दिल्ली ।
		(iii) जिला-III, वार्ड ख, ग, घ, ङ, च, (अतिरिक्त), छ, ज, झ, (1) और ढ, नई दिल्ली ।
		(iv) द्वितीय अतिरिक्त सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली ।
4.	ण-रेंज, नई दिल्ली	(i) सभी सरकारी वेतन सर्किल, नई दिल्ली ।
		(ii) सभी प्राइवेट वेतन सर्किल, नई दिल्ली ।
		(iii) आय-कर अधिकारी (विशेष कार्य अधिकारी, कृषि, धन-कर शाखा, नई दिल्ली ।
		(iv) जिला II (12), (12) (अतिरिक्त), (13), (14), (15) और (16), नई दिल्ली ।
		(v) आय-कर-एवं-धन-कर सर्किल VIII, नई दिल्ली ।

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना के तारीख के ठीक पूर्व लंबित अपीलें, उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी ।

यह अधिसूचना 15-7-1976 से प्रभावी होगी ।

[सं० 1392/फा० सं० 261/3/76-आई०टी०जे०]

New Delhi, the 14th July, 1976

INCOME-TAX

S.O.3699:—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of the persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in Column 3 thereof :

SCHEDULE

Sl. No.	Ranges	Income-tax Circles/Ward & Distts.
1	2	3
1.	D-Range, New Delhi	(i) Distt. III (6), (6) (Addl.), (7), (7) (Addl.), (8) & (9), New Delhi.
		(ii) 1st Addl. Survey Circle-III, New Delhi.
2.	L-Range, New Delhi	(i) District-III (25), (25) (Addl.), (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) (Addl.), (33), (34) & (35), New Delhi.
		(ii) Survey Circle-III, New Delhi.
		(iii) Transport Circle and 1st Addl. Transport Circle, New Delhi.

1	2	3
		(iv) District-III, Wards H, I, J, K, L, A(I), C(I), E(I), G(I), I(I), & K(I), New Delhi.
		(v) Special Assessment Circles-I, II, III, VI, VII, VIII & X, New Delhi.
		(vi) Special Survey Circles-I I, III IV & IX, New Delhi.
		(vii) Income-tax-cum-Wealth-tax Circle-II, New Delhi.
		(viii) B-VI, B-VII, B-VII (Addl), B-IX & B-IX (Addl.), New Delhi.
3.	M-Range, New Delhi.	(i) District III (1), (I) (Addl.), I (1st Addl.) (Collection), (1) 2nd Addl. (Collection), (1) 3rd Addl. (Collection), (2), (2) (Addl.), (3), (4) and (5), New Delhi.
		(ii) Evacuee Circles, New Delhi.
		(iii) District-III, Wards B, C, D, E, F, F (Addl.), G, M, M(I) and N, New Delhi.
		(iv) 2nd Addl. Survey Cir. III, New Delhi.
4.	O-Range, New Delhi.	(i) All Government Salary Circles, New Delhi.
		(ii) All Private Salary Circles, New Delhi.
		(iii) Income-tax Officer (Officer on Special), Duty, Agricultural, Wealth-tax Branch, New Delhi.
		(iv) Distt. II (12), (12) (Addl.), (13), (14), (15) and (16), New Delhi.
		(v) Income-tax-cum-Wealth-tax Circle VII, New Delhi.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Income-tax of the ranges from whom that income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 15-7-1976.

[No. 1392/F. No. 261/3/76-ITJ]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1976

आय-कर

का०आ० 3699.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रांत करते हुए, निदेश करता है कि निम्न अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 3 में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आय-कर और अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे :--

क्रम सं०	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1.	विशेष रेंज, लखनऊ	1. क-वार्ड, सर्किल-I, लखनऊ।
		2. ख-वार्ड, सर्किल-I, लखनऊ।
		3. ग-वार्ड, सर्किल-I, लखनऊ।
		4. क-वार्ड, सर्किल-II, लखनऊ (जो 31-5-68 तक और उसके पश्चात् 1-8-68 से 1-6-69 तक और उसके पश्चात् विद्यमान था)।
		5. कम्पनी सर्किल, लखनऊ।
		6. विशेष सर्किल, लखनऊ।
		7. सम्पदा-शुल्क एवं आय-कर सर्किल, लखनऊ।
2.	लखनऊ रेंज, लखनऊ	1. सर्किल-I, लखनऊ, निम्नलिखित को छोड़कर ;
		(i) क-वार्ड, सर्किल I, लखनऊ।
		(ii) ख-वार्ड सर्किल I, लखनऊ।
		(iii) ग-वार्ड, सर्किल, I, लखनऊ।
		2. सर्किल II, लखनऊ (जो 31-5-68 तक और 1-8-68 से 1-6-69 तक और उसके पश्चात् विद्यमान था), क-वार्ड को छोड़कर।
		3. सर्वेक्षण सर्किल, लखनऊ।
		4. लखीमपुर खेड़ी
		5. सीता पुर
		6. हरदोई
		7. राय बरेली
		8. बाराबंकी
		9. वेतन सर्किल, लखनऊ।
3.	गोरखपुर रेंज, गोरखपुर	1. गोरखपुर
		2. सर्वेक्षण सर्किल, गोरखपुर
		3. बस्ती
		4. बहराइच
		5. गोंडा
		6. फैजाबाद
		7. आजमगढ़
		8. बलिया
		9. जौनपुर
		10. देवरिया

1	2	3
4. इलाहाबाद रेंज, इलाहाबाद		1. इलाहाबाद
		2. सर्वेक्षण सर्किल, इलाहाबाद
		3. वेतन सर्किल, इलाहाबाद
		4. मिर्जापुर
		5. सुल्तानपुर
		6. सम्पदा-शुल्क एवं आय-कर-सर्किल, इलाहाबाद ।
5. वाराणसी रेंज, वाराणसी		1. सर्किल I, वाराणसी
		2. सर्किल II, वाराणसी
		3. विशेष सर्किल, वाराणसी
		4. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, वाराणसी
		5. परियोजना सर्किल वाराणसी
		6. सर्वेक्षण सर्किल, वाराणसी ।
6. मुरादाबाद रेंज, मुरादाबाद		मुरादाबाद
7. बरेली रेंज, बरेली		1. बरेली सर्किल
		2. नैनीताल
		3. हल्दवानी
		4. चन्दौसी
		5. रामपुर
		6. शाहजहानपुर
		7. बदायूं
		8. काशीपुर
		9. अल्मोड़ा
		10. पीलीभीत
		11. नजीबाबाद
		12. बुलन्दशहर ।

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना के तारीख के ठीक पूर्व लाम्बित अपीलें, उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी ।

यह अधिसूचना 2-8-1976 से प्रभावी है ।

[सं० 1417/फा०सं० 261/5/76 आई० टी० जे०]

एस० रामास्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 30th July, 1976

INCOME-TAX

S.O. 3699.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other power enabling it in that behalf, and in supersession of all previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income tax and Super-tax in the Income tax Circles, Ward and Districts specified in the corresponding entry in Column 3 thereof.

Sl. No.	Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2	3
1.	Special Range, Lucknow.	1. A—Ward, Circle-I, Lucknow.
		2. B—Ward, Circle-I, Lucknow.
		3. C—Ward, Circle-I, Lucknow.
		4. A—Ward, Circle II, Lucknow (which existed up to 31-5-68 and thereafter 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter).
		5. Companies Circle, Lucknow.
		6. Special Circle, Lucknow.
		7. E.D.-*cum*-Income-tax Circle, Lucknow.
2.	Lucknow Range, Lucknow.	1. Circle I, Lucknow excluding; (i) A—Ward, Circle I, Lucknow. (ii) B—Ward, Circle I, Lucknow. (iii) C—Ward, Circle I, Lucknow.
		2. Circle II, Lucknow (which existed up to 31-5-68 & from 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter) excluding A—Ward.
		3. Survey Circle, Lucknow.
		4. Lakhimpur Kheri.
		5. Sitapur.
		6. Hardoi.
		7. Rae Bareli.
		8. Barabanki.
		9. Salary Circle, Lucknow
3.	Gorakhpur Range, Gorakhpur.	1. Gorakhpur.
		2. Survey Circle, Gorakhpur.
		3. Basti.
		4. Bahraich.
		5. Gonda.
		6. Faizabad.
		7. Azamgarh.
		8. Ballia.
		9. Jaunpur.
		10. Deoria.
4.	Allahabad Range, Allahabad.	1. Allahabad.
		2. Survey Circle, Allahabad.
		3. Salary Circle, Allahabad.
		4. Mirzapur.
		5. Sultanpur.
		6. Estate Duty-*Cum* Income-tax Circle, Allahabad.
5.	Varanasi Range, Varanasi.	1. Circle I, Varanasi.
		2. Circle II, Varanasi.
		3. Special Circle, Varanasi.
		4. Spl. Survey Circle, Varanasi.
		5. Project Circle, Varanasi.
		6. Survey Circle Varanasi.
6.	Moradabad Range, Moradabad.	Moradabad.
7.	Bareilly Range, Bareilly.	1. Barielly Circle.
		2. Nainital.
		3. Haldwani.
		4. Chandausi.
		5. Rampur.
		6. Shahjahanpur.
		7. Budaun.
		8. Kashipur.
		9. Almora.
		10. Pilibhit.
		11. Najibabad.
		12. Bulandshahar.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or Part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 2-8-76.

[No. 1417/F. No. 261/5/76-ITJ]

S. RAMASWAMI, Under Secy.

आयकर आयुक्त कार्यालय, पटियाला

पटियाला, 7 अक्तूबर, 1976

(आय-कर)

का०आ० 3700.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन प्रकाशनार्थ 25000 रु० या उससे अधिक कर की अदायगी में चूक करने वालों की सूची जैसी वह 31-3-1976 को थी—(i) चूक की ऐसी रकम के लिए है जो नौ मास से अधिक अवधि के लिए है परन्तु एक वर्ष और तीन मास से अधिक की अवधि के लिए नहीं है; (ii) चूक की ऐसी रकम के लिए है जो एक वर्ष तीन मास के अवधि के लिए तथा उससे अधिक की अवधि के लिए है परन्तु दो वर्ष और तीन मास से अधिक अवधि की अवधि के लिए नहीं है; (iii) चूक की ऐसी रकम के लिए है जो दो वर्ष तीन मास की अवधि के लिए है तथा उससे अधिक की अवधि के लिए है; (iv) चूक की कुल रकम के लिए है।

1. श्री सिरी राम मार्फत जिन्दल स्टील वर्क्स, मलेरकोटला (iii) 3,25,430 (iv) 3,25,430

2. मैसर्स कलकत्ता बस सर्विस (प्रा०) लि०, गोबिन्दगढ़ (iii) 29,199 (iv) 29,199

3. मैसर्स प्रीमीयर बस सर्विस, पटियाला (iii) 85,285 (iv) 85,285

4. मैसर्स कांगड़ा आयरन एण्ड स्टील सिण्डीकेट, कांगड़ा (iii) 54,129 (iv) 54,129

5. श्री सुखदेव सिंह मार्फत मैसर्स गुरबख्श स्टील एण्ड वायर प्रोडक्ट कांगड़ा (iii) 26,651 (iv) 26,651

6. भूतपूर्व संसद् सदस्य श्री चत्तर सिंह के विधिक वारिस श्री देविन्दर कुमार बरोता चम्बा (iii) 48,355 (iv) 48,355

7. मैसर्स आजाद हिन्द केमिकल लिमिटेड, कांगड़ा (iii) 90,922 (iv) 90,922

8. मैसर्स आत्मा राम शादी लाल, शिमला (iii) 32,446 (iv) 32,446

9. मैसर्स मैट्रोपोल होटल, शिमला (iii) 75,195 (iv) 75,195

10. श्री शान्ती बस्सी मार्फत मैसर्स मैट्रोपोल होटल, शिमला (iii) 25,650 (iv) 25,650

11. श्री धनवन्त सिंह सेखों, श्री बलवन्त सिंह के द्वारा 671, सेक्टर 8 बी, चण्डीगढ़ (ii) 73041 (4) 73041

[फा० सं० रेक/प्रकाशन/III]

वी० पी० गुप्ता, आयुक्त

Office of the commissioner of Income-tax, Patiala

Patiala, the 7th October, 1974

INCOME-TAX

S.O. 3700.—List of defaulters for payment of tax of Rs. 25,000 or more as on 31-3-1976 to be published u/s 287 of the I. T. Act, 1961—(i) is for amount in default for periods exceeding nine months but not exceeding one year and three months (ii) for amount in default for period of one year and three months and above but not exceeding two years and three months, (iii) for amount in default for a period of two years and three months and above (iv) for total amount in default.

1. Shri Siri Ram c/o Jindal Steel Works, Malerkotta, (iii) 3,25,430 (iv) 3,25,430.
2. M/s. Calcutta Bus Service (P) Ltd. Gobindgarh. (iii) 29,199 (iv) 29,199.
3. M/s. Premier Bus Service, Patiala, (ii) 85,285 (iv) 85,285.
4. M/s. Kangra Iron & Steel Syndicate, Kangra. (iii) 54,129 (iv) 54,129.
5. Sh. Sukhdev Singh c/o M/s. Gurbax Steel & Wire Product, Kangra, (iii) 26,651 (iv) 26,651.
6. Sh. Devinder Kumar Barotra, L/h of Sh. Chattar Singh, Ex. M.P. Chamba. (iii) 48,355 (iv) 48,355.
7. M/s. Azad Hind Chemical Ltd., Kangra. (iii) 90,922 (iv) 90,922.
8. M/s. Atma Ram Shadi Lal, Simla. (iii) 32,446 (iv) 32,446.
9. M/s. Metropole Hotel, Simla. (iii) 75,195 (iv) 75,195.
10. Shri Shanti Bassi c/o M/s. Metropole Hotel, Simla. (iii) 25,650 (iv) 25,650.
11. Sh. Dhanwant Singh Sekhon through Sh, Balwant Singh, 671, Sector 8-B, Chandigarh—(ii) 73,041 (iv) 73,041.

[F. No. Rec/Publication/III]

V. P. GUPTA, Commissioner

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 5 अक्तूबर, 1976

का०आ० 3701.—उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा विकास परिषद् (प्रक्रियात्मक) नियम, 1952 के नियम 2, 4, और 5 के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा इस आदेश की तिथि से इस विभाग में श्री आर० के० रंगन, उप-सचिव के सेवानिवृत्त हो जाने पर उनके स्थान पर उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट्स) उद्योग की विकास परिषद् जिसका गठन इस विभाग के आदेश दिनांक 16 अप्रैल, 1975 द्वारा किया गया था का बाकी अवधि के लिए श्री सी० मल्लिकार्जुन को सदस्य नियुक्त करती है।

[आई०डी०आर०ए०/6/5.—सं० आई० एम० ई०-3(4)/74]
सी० मल्लिकार्जुन, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 5th October, 1976

S.O. 3701.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the I(D&R) Act 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints with immediate effect from the date of this Order, Shri C. Mallikarjunan, Under Secretary in this Department, to be a member of the Development Council for Instruments Industry for the rest of its term, constituted vide this Department's Order dated the 16th April, 1975 vice Shri R. K. Rangan, Deputy Secretary, since retired.

[No. IDRA/6/5—No. IME-3(4)/74]
C. MALLIKARJUNAN, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 अक्तूबर, 1976

का०आ० 3702.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़, अधिनियम, 1966 (1966 की सं० 51) की धारा 5 के खंड (ङ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एन० पी० माथुर, जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया है, के स्थान पर संघ शासित क्षेत्र चण्डीगढ़ के मुख्य आयुक्त श्री टी० एन० चतुर्वेदी को एतद्द्वारा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ का सदस्य मनोनीत करती है।

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय की 2 जून 1972 की अधिसूचना सं० वी० 17013/1/72-एम ई (पी जी) में क्रम संख्या 2 के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा।

"2. श्री टी० एन० चतुर्वेदी,
मुख्य आयुक्त
संघ शासित क्षेत्र, चंडीगढ़।

[सं० वी 17013/4/76-एम ई (पी जी)]
पी० सी० जैन, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 5th October, 1976

S.O. 3702.—In pursuance of clause (e) of section 5 of the Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Act, 1966 (No. 51 of 1966), the Central Government hereby nominates Shri T. N. Chaturvedi, Chief Commissioner, Union Territory, Chandigarh to be a member of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Shri N. P. Mathur resigned.

In the Ministry of Health and Family Planning Notification No. V. 17013/1/72-ME(PG), dated the 2nd June, 1972, for serial No. 2, the following shall be substituted :—

"2. Shri T. N. Chaturvedi,
Chief Commissioner,
Union Territory of
Chandigarh."

[F. No. V. 17013/4/76-ME(PG)]
P. C. JAIN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 1976

का०आ० 3703. यत: दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 6 की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 3 के खण्ड (घ) का अनुसरण करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके सम्मुख उल्लिखित विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीख से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है, अर्थात् :—

व्यक्ति का नाम	विश्वविद्यालय का नाम	निर्वाचन की तारीख
1	2	3
डा० वी० वीरास्वामी, प्रधानाचार्य, कोयम्बटूर मेडिकल कालेज, कोयम्बटूर-14	मद्रास विश्वविद्यालय	2-4-1976

1	2	3
डा० डी० एल० इंगोले, रीडर, (मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, नागपुर), 508, आनन्द नगर शक्करदारा पुलिस स्टेशन के सामने, नागपुर ।	नागपुर विश्वविद्यालय	23-2-1976
डा० एस० एस० आहूजा, प्रधानाचार्य, कालेज आव डेन्टिस्ट्री, इन्दौर ।	इंदौर विश्वविद्यालय	26-3-1976

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 17 अक्तूबर, 1962 की अधिसूचना संख्या 3-2/62-चि० 2 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :--

उक्त अधिसूचना में "दन्त चिकित्सा अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (छ) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 5, 12 और 15 तथा उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां रख ली जाएं, अर्थात् :--

"5--डा० वी० वीरास्वामी,
प्रधानाचार्य,
कोयम्बटूर मेडिकल कालेज,
कोयम्बटूर--14

12-- डा० एस० एस० आहूजा,
प्रधानाचार्य,
कालेज आफ डेन्टिस्ट्री,
इंदौर ।

15. डा० डी० एल० इंगोले,
रीडर,
मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, नागपुर
508, आनन्द नगर,
शक्करदारा पुलिस स्टेशन के सामने,
नागपुर ।

[सं० वी० 12013/1/76-एम० पी० टी०]

New Delhi, the 8th October, 1976

S.O. 3703.—Whereas in pursuance of the Provision of clause (d) of section 3 read with sub-section (4) of section 6 (4) of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the following persons have been elected by the University specified against each of them to be the members of the Dental Council of India, with effect from the date noted against each, namely :—

Name of the Person	Name of the University	Date of election
Dr. V. Viraswami, Principal, Coimbatore Medical College, Coimbatore-14.	Madras University	2-4-1976
Dr. D.L. Ingole, Reader, (Medical College and Hospital, Nagpur), 508, Anand Nagar, Opp. Sakkardara Police Station, Nagpur.	Nagpur University	23-2-1976
Dr. S.S. Ahuja, Principal, College of Dentistry, Indore.	Indore University	26-3-1976

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 3-2-/62-MII, dated the 17th October, 1962, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (d) of section 3 of the Dentists Act", for Serial numbers 5, 12 and 15 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall respectively be substituted, namely :—

"5. Dr. V. Viraswami,
Principal,
Coimbatore Medical College,
Coimbatore-14.

12. Dr. S. S. Ahuja,
Principal,
College of Dentistry,
Indore.

15. Dr. D. L. Ingole,
Reader, Medical College and Hospital, Nagpur,
508, Anand Nagar,
Opp. Sakkardara Police Station,
Nagpur.

[No. V. 12013/1/76-MPT]

का०आ० 3704. यतः दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948, (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (ख) का अनुसरण करते हुए डा० मृनाल नन्दी को 24 मार्च, 1976 से भारतीय दंत चिकित्सा परिषद् का पुनः सदस्य निर्वाचित किया गया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि डा० मृनाल नन्दी उक्त अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (ख) के अधीन भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् के सदस्य बने रहेंगे ।

[सं० वी 12013/1/76-एम० पी० टी०]

S.O. 3704.—Whereas in pursuance of clause (b) of section 3 of the Dentists Act, 1948, (16 of 1948), Dr. Mrinal Nandi has been re-elected to be a member of the Dental Council of India, with effect from the 24th March, 1976;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that Dr. Mrinal Nandi

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that Dr. Mrinal Nand shall continue to be the member of the Dental Council of India, elected under clause (b) of section.

[No. V. 12013/1/76-MPT]

का० आ० 3705.—यतः दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (ङ) का अनुसरण करते हुए उड़ीसा सरकार ने डा० जोर्ज पटनायक को 4 जून, 1976 से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् का पुनः सदस्य मनोनीत किया है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश करती है कि डा० जोर्ज पटनायक उक्त अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (ङ) के अधीन भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् के मनोनीत सदस्य बने रहेंगे।

[संख्या वी० 12013/1/76-एम०पी०टी०]

वि० के० अग्निहोत्री, अवर सचिव

S.O. 3705.—Whereas in pursuance of clause (e) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Government of Orissa has re-nominated Dr. George Patnaik to be a member of the Dental Council of India, with effect from the 4th June, 1976;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that Dr. George Patnaik shall continue to be the member of the Dental Council of India, nominated under section 3, clause (e) of the Act.

[No. V. 12013/1/76-MPT]

V. K. AGNIHOTRI, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3706.—कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन तथा विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की तारीख 28 अगस्त, 1975 की अधिसूचना सं० 3076 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट क्षेत्र में भूमि अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 2525.23 एकड़ (लगभग) या 1021.96 हेक्टेयर (लगभग) भूमि अर्जित की जानी चाहिए ;

अतएव, अब उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह घोषित करती है कि उक्त अनुसूची में 2525.23 एकड़ (लगभग) या 1021.96 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि अर्जित की जाती है ।

2. इस अधिनियम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के नक्शों का निरीक्षण उपायुक्त हजारीबाग (बिहार), उपायुक्त गिरिडीह (बिहार), उपायुक्त धनबाद (बिहार) अथवा कोयला नियंत्रक, 1-कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में अथवा सेन्ट्रल कोल-फील्ड्स लिमिटेड (रेवेन्यू सेक्शन) दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है ।

अनुसूची

दामोदर, कुनार, बोकारो तथा खंजू नदी पाट

पूर्वी बोकारो कोयला क्षेत्र

खंड I

ड्राइंग संख्या राजस्व/14/76

तारीख 25-2-76

(अर्जित भूमि दर्शाते हुए)

समस्त अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्रफल	टिप्पण
1.	बर्मो	नवडीह (बर्मो)	18	गिरीडीह		आंशिक
2.	जरीडीह	,,	19	,,		,,
3.	बैदकारो	,,	20	,,		,,
4.	कुसरो	,,	67	,,		,,
5.	धोरी	,,	68	,,		,,
6.	मकोली	,,	69	,,	1270.00	,,
7.	तुरिओ	,,	70	,,		,,
8.	टार्मी	,,	71	,,		,,
9.	राजाबेरा	,,	86	,,		,,
10.	रंगामाटी	,,	87	,,		,,
11.	बुरसेरा	,,	109	,,		,,
12.	खेतको	पेटरबार	45	हजारीबाग		,,
13.	चल्कारी	,,	46	,,		,,
14.	भुजको	,,	48	,,		,,
15.	पिछरी	,,	49	,,		,,
16.	खेरहो	,,	50	,,		,,
17.	अंगवाली	,,	51	,,		,,
18.	नवडीह	,,	52	,,		,,
19.	मुलान खेत को	,,	54	,,		,,
20.	चांडो	,,	55	,,		,,
21.	खुर्द चांडो	,,	59	,,		,,
22.	खटा	,,	60	,,		,,
23.	सोनपुर	,,	62	,,		,,
24.	दांतू	,,	64	,,		,,
25.	हुसलता	,,	69	,,		,,
26.	बेल्डोतनर	,,	70	,,		,,
27.	संजूडीह	,,	71	,,		,,
28.	धाधकिया	,,	73	,,		,,
29.	पोनरा	,,	74	,,		,,
30.	कमलापुर	,,	76	,,		,,
31.	पिपराडीह	,,	77	,,	971.98	,,
32.	बहादुरपुर	,,	78	,,		,,
33.	बारू	,,	79	,,		,,
34.	कल्याणपुर	,,	81	,,		,,
35.	मांगो	,,	166	,,		(थाना जरीडीह थाना सं० 1 को अन्तरित)
36.	शिबुतनार	,,	168	,,		आंशिक
37.	कुन्डोरी	,,	169	,,		,,
38.	तन्त्री	,,	171	,,		,,
39.	केन्दुआडीह	जरीडीह	9	,,		,,
40.	जैना	,,	10	,,		,,
41.	बांधडीह	,,	11	,,		,,
42.	पाथरा	चास	1	धनबाद	155.00	,,
43.	बैदमारा	,,	2	,,		,,

कुल क्षेत्र : 2396.98 एकड़ (लगभग)
या 970.01 हैक्टेयर (लगभग)

जिला गिरीडीह में :—

बर्मो ग्राम में अर्जित प्लाट की संख्या :—1371
जरीडीह ग्राम में अर्जित प्लाटों की संख्या :—2065(पी) तथा 2326
बैदकारी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1269(पी)
कुसरो ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1(पी), 791, 799 और 814
धोरी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—3228
मकोली ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—114

दुरिमो ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—2 और 742
टार्मी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—997
राजाबेरा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—3 और 398
रंगामाटी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—2603 और 2696
बुरसेरा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1752

हजारीबाग क्षेत्र में :—

खेतकी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—2470(पी)
चल्कारी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1, 474, 775, 938 और 4149
मुजको ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—450
पिछरी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1, 7, 2510 और 4309
खेरहो ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—507
अंगवाली ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—158, 421, 2368, 2536 और 3067
नवाडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—497, 856, 1030 और 1138
भुलान खेतकी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—311 और 445
चांडो ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1359
खुर्द चांडो ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—252
सोनपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1194
खूटा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—358
दांतू ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1079, 1514 और 1515
हसलता ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—520, 1057, 1575, 2277, 2278 और 2279
बेन्डोतनर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1
सर्जूडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1 और 263
धाधकिया ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—
पोनरा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1 और 377
कमलापुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1, 2 और 616
पिपराडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—12 और 23
बहादुरपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1
बारू ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1, 118, 313 और 625
कल्याणपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1, 45 और 945
मांगो ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—1, 316, 1392 और 2221
शिबुतनार ग्राम में अर्जित किए प्लाटों की संख्या :—1, 45 और 2221
कुन्डोरी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—2888
केन्दुआडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—436 और 469
जैना ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1
बाधडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—1

धनबाद जिले में :—

पांचरा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या :—75 और 3266
बैदमारा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—2(पी)

सीमा का ब्यौरा :—

ए-बी	लाइन दामोदर नदी ग्राम जरीडीह के प्लाट सं० 2065 तथा ग्राम खेतको के प्लाट सं० 2470 में से होकर जाती है ।
बी—सी	लाइन जिला हजारीबाग के थाना पेटरवार के ग्राम खेतको, चल्कारी, मुजको तथा अंगवाली में दामोदर नदी के दाएं किनारे के साथ-साथ जाती है ।
सी—डी	लाइन जिला हजारीबाग के थाना पेटरवार के ग्राम अंगवाली, नवाडीह, भुलान खेतको, चांडो, खुर्द चांडो, खूटा, पिपराडीह, सोनपुरा, दांतू तथा हसलता में खंजू नदी के बांए किनारे के साथ-साथ जाती है ।
डी—ई	लाइन खंजू नदी से होकर जाती है (जो ग्राम हसलता के प्लाट सं० 530 तथा 389 की समान्य सीमा है तथा ग्राम बेन्डोतनर के प्लाट सं० 1 और 315 की सामान्य सीमा है) ।
ई—एफ	लाइन जिला हजारीबाग के थाना पेटरवार के ग्राम बन्डोतनर, सर्जूडीह, धाधकिया, पोनरा, कमलापुर, बहादुरपुर, बारू, कल्याणपुर, अंगवाली, खेरहो तथा पिछरी, थाना जरीडीह, जैना तथा केन्दुआडीह में खंजू नदी से बांए किनारे के साथ साथ जाती है ।
एफ—जी	लाइन जिला हजारीबाग के थाना पेटरवा के ग्राम पिछरी, शिबुतना, कुन्डोरी में तथा थाना जरीडीह के ग्राम मांगो में तथा जिला धनबाद के थाना चास के ग्राम पांचरा तथा बैदमारा में दामोदर नदी के दांए किनारे के साथ-साथ जाती है ।

जी—एच	लाइन दामोदर नदी जिला धनबाद के थाना चास के ग्राम बैदमारा के प्लाट सं० 2 से होकर तथा जिला गिरीडीह में थाना नवाडीह (बर्मो) के ग्राम बुरसेरा के प्लाट सं० 1752 और 1204 की सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।
एच—आई	लाइन जिला गिरीडीह के थाना नवाडीह (बर्मो) के ग्राम बरसेरा, रंगमाटी, राजाबेरा, टामी, तुरियो, मकोली तथा ग्राम घोरी के कुछ भाग में से दामोदर नदी के बाएं किनारे के साथ साथ जाती है।
आई—जे—के—एल	लाइनें दामोदर नदी से होकर (अर्थात् ग्राम घोरी के प्लाट सं० 1390 और 3228 की सामान्य सीमा के साथ-साथ दामोदर नदी की आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ, जो घोरी और पिछरी ग्रामों की सामान्य सीमाएं हैं, घोरी और अंगवाली ग्रामों की सामान्य सीमाएं हैं, तब घोरी ग्राम की प्लाट सं० 3233 और फुसरो ग्राम के प्लाट सं० 799 की सामान्य सीमाओं के साथ साथ) जाती है [जो राष्ट्रीय कोयला विकास निगम द्वारा कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 के अधीन अर्जित क्षेत्र की आंशिक सामान्य सीमा भी है] :
एल—एम	लाइन जिला गिरीडीह के थाना नवाडीह (बर्मो), ग्राम फुसरो में दामोदर नदी के बाएं किनारे के साथ साथ जाती है।
एम—एन—ओ—पी	लाइनें फुसरो ग्राम के प्लाट सं० 1 में दामोदर नदी से होकर, दामोदर नदी की आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ (जो ग्राम फुसरो और ग्राम चल्कारी की सामान्य सीमा, ग्राम करगाली और चल्कारी की सामान्य सीमा, ग्राम बैदकारो और चल्कारी की आंशिक सामान्य सीमा है) जाती है [जो जिला गिरीडीह, थाना नवाडीह (बर्मो), ग्राम फुसरो, करगाली और बैदकारो में राष्ट्रीय कोयला विकास निगम द्वारा कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की आंशिक सामान्य सीमा भी है]।
पी—ए	लाइन ग्राम बैदकारो और जरीडीह में दामोदर नदी के बाएं किनारे के साथ साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

खंड 2

सभी अधिकारी—

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पण
1.	बोरिया	गुमिया	115	गिरीडीह		आंशिक
2.	जारंगडीह	,,	116	,,		,,
3.	जरीडीह	नवाडीह (बर्मो)	19	,,		,,

कुल क्षेत्र 103.00 एकड़ (लगभग)
अथवा 41.72 हैक्टेयर (लगभग)

ग्राम बोरिया में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या : 1(पी)

जारंगडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या : 1, 825 और 1507(पी०)

जरीडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या : 5(पी)

सीमा का ब्यौरा :—

क्यू—आर	लाइन जिला गिरीडीह, थाना नवाडीह (बर्मो) ग्राम जरीडीह में कुमार नदी के बाएं किनारे के साथ-साथ जाती है।
आर—एस—टी—यू	लाइन कुमार नदी से होकर तथा उसकी मध्य रेखा के साथ-साथ (अर्थात् ग्राम जरीडीह तथा बर्मो तथा जारंगडीह, गोविंदपुर जारंगडीह की सामान्य सीमा तथा ग्राम गोबिन्दपुर तथा बोरिया की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ तथा ग्राम बोरिया के कुनार नदी की प्लाट सं० 1 से होकर जाती है [जो बोकारो खण्ड 2 के लिए कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन क्षेत्र की आंशिक सामान्य सीमा भी है]।
यू—वी	लाइन जिला गिरीडीह, थाना गुमिया, ग्राम बोरिया और जारंगडीह में कुनार नदी के कुछ भाग से होकर जाती है।
वी—क्यू	लाइन जिला गिरीडीह थाना नवाडीह (बर्मो) के थाना गुमिया और जरीडीह के ग्राम जारंगडीह में कुनार नदी से होकर जाती है।

खंड 3

समस्त अधिकार :—

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पण
1.	हजारी	गुमिया	112	गिरीडीह		आंशिक

कुल क्षेत्र 11.25 एकड़ (लगभग)
अथवा 4.56 हेक्टेयर (लगभग)

हजारी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—864 (पी)

सीमा का ब्यौरा :—

डब्ल्यू—एक्स लाइन जिला गिरीडीह, थाना गुमिया ग्राम हजारी में कुनार नदी के आंशिक दाएं किनारे के साथ साथ जाती है ।

एक्स—वाई लाइन ग्राम हजारी के कुनार नदी प्लाट सं० 864 से होकर [जो कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की आंशिक सामान्य सीमा है] जाती है ।

वाई—जेड लाइन कुनार नदी की आंशिकि मध्य रेखा के साथ साथ, अर्थात् ग्राम हजारी और गोविन्दपुर की आंशिक सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है ।

जेड—डब्ल्यू लाइन ग्राम हजारी के कुनार नदी के प्लाट सं० 864 से होकर, अर्थात् स्वांग कोलियरी की पूर्वी सीमा के कुछ भाग के साथ-साथ जाती है ।

खंड 4

समस्त अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पण
1.	खुडगारा	गुमिया	111	गिरीडीह		आंशिक

कुल क्षेत्र 14.00 एकड़ (लगभग)
अथवा 5.67 हेक्टेयर (लगभग)

खुडगारा ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट की संख्या :—2022

सीमा का ब्यौरा :

ए 1—बी 1 लाइन जिला गिरीडीह, थाना गुमिया, ग्राम खुडगारा में बोकारो नदी के बाएं किनारे के कुछ भाग के साथ-साथ जाती है ।

बी 1—सी 1 लाइन बोकारो नदी से होकर (अर्थात ग्राम खुडगारा के प्लाट सं० 2022 और 1594 की सामान्य सीमा के साथ-साथ) जाती है ।

सी 1—डी 1 लाइन बोकारो नदी की आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ (जो ग्राम पलानी तथा खुडगारा की सामान्य सीमा है) जाती है ।

डी 1—ए 1 लाइन बोकारो नदी से होकर (अर्थात् ग्राम खुडगारा के प्लाट सं० 2022 तथा ग्राम हजारी के प्लाट सं० 2746 की सामान्य सीमा के साथ साथ) जाती है [जो कोयला वाले क्षेत्र [अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की आंशिक सामान्य सीमा भी है] और बिन्दु 'ए' पर मिलती है ।

[सं० 19(49)/76—सी० एल]
चन्द्रधर त्रिपाठी, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 4th October, 1976

S.O. 3706.—Whereas by the notification of the government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3076 dated the 28th August, 1975, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid, and, after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 2525.23 acres (approximately) or 1021.96 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 2525.23 acres (approximately) or 1021.96 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar), the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar), the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council, House Street, Calcutta, or in the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

River Bed of Damodar, Kunar—Bokaro and Khanjo—East Bokaro Coalfield

Block-I

Drg. No. Rev/14/76

Dated 25-2-76

(showing land acquired)

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Bermo	Nawadih (Bermo)	18	Giridih		Part
2.	Jaridih	,,	19	,,		,,
3.	Baidkaro	,,	20	,,		,,
4.	Khusro	,,	67	,,		,,
5.	Dhorhi	,,	68	,,		,,
6.	Makoli	,,	69	,,		,,
7.	Turio	,,	70	,,	1270.00	,,
8.	Tarmi	,,	71	,,		,,
9.	Rajabera	,,	86	,,		,,
10.	Rangamati	,,	87	,,		,,
11.	Bursera	,,	109	,,		,,
12.	Khetko	Petarbar	45	Hazaribagh		,,
13.	Chalkari	,,	46	,,		,,
14.	Jhujhko	,,	48	,,		,,
15.	Pichhri	,,	49	,,		,,
16.	Kherho	,,	50	,,		,,
17.	Angwali	,,	51	,,		,,
18.	Nawadih	,,	52	,,		,,
19.	Bhulan Khetko	,,	54	,,		,,
20.	Chando	,,	55	,,		,,
21.	Khurd Chando	,,	59	,,		,,
22.	Khuta	,,	60	,,		,,
23.	Sonpur	,,	62	,,	971.98	,,
24.	Dantu	,,	64	,,		,,
25.	Haslata	,,	69	,,		,,
26.	Bendotanr	,,	70	,,		,,
27.	Surjudih	,,	71			,,
28.	Dhadhkia	,,	73			,,
29.	Ponra	,,	74	,,		,,
30.	Kamlapur	,,	76	,,		,,
31.	Pipradih	,,	77	,,		,,
32.	Bahadurpur	,,	78	,,		,,
33.	Baru	,,	79	,,		,,
34.	Kalyanpur	,,	81	,,		,,

1 2	3	4	4	5	6	7
35. Mango		Petarbar	166	Hazaribagh		(Thana transferred to Jaridih thana No. 1,)
36. Shibutanr		„	168	„		Part
37. Kundori		„	169	„		„
38. Tantri		„	171	„		„
39. Kenduadih		Jaridih	9	„		„
40. Jena		„	10	„		„
41. Bandhdih		„	11	„		„
42. Panchra		Chas	1	Dhanbad		„
43. Baidmara		„	2	„	155.00	„

Total area :— 2396.98 acres (approx.)
or 970.01 hectares (approx.)

IN The District of Giridih:—

Plot number acquired in village Bermo :—1371.
Plot numbers acquired in village Jaridih :—2065(P) and 2326
Plot number acquired in village Baidkaro :—1269(P).
Plot numbers acquired in village Khusro :—1(P), 791, 799 and 814.
Plot number acquired in village Dhorhi :—3228.
Plot number acquired in village Makoli :—114.
Plot numbers acquired in village Turio :—2 and 742.
Plot number acquired in village Tarmi :—997.
Plot numbers acquired in village Rajabera :—3 and 308.
Plot numbers acquired in village Rangamati :—2603 and 2696.
Plot number acquired in village Bursera :—1752.

In the District of Hazaribagh :—

Plot number acquired in village Khetko :—2480(P).
Plot numbers acquired in village Chalkari :—1, 474, 775, 838 and 4149.
Plot number acquired in village Jhujko :—450.
Plot numbers acquired in village Pichhri :—1, 7, 2510 and 4309.
Plot number acquired in village Kherho :—507.
Plot numbers acquired in village Angwali :—158, 421, 2368, 2535 and 3067.
Plot numbers acquired in village Nawadih :—497, 856, 1030 and 1138.
Plot numbers acquired in village Bhulan Khetko :—311 and 445.
Plot number acquired in village Chando :—1359.
Plot number acquired in village Khurdchando :—252.
Plot number acquired in village Sonpura :—1194.
Plot number acquired in village Khuta :—358.
Plot numbers acquired in village Dantu :—1079, 1514 and 1515.
Plot numbers acquired in village Haslata :—520, 1057, 1575, 2277, 2278 and 2279.
Plot numbers acquired in village Bendotanr :—1.
Plot numbers acquired in village Surjudih :—1 and 263.
Plot number acquired in village Dhadhkia :—
Plot numbers acquired in village Ponra.—1 and 377.
Plot numbers acquired in village Kamlapur :—1, 2 and 616.
Plot numbers acquired in village Pipradih :—12 and 23.
Plot number acquired in village Bahadurpur :—1.
Plot numbers acquired in village Baru :—1, 118, 313 and 625.
Plot numbers acquired in village Kalyanpur :—1, 45 and 945.
Plot numbers acquired in village Mango :—1, 316, 1392 and 2221.
Plot numbers acquired in village Shibutanr :—1, 45 and 46.
Plot number acquired in village Kundori :—2888.
Plot numbers acquired in village Kenduadih :—436 and 469.
Plot number acquired in village Jena :—1.
Plot number acquired in village Bandhdih :—1.

In the District of Dhanbad :—

Plot numbers acquired in village Panchra :—75 and 3266.
Plot number acquired in village Baidmara :—2(P).

Boundary Description :—

A-B line passes through Damodar River Plot No. 2065 of village Jaridih and Plot No. 2470 of village Khetko.

B-C line passes along the Right Bank of Damodar River in villages Khetko, Chalkari, Jhujhko, and Angwali of thana Petarbar, District Hazaribagh.

C-D line passes along the left bank of River Khanjo in village Angwali, Nawadih, Bhulan Khetko, Chando, Khurd Chando, Khuta, Pipradih, Sonpura, Dantu and Haslata of thana Petarbar, District Hazaribagh.

D-E	line passes through River Khanjo which forms common boundary of plot No. 520 and 389 of village Haslata and common boundary of plot No. 1 and 315 of village Bendotanr.
E-F	line passes along the Right Bank of river Khanjo in villages Bendotanr, Surjudih, Dhadkhia, Ponra, Kamlapur, Bahadurpur, Baru, Kalyanpur, Angwali, Kherho and Pichhri, Thana Petarbar, and Bandhdih, Jena and Kenduadih, thana Jaridih, District Hazaribagh.
F-G	line passes along the right Bank of River Damadoar in villages Pichhri, Shibutanr, Kundori of thana Petarbar and village Mango of thana Jaridih, District Hazaribagh and villages Panchra and Baidmara of thana Chas, District Dhanbad.
G-H	line passes through River Damodar plot No. 2 of village Baldmara of thana Chas, District Dhanbad and along the common boundary of Plot Nos. 1752 and 1204 of village Bursela of thana Nawadih (Bermo) District Giridih.
H-I	line passes along the left bank of River Damador in village Bursera, Rangamati, Rajabera, Tarmi, Turio, Makili and part of village Dhorhi, thana Nawadih (Bermo) of District Giridih.
I-J-K-L	lines pass through River Damodar (i.e. along the common boundary of plot numbers 1390 and 3228 of village Dhorhi along the part Central line of River Damodar which forms part common boundary of villages Dhorhi & Pinchhri, common boundary of villages Dhorhi and Angwali, then along the common boundary of plot No. 3233 of village Dhorhi and 799 of village Phusro). (which also forms part common boundary of the area acquired under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 by N.C.D.C.)
L-M	line passes along the left bank of Damodar River in village Phusro thana Nawadih (Bermo) District Giridih.
M-N-O-P	lines pass through Damodar River plot No. 1 of village Phusro, along the part Central line River Damodar (which forms part common boundary of villages Phusro & village Chalkari, common boundary of villages Kargali and Chalkari, part common boundary of villages Baidkaro & Chalkari) (which also forms part common boundary of the area acquired under section 9(1) of the Coal Act by NCDC in village Phusro, Kargali and Baidkaro, thana Nawadih (Bermo) District Giridih.)
P-A	line passes along the left Bank of River Damodar in villages Baidkaro and Jaridih and meets at starting point 'A'.

Block—II

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1.	Borea	Gumia	115	Giridih		Part
2.	Jarangdih	"	116	"		"
3.	Jaridih	Nawadih (Bermo)	19	"		"
				Total area :— or	103.00 acres 41.72 hectares	(approximately) (approximately)

Plot number acquired in village Borea :—1(P).

Plot numbers acquired in village Jarangdih :—1,825 and 1507(P).

Plot number acquired in village Jaridih :—5(P).

Boundary Description :—

Q-R	line passes along the left bank of River Kunar in village Jaridih, thana Nawadih (Bermo) District Giridih.
R-S-T-U	line pass through and along the Central line of River Kunar (i.e. along the part, common boundary of villages Jaridih and Bermo, Bermo and Jarangdih, Gobindpur and Jarangdih and part common boundary of villages Gobindpur and Borea, through River Kunar plot No. 1 of village Borea (which also forms part common boundary of the area acquired under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 for Bokaro Block-II.
U-V	line passes along the part Right Bank of River Kunar in villages Borea and Jarangdih, thana gumia District Giridih.
V-Q	line passes through River Kunar in villages Jarangdih thana Gumia and Jaridih of thana Nawadih (Bermo) District Giridih.

Block—III

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1.	Hazari	Gumia	112	Giridih		Part
				Total area :— or	11.25 acres 4.56 hectares	(approximately) (approximately)

Plot number acquired in village Hazari :—864(P).

Boundary Description :—

W-X	line passes along the part Right Bank of River Kunar in village Hazari thana Gumia, District Giridih.
X-Y	line passes through River Kunar plot No. 864 of village Hazari (which forms part common boundary of the area acquired under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957.)
Y-Z	line passes along the part Central line of River Kunar i.e. along the part common boundary of villages Hazari and Gobindpur.
Z-W	line passes through River Kunar plot No. 864 of village Hazari i.e. along the part Eastern boundary of Swang Colliery.

Block—IV

All Right

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1.	Khudgara	Gumia	111	Giridih		Part.
				Total area :— or	14.00 acres (approximately) 5.67 hectares (approximately)	

Plot numbers acquired in village Khudgara :—2022.

Boundary Description :—

A1-B1 line passes along with part left Bank of River Bokaro in village Khudgara, thana Gumia, District Giridih.

B1-C1 line passes through River Bokaro (i.e. along the common boundary of plot numbers 2022 and 1594 of village Khudgara.

C1-D1 line passes along the part Central line of River Bokaro (which forms common boundary of villages Palani and Khudgara.)

D1-A1 line passes through River Bokaro (i.e. along the common boundary of Plot No. 2022 of village Khudgara and plot No. 2746 of village Haari (which also forms part common boundary of area under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at starting point 'A'.

[No. 19(49)/76-CL]

C. D. TRIPATHI, Director

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नयी दिल्ली, 6 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3707.—मोटरगाड़ी अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 63 ए० की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के संयुक्त निदेशक, यातायात वाणिज्यिक (सामान्य-1) श्री कुलदीप सिंह को रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड) के संयुक्त निदेशक, यातायात दर, श्री एम० एस० भंडारी के स्थान पर अन्तर्राज्यीय परिवहन आयोग के सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० का०आ० 537(ई०), दिनांक 9-8-1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :

उक्त अधिसूचना में, मद (2) तथा तत्संबंधी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायें, अर्थात् :

" (2) श्री कुलदीप सिंह,
संयुक्त निदेशक, यातायात वाणिज्यिक (सामान्य-1)
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सदस्य"

[टी०आई०टी० (14)/76]

बी० बी० महाजन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 6th October, 1976

S.O. 3707.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 63A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), the Central Government hereby appoints Shri Kuldip Singh, Joint Director, Traffic Commercial (General-I),. Ministry of Railways (Railway Board), as a Member of the Inter-State Transport Commission in place of Shri M. S. Bhandari, Joint Director, Traffic Rates, Ministry of Railways (Railway Board), and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S. O. 537 (E), dated the 9th August, 1972, namely :—

In the said notification, for item (2) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"(2) Shri Kuldip Singh, Joint Director, Traffic Commercial (General—1),.." Ministry of Railways (Railway Board)... Member"

[No. TIT(14)/76]

B. B. MAHAJAN, Under Secy.

संचार मंत्रालय

डाक-तार बोर्ड

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3708.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने डबवाली टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-11-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है ।

[संख्या 5-7/76-पी०एच०बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 12th October, 1976

S.O. 3708.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-11-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Dabwai Telephone Exchange N.W. Circle.

[No. 5-7/76-PHB.]

का० आ० 3709.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने होशंगाबाद टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-11-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का का निश्चय किया है ।

[संख्या 5-5/76-पी०एच०बी०]

पी०सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

S.O. 3709.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-11-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Hoshangabad Telephone Exchange, M. P. Circle.

[No. 5-5/76-PHB.]

P. C. GUPTA, Asstt. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1976

का०आ० 3710.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 24 जनवरी, 1976 में पृष्ठ 548 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या का०आ० 485, तारीख 15 नवम्बर, 1975 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद को केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित किया था;

और यह बात केन्द्रीय सरकार के ध्यान में आई है कि पूर्वोक्त आदेश की अनुसूची में वर्णित श्री ज्ञानचन्द्र गुलाटी की सेवाओं की समाप्ति की तारीख का गलत उल्लेख किया गया था ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (i) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेश में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में, अनुसूची में "20-6-1975 (अपराह्न)" के स्थान पर "20-6-1976 (अपराह्न)" पढ़िए ।

[संख्या एल-42012(21)/75-डी-2(बी)]

हरबंस बहादुर, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 28th August, 1976

S.O. 3710.—Whereas by an order of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 485 dated the 15th November, 1975 published at page 548 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 24th January, 1976, the Central Government referred an industrial dispute between the management of the Food Corporation of India and their workman for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Delhi;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the date of termination of services of Shri Gian Chand Gulati mentioned in the Schedule to the aforesaid Order was wrongly mentioned;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendment in the said Order, namely :—

In the said Order, in the Schedule, for

"With effect from 20-6-75 (aftrnoon)" read "with effect from 20-6-74 (afternoon)".

[No. L-42012(21)/75-DII(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1976

का०आ० 3711.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड, ऊर्गाम के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० एस० भगवत, होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है

अनुसूची

क्या भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड, ऊर्गाम के प्रबन्धतंत्र की, चोरी के अभिकथित कदाचार के कारण 16 सितम्बर, 1975 से श्री काथिर कलम ठांगावेलु, टोकन संख्या 3182, टिम्बरमैन को, सेवा से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल-43012(6)/76-डी-4(बी)]

भूपेन्द्रनाथ, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 3rd September, 1976

S.O. 3711.—whereas the Central Government is of opinion that an industrialdispute exists between he employers in relation to the management of Bharat Gold Mines Limited, Oorgaum and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Bhagwat shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Bharat Gold Mines Limited, Oorgaum in dismissing Shri Kathirkulam Thangavelu, Token No. 3182, Timberman from service with effect from the 16th September, 1975 for the alleged misconduct of theft is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[No. L-43012(6)/76-D-IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer.

आदेश

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1976

का० आ० 3712.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक, अमरेली के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का (14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० यू० शाह होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक, अमरेली (जिला अमरेली) के प्रबन्धतंत्र की 18-7-75 से श्री डी० के० मारू की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल-12012/70/76-डी-2 ए०]

आर० पी० नरूला, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 1st September, 1976

S.O. 3712.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in rlation to the management of Punjab National Bank, Amreli and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. U. Shah shall be the Presiding Officer with head-quarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Amreli (Distt. Amreli) in terminating the services of Shri D. K. Maru, Peon with effect from 18-7-75 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-12012/70/76-D. IIA]

R. P. NARULA, Under Secy

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 1976

का०आ० 3713.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री शत्रुघन दूबे को उक्त अधिनियम, स्कीम, उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम और बीमा स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, खान या या तेल क्षेत्र नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण बिहार राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016/8/76-पी.एफ-1]

New Delhi, the 4th October, 1976

S.O. 3713.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Shatrughan Dubey to be an Inspector for the whole of the State of Bihar for the purposes of the said Act, the Scheme, the Family Pension Scheme and the Insurance Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(8)/76-PF.I]

का०आ० 3713.—केन्द्रीय सरकार कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 10ग की उपधारा (1) के अनुसरण में निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के अधीन विरचित स्कीमों के अंतर्गत संदेय बोनस, जो समपहृत, अदावाकृत और असंवितरित बोनस से भिन्न है, को वसूल करने की शक्ति, जो उक्त अधिनियम की धारा 10क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोक्तव्य है, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के संगठन के मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) सभी उप मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) और सभी प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) द्वारा भी प्रयोक्तव्य होगी।

[फा०सं० आर० 34013/3/73-पीएफ 1]

S.O. 3714.—In pursuance of sub-section (1) of section 10C of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby directs that the power to recover bonus payable under the schemes framed under the said Act, other than the forfeited unclaimed and undisbursed bonus, exerciseable by the Central Government under Section 10A of the said Act shall be exerciseable also by the Chief Labour Commissioner (Central), all the Deputy Chief Labour Commissioners (Central) and all the Regional Labour Commissioners (Central) in organisation of the Chief Labour Commissioner (Central).

R. P. NARULA, Under Secy.

का०आ० 3715 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अतुल टैक्सटाइल, सी/25, उद्योगनगर नवसारी, जिला बलसार नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(102)/76-पीएफ 2]

S.O. 3715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Atul Textile, C/25, Udhyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019(102)/76-PF.II]

का०आ० 3717.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टैसला ट्रान्सफार्मर्स, 30-बी, इण्डस्ट्रियल ऐरिया, गोविन्दपुर, भोपाल (एम०पी०) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019(146)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3716.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tesia Transformers, 39-B, Industrial Area, Govindpura, Bhopal (M.P.), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1975.

[No. S. 35019(146)/76-PF. II]

का०आ० 3717.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ट्रावनकोर सीमेन्टस एम्पलाईस कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के-234 कोट्टायाम-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 35019(186)/76 पी०एफ०2(i)]

S.O. 3717.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Travancore Cements Employees' Co-operative Society Limited, K-234, Kottayam-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscelaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019(186)/76-PF. II(i)]

का०आ० 3718.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हेमन्त ब्रादर्स गौतम नगर बथ्था-बस स्टैण्ड, वसना रोड, अहमदाबाद (जिसमें सुपर मार्किट नटराज सिनेमा के निकट, आश्रम रोड अहमदाबाद स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35019(226)/76 पी०एफ०-2]

S.O. 3718.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hemant Brothers, Gautam Nagar, Bathha Bus Stand, Vasna Road, Ahmedabad including its branch at Super Market, Near Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019(226)/76-PF. II]

का०आ० 3719.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, राजगढ़ (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(254)/76-पी० एफ०2]

S.O. 3719.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Jila Sahakari Bhoomi Vikas Bank Limited, Rajgarh (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(254)/76/PF. II]

का०आ० 3720.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कृष्णा टाकीज, शाजापुर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019(253)/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3720.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Krishna Talkies, Shajapur (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019(263)/76-PF. II]

का० आ० 3721.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नव भारत फेरेन एलायज लिमिटेड, पालोनचा (वाया) [कोथगोदाम खम्माम जिला जिसमें, हैदराबाद स्थित इसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(265)/76-पी एफ 2]

S.O. 3721.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nava Bharat Ferro Alloys Limited, Paloncha (via) Kothagudam **Khammam District including its Registered Office at Hydera**bad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(265)/76-PF. II]

का०आ० 3722.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शानबो फैब्रिक्स बोडावाला, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कटरगाम रोड, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(267)/76-पी एफ 2]

S.O. 3722.—Where it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shanbo Fabrics Bodawan Industrial Estate, Katargam Road, Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said estblishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(267)/76-PF. II]

का० आ० 3723.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कसबी फैब्रिक्स, गोडावाला, इण्डस्ट्रियल इस्टेट कटरगाम रोड गोतालवाडी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 10) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(268)/76-पी एफ 2

S.O. 3723.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kasbo Fabrics, Godawala Industrial Estate, Katargam Road Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Micellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(268)/76-PF. II]

का० आ० 3724.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यू०जे० वाईन्डिग वर्क्स, बोडावाला इस्टेट कटरगाम रोड, गोटालावाडी के निकट, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(272)/76-पी एफ 2]

S.O. 3724.—Where it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs U. J Winding Works, Bodawala Estate, Katargam Road, Near Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(272)/76-PF. II]

का० आ० 3725.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० एस० प्रोसेसिंग वर्क्स, बोडावाला स्टेट, कटरगाम रोड, गोतालावाडी के निकट सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(275)/76-पी एफ 2]

S.O. 3725.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. K. S. Processing Works, Bodawala Estate, Katargam Road, Near Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(275)/76-PF. II]

का० आ० 3726.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टाटा एक्सपोर्टस लिमिटेड, लेदर डिवीजन, इंडस्ट्रियल ऐरिया, आगरा बाम्बे रोड, देवास (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(276)/76-पी एफ 2]

S.O. 3726.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tata Exports Limited, Leather Division, Industrial Area, Agra-Bombay Road, Dewas (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S. 35019(276)/76-PF. II]

का० आ० 3727.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पिगमेन्टस डिस्ट्रीब्यूटर्स, ऊधवे रोड, एलैक्ट्रिक सब स्टेशन के निकट अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(277)/76-पी एफ 2]

S.O. 3727.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pigments Distributors, Odhav Road, Near Electric Sub Station Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1973.

[No. S. 35019(277)/76-PF. II]

का० आ० 3728.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मनुभाई नरोत्तमदास एण्ड कम्पनी, रतन पोल, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(278)/76-पी एफ 2]

S.O. 3728.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manubhai Narottamdas and Company, Raten Pole, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019(278)/76-PF. II]

का० आ० 3729.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बिहार सिनेमा, तापनगर, बड़ौदा–4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(279)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3729.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vihar Cinema, Pratapnagar, Baroda-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1974.

[No. S. 35019(279)/76/PF. II]

का० आ० 3730.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मई, 1974 के मैसर्स बिहार सिनेमा, प्रतापनगर, बड़ौदा-4 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(279)/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3730. In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Empolyees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1974 the establishment known as Messrs Vihar Cinema, Pratapnagar, Baroda-41, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(279)/76-PF. II]

का० आ० 3731.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हैप केमिकल इंजीनियरिंग एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, 36-37 औद्योगिक क्षेत्र, उज्जैन रोड, देवास-1 (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना एक सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(285)/76-पी० एफ० 2]

नई दिल्ली, 5 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3732.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पूर्बोदय प्रेस, 10, कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35017(11)/76-पी० एफ० 2]

New Delhi, the 5th October, 1976

S.O. 3732.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Purbodaya Press, 10, Kailash Bose Street, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35017(11)/76-PF. II]

का० आ० 3733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चेतन टैक्सटाइल्स सी०/27 उद्योग नगर नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या एस० 35019(99)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3733.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chetan Textiles, C/27, Udhyognagar, Navsari have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds

Commercial Bank, Building, 1st Floor, Parliament Street, New Delhi-1 including its branch at Manch Mahal, 5th Floor, Vir Nariman Road, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1968.

[No. S-35019(177)/75-PF. II(i)]

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S-35019(185)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3741.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण, उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् एक अगस्त, 1975 से डेक्कन टैनिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, टैनेरी, थुधिपेट, एम्बर, नार्थ आर्काट जिला जिसमें 15/3 वेपेरी हाई रोड, अपस्टेयर्स, मद्रास-3 स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक

का० आ० 3725.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० एस० प्रोसेसिंग वर्क्स, बोदावाला स्टेट, कटरगाम रोड, गोतालावाडी के निकट सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(275)/76-पी एफ 2]

S.O. 3725.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. K. S. Processing Works, Bodawala Estate, Katargam Road, Near Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(275)/76-PF. II]

का० आ० 3726.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टाटा एक्सपोर्टस लिमिटेड, लेदर डिवीजन, इंडस्ट्रियल ऐरिया, आगरा बाम्बे रोड, देवास (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(276)/76-पी एफ 2]

S.O. 3726.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tata Exports Limited, Leather Division, Industrial Area, Agra-Bombay Road, Dewas (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S. 35019(276)/76-PF. II]

का० आ० 3727.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पिगमैन्टस डिस्ट्रीब्यूटर्स, ऊधवे रोड, एलैक्ट्रिक सब स्टेशन के निकट अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(277)/76-पी एफ 2]

S.O. 3727.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pigments Distributors, Odhav Road, Near Electric Sub Station Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1973.

[No. S. 35019(277)/76-PF. II]

का० आ० 3728.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मनुभाई नरोत्तमदास एण्ड कम्पनी, रतन पोल, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(278)/76-पी एफ 2]

S.O. 3728.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manubhai Narottamdas and Company, Raten Pole, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019(278)/76-PF. II]

का० आ० 3729.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बिहार सिनेमा, तापनगर, बड़ौदा-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(279)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3729.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vihar Cinema, Pratapnagar, Baroda-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1974.

[No. S. 35019(279)/76/PF. II]

का० ग्रा० 3730.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मई, 1974 के मैसर्स विहार सिनेमा, प्रतापनगर, बड़ौदा–4 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(279)/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3730. In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Empolyees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1974 the establishment known as Messrs Vihar Cinema, Pratapnagar, Baroda-41, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(279)/76-PF. II]

का० ग्रा० 3731.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हैप केमिकल इंजीनियरिंग एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, 36-37 औद्योगिक क्षेत्र, उज्जैन रोड, देवास–1 (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(285)/76–पी० एफ० 2]

S.O. 3731.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hap Chemical Engineering Enterprises Private Limited. 36-37, Industrial Area, Ujjain Road, Dewas-1 (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said estabiishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35019(285)/76-PF. II]

नई दिल्ली, 5 अक्तूबर, 1976

का० ग्रा० 3732.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पुर्बोदय प्रेस, 10, कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता–6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(11)/76–पी० एफ० 2]

New Delhi, the 5th October, 1976

S.O. 3732.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Purbodaya Press, 10, Kailash Bose Street, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35017(11)/76-PF. II]

का० ग्रा० 3733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चेतन टैक्सटाइल्स सी०/27 उद्योग नगर नवसारा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35019(99)/76–पी० एफ० 2]

S.O. 3733.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chetan Textiles, C/27, Udhyognagar, Navsari have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35019(99)/76-PF. II]

का०ग्रा० 3734.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि गीता टेक्सटाइल, सी/25, उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई

है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(105)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3734.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gita Textile, C-25, Udhyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S-35019(105)/76-PF. II]

का०आ० 3735.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टार सिक्योरिटी फायर एण्ड कन्सलटेंसी सर्विस, शामला मार्ग, सुख डैम, सिविल लाइन्स भोपाल, (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अक्तूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(135)/76-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3735.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Star Security Fire and Consultancy Service, Shamla Road, Sukh-Dam, Civil Lines, Bhopal (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1975.

[No. S-35019(135)/76-PF. II(i)]

का०आ० 3736.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्तूबर, 1975 से मैसर्स स्टार सिक्योरिटी फायर एण्ड कन्सलटेन्सी सर्विसेज, शामला मार्ग, सुख डैम, सिविल लाईन्स भोपाल, (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(135)/76-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3736.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1975 the establishment known as Messrs. Star Security Fire and Consultancy Service, Shamla Road, Sukh-Dam, Civil Lines, Bhopal (Madhya Pradesh) for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(135)/76-PF. II(ii)]

का०आ० 3737.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एच० आइ० ई० एफ० एफ० पम्प, 7/सी विट्ठल उद्योगनगर, वल्लभ विद्यानगर, जिला कैरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकतीस अगस्त, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(172)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 3737.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs HI-EFF-Pump, 7/C Vithal Udyognagar, Vallabh Vidyanagar, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1973.

[No. S-35019(172)/73-PF. II]

का०आ० 3738.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तोयो इंजीनियरिंग कारपोरेशन इंडिया युनाइटेड कामर्शियल बैंक बिल्डिंग, फर्स्ट फ्लोर, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1 (इसमें मानेक महल पांचवीं मंजिल, विर नारीमन रोड, मुम्बई-1 स्थित इस की शाखा सम्मिलित है) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1968 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(177)/75-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3738.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Toyo Engineering Corporation India, United

Commercial Bank, Building, 1st Floor, Parliament Street, New Delhi-1 including its branch at Manch Mahal, 5th Floor, Vir Nariman Road, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1968.

[No. S-35019(177)/75-PF. II(i)]

का० आ० 3739.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1968 से मैसर्स तोयो इंजीनियरिंग कारपोरेशन इंडिया युनाइटेड कामर्शियल बैंक बिल्डिंग फर्स्ट फ्लोर पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली-1 (इसमें मानक महल पांचवीं मंजिल वीर नारीमन रोड, मुम्बई-1 स्थित इसकी शाखा सम्मिलित है) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(177)/75-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3739.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Empolyees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April 1968 the establishment known as Messrs Toyo Engineering Corporation, India, United Commercial Bank Building 1st Floor, Parliament Street, New Delhi-1 including its branch at Manch Mahal, 5th Floor, Vir Nariman Road, Bombay-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(177)/75-PF. II(ii)]

का० आ० 3740.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डेक्कन टैनिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, टेनरी, थुथिपेट, एम्बर, नार्थ आर्कोट जिला, जिसमें 15/3, वेपेरी हाई रोड, अपस्टेयर्स, मद्रास-3 स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(185)/76-पी एफ 2(i)]

S.O. 3740.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Deccan Tanning Company (Private) Limited, Tannery, Thuthipet, Ambur, North Arcot District including its branch at 15/3, Vepery High Road, Upstairs, Madras-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S-35019(185)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3741.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण, उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् एक अगस्त, 1975 से डेक्कन टैनिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, टैनेरी, थुथिपेट, एम्बर, नार्थ आर्काट जिला जिसमें 15/3 वेपेरी हाई रोड, अपस्टेयर्स, मद्रास-3 स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(185)/76-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3741.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Empolyees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1975 the establishment known as Messrs Deccan Tanning Company (Private) Limited, Tannery, Thuthipet, Ambur, North Arcot District including its branch at 15/3, Vepery High Road, Upstairs, Madras-3, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(185)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3742.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात 1 अप्रैल, 1976 से मैसर्स ट्रावनकोर सीमेंट इम्पलाइज कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, के०-234, कोटोयम-13 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(186)/76-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 3742.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Empolyees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976 the establishment known as Messrs Travancore Cements Employees' Co-operative Society Limited, K-234, Kottayam-13, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(186)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3743.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वी० आर० टैक्सटाइल्स, ए० के० रोड, राम बाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(193)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3743.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesrs V. R. Textiles, A. K. Road, Rambaug, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S-35019(193)/76-PF. II]

का० आ० 3744.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आई० एम० टैक्सटाइल, ए० के० रोड, राम बाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(196)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3744.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs I. M. Textiles, A. K. Road, Rambaug, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S-35019(196)/76-PF. II]

का०आ० 3745.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भानुबेन गमनलाल, ए० के० रोड, रामबाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(197)/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3745.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhanuben Gamanlal, A. K. Road, Rambaug, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. SI-35019(197)/76-PF. II]

का०आ० 3746.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स अदोनी काटन सीड इण्डस्ट्रीज, माधवराम मार्ग, पोस्ट बाक्स सं० 28, अदोनी, करनूल जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1975 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(219)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3746.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Adoni Cotton Seed Industries, Madhavaram Road, Post Box No. 28, Adoni, Kurnool District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S-35019(219)/76-PF. II]

का०आ० 3747.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स येमिगनूर लेदर वर्क्स कोआपरेटिव काटेज इण्डस्ट्रियल सोसाइटी लिमिटेड, येमिगनूर करनूल जिला जिसमें (1) सेल्स डिपो ओल्ड बस स्टैंड अदोनी और (2) सेल्स डिपो रसूल बाजार करनूल भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना एक नवम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(222)/76-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3747. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Yemmiganur Leather Workers Co-operative Cottage Industral Society Limited, Yemmiganur Kurnool District including its (1) Sales Depot at Old Bus Stand, Adoni and (2) Sales Depot at Rasool Bazar, Kurnool, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1975.

[No. S-35019(222)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3748.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् एक नवम्बर, 1975 से मैसर्स येमिगनार लेदर वर्कर्स कोआप्रेटिव कोटेज इण्डस्ट्रियल सोसायटी लिमिटेड, येमिगनार कुरनूल जिला जिसमें (1) सेल्स डिपो ओल्ड बस स्टैण्ड, अदोनी और (2) सेल्स डिपो रसूल बाजार, कुर्नूल भी सम्मिलित है, नामक स्थापना की उक्त परन्तुक के, प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस०-35019(222)/76-पीएफ 2(2)]

S.O. 3748.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds, and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of November, 1975 the establishment known as Messrs The Yemmiganur Leather Workers Co-operative Cottage Industrial Society Limited, Yemmiganur Kurnool District including its (1) Sales Depot at Old Bus Stand, Adoni and (2) Sales Depot at Rasool Bazar, Kurnool, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/223/76-PF. II]

का० आ० 3749.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केल्ट्रन प्रोजेक्टरस लिमिटेड, 1133 और 1134 सासिबिहार, पेरूरकाडा, त्रिवेन्द्रम–5 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इसके प्रकाशन मास की अन्तिम तारीख को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस० 35019(223)/76पी० एफ० 2]

S. O. 3749.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Keltron Projectors Limited, 1133 & 1134, Sasi Bihar, Peroorkada, Trivandrum-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the last day of the month of its publication.

[No. S-35019/223/76-PF. II]

का० आ० 3750.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री चित्र थिरूनाल मेडिकल सेन्टर सोसाइटी मेडिकल कालेज हास्पीटल कम्पाउण्ड, त्रिवेन्द्रम नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किया जाना चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस 35019(224)/76पीएफ 2]

S.O. 3750.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Chitra Thirunal Medical Centre, Society, Medical College, Hospital Compound, Trivandrum-11, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/224/76-PF. II]

का० आ० 3751.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नियोप्लास्ट इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड कार्यालय सुफलम इस्टेट सामने जैहिन्द प्रेस आश्रम रोड, अहमदाबाद–9 फैक्टरी 43, जी० आई० डी० सी० इस्टेट, वाटवा, डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस० 35019(225)/76पी०एफ०2]

S.O. 3751.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Neoplast Engineer Private Limited, Office Sufalam Estate Opposite Jaihind Press, Ashram Road, Ahmedabad-9, Factory at 43, G.I.D.C. Estate, Vetva, District Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twentyeighth day of February, 1974.

[No. S. 35019/223/76-PF. II]

का० आ० 3752.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बांधवीय समाचार कला मन्दिर रोड, रीवा, (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना अपने प्रकाशन मास की अंतिम तारीख को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019/(229)/76 पीएफ 2]

S.O. 3752.—Whereas it appear to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bandhaviya Samachar, Kala Mandir Road, Rewa (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the last day of the month of its publication.

[No. S-35019/227/76-PF. II]

का० आ० 3753.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ग्रोटोगार्जियन ग्रर्मेल, बिल्डिंग्स, कोचीन-19, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

ग्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना, 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस 35019/(228)/76-पीएफ2]

S.O. 3753.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Autoguardian, Carmel Buildings, Banerji Road, Ernakulam, Cochin-18, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S-35019/228/76-PF. II]

का०आ० 3754.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री राजाराम इण्डस्ट्रीज शा मिल ग्रोनर्स विठलवाडी, कुन्डापुर-साउथ कनारा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

ग्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 ग्रप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस 35019(229)/76पीएफ 2]

S.O. 3754.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Rajaram Industries, Saw Mills Owners, Vittalwadi, Coondapur, South Kanara, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S-35019/229/76-PF. II]

का० आ० 3755.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्रीराम कोग्रापरेटिव स्टोर्स लिमिटेड श्री राम नगर गरी वीडी रेलवे स्टेशन, श्रीकाकालम जिला ग्रान्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन के लागू किए जाने चाहिए ;

ग्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन से लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(230)/76-पी एफ 2]

S.O. 3755.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shreerama Co-operative Stores Limited, Shreeramanagar, Garividi Railway Station, Srikakulam District Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019/230/76-PF. II]

का०आ० 3756.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोचीन बेकरी, एम० जी० रोड, ग्रर्णाकुलम कोचीन-11, एर्णाकुलम गांव, कनयान्नूर-तालुक एर्णाकुलम जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

ग्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(231)/76-पी एफ 2]

S.O. 3756.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cochin Bakery, M. G. Road, Ernakulam, Cochin 11 Ernakulam Village, Kanayannur Taluk, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/231/76-PF. II]

का०आ० 3757.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मणिलाल एण्ड ब्रादर्स, तलोद, जिला साबरकन्था नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (233)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3757.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Manilal and Brothers, Talod, District Sabarkantha, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1974.

[No. S. 35019/233/76-PF. II]

का०आ० 3758.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाह प्रेमचन्द महासुखराम, 522/1 पंचकुवागेट के बाहर, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जायगी।

[सं० एस० 35019 (234)/76-पी एफ 2]

S.O. 3758.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shah Premchand Mahasukhram, 522/1, outside Panchkuva Gate Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1974.

[No. S. 35019/234/76-PF. II]

का०आ० 3759.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राज कारपोरेशन, पंचकुवा गेट के बाहर, अहमदाबाद–2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(235)/76-पी एफ 2]

S.O. 3759.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raj Corporation outside Panchkuva Gate, Ahmedabad-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1974.

[No. S. 35019/235/76-PF. II]

का०आ० 3760.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नीरव इन्डस्ट्रिज कपेलीधर धांगध्रा जिला सुरेन्द्रनगर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/236/76-पी एफ 2]

S.O. 3760.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirav Industries Kapeli Dhar, Dharngadhra District Surendranagar have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019/236/76-PF. II]

का०आ० 3761.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेस्टर्न ट्रेडर्स, कपेलीधर, धांगध्रा, जिला सुरेन्द्रनगर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019/237/76 पी एफ 2]

S.O. 3761.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western Traders' Kapeli Dhar, Dhrangadhra, District Surendranagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1976.

[No. S. 35019/237/76-PF. II]

का० आ० 3762.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि ट्रांसफार्मर मैन्युफैक्चरिंग इण्डस्ट्रीज कपेलीधर ध्रांगध्रा, जिला सुरेन्द्रनगर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019/238/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3762.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Transformer Manufacturing Industries, Kapeli Dhar, Dhrangadhra, District Surendranagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019/238/76-PF. II]

का० आ० 3763.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेस्टर्न इन्जीनियरिंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग वर्क्स, 1-कपेलीधर, ध्रांगध्रा, जिला सुरेन्द्रनगर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/239/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3763.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western Engineering and Manufacturing Works, 1-Kapeli Dhar, Dhrangadhra, District Surendranagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1976.

[No. S. 35019/239/76-PF. II]

का० आ० 3764.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए० बी० सी० प्रोसेसर्स, कपेलीधर, ध्रांगध्रा, जिला सुरेन्द्रनगर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/240/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3764.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A.B.C. Procesors, Kapeli Dhar, Dharangadhra, District Surendranagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1976.

[No. S. 35019/240/67-PF. II]

का० आ० 3765.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुजरात कम्युनिकेशन्स एण्ड इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, एक्सप्रेस बिल्डिंग, आर० सी० दत्त रोड, बड़ौदा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा (1) की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/241/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3765.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gujarat Communications & Electronics Limited, Express Building, R. C. Dutt Road, Baroda, have agreed that the provisions

of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thitry first day of March, 1976.

[No. S. 35019/241/76-PF. II]

का० आ० 3766.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विजय सोप इण्डस्ट्रीज, रेलवे मालगोदाम के निकट, मेहसाना (एन० जी०) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019/242/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3766.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijay Soap Industries, Near Railway Malgodown, Mehsana (N.G.) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1973.

[No. S. 35019/242/76-PF. II]

का० आ० 3767.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस्सार केमिकल्स लिमिटेड, टोली चौकी, हैदराबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्तूबर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019/243/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3767.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Essar Chemicals Limited, Toli Chowki, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), sould be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1975.

[No. S. 35019/243/76-PF. II]

का० आ० 3768.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विनायक टाकीज, दबगरवाड़ा, मोडासा, जिला सबर कांठा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/244/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3768.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinayak Talkies, Dabgarwada, Modasa, District Sabarkantha, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1975.

[No. S. 35019/244/76-PF. II]

का० आ० 3769.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विद्या दाल मिल, 28 नौलखा रोड, इन्दौर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/245/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3769.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vidhya Dall Mill, 28, Navlakha Road, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1976.

[No. S. 35019/245/76-PF. II]

का० आ० 3770.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल ओशन किंग, थोपुमपुरी, रामेश्वरम् गांव, कोचिन-5. कोचिन-तालूर, एर्णाकुलम जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों

की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/246/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3770.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Hotel Occean King, Thoppumpady, Rameswaram Village, Cochin-5, Kochin Taluk, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/246/76-PF. II]

का०आ० 3771.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रॉबरो लैमिनेटर्स, 540 छानी बैजवा रोड, पोस्ट आफिस छानी, जिला बड़ौदा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस० 35019/248/76पी०एफ० 2]

S.O. 3771.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rabro Laminators, 540, Chhani Bejwa Road, Post Office Chhani, District Baroda, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1975.

[No. S. 35019/248/76-PF. II]

का०आ० 3772.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चन्द्राकान्त अमृतलाल परीख, मांडवी, गेडीगेट, बड़ौदा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/249/76 पी०एफ० 2]

S.O. 3772.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chandrakant Amratlal Parikh, Mandvi, Gedi Gate, Baroda, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1974.

[No. S. 35019/249/76-PF. II]

का०आ० 3773.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स खुर्शीद टाकीज, बंगला नं० 48, नीमच (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/250/76 पी०एफ० 2]

S.O. 3773.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khursheed Talkies, Bungalow No. 48, Neemuch (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1976.

[No. S. 35019/250/76-PF. II]

का० आ० 3774.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माधव गिनिंग फैक्ट्री (सूरजमल उदयचन्द), शाजापुर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/252/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3774.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Madhav Ginning Factory, (Surajmal Udaichand), Shajapur (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019/252/76-PF. II]

का० आ० 3775.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बोरा ब्रादर्स, 5 हमीदिया रोड, भोपाल (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(253)/76 पी०एफ 2]

S.O. 3775.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bora Brothers, 5, Hamidia Road, Bhopal (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019/253/76-PF.II]

का० आ० 3776.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वोल्गा रेस्टोरेंट मन्नादियार लेन, त्रिचूर, ग्राम त्रिचूर, तालुका त्रिचूर, जिला त्रिचूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/255/76 पी०एफ 2]

S.O. 3776.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Volga Restaurant, Manhadiar Lane, Trichur, Trichur Village, Trichur Taluk, Trichur District, Trichur Post Office, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1976.

[No. S. 35019/255/76-PF. II]

का० आ० 3777.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अम्बर कारपोरेशन, 5-ख, औद्योगिक एस्टेट, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के मार्च के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(256)/76 पी० एफ 2(i)]

S.O. 3777.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ambar Corporation, 5-B, Industrial Estate, Gwalior (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019/256/76-PF. (i)]

का० आ० 3778.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 मार्च, 1976 से मैसर्स अम्बर कारपोरेशन, 5-बी, औद्योगिक एस्टेट, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(256)/76-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 3778.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter,, hereby specifies with effect from the thirty first day of March. 1976 the establishment known as Messrs Ambar Corporation, 5-B, Industrial Estate, Gwalior (Madhya Pradesh), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/256/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3779.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निर्मल दाल और तेल मिल, दशहरा मैदान रोड, सारंगपुर रोड, सारंगपुर, जिला राजगढ़ (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(257)/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3779.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirmal Dal and Oil Mills, Dashahara Maidan Road, Sarangpur District Raigarh (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019/257/76-PF. II]

का०आ० 3780.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नागर निवास थियेटर, देवास (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 35019(258)/76-पी एफ 2]

S.O. 3780.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nagar Niwas Theatre, Dewas (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019/258/76-PF. II]

का०आ० 3781.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गणेश काटन गिनिंग एण्ड आयल मिल, भोंरासा, जिला देवास (मध्यप्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के मार्च के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019(259)/76 पी एफ 2]

S.O. 3781.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ganesh Cotton Ginning and Oil Mill, Bhonrasa District Dewas (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019/259/76-PF.II]

का०आ० 3782.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि अजीज आयल मिल, कालीसिंध रोड, सारंगपुर, जिला राजगढ़ (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/(260)/76 पी एफ 2]

S.O. 3782.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Aziz Oil Mill, Kalisindh Road, Sarangpur District Rajgarh (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019/260/76-PF.II]

का०आ० 3783.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गिरराज आयल इण्डस्ट्रीज, उज्जैन रोड, देवास (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(261)/76-पी एफ 2]

S.O. 3783.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Girraj Oil

Industries, Ujjain Road, Dewas (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1976.

[No. S. 35019/261/76-PF. II]

का०आ० 3784.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रिसिजन्स इलैक्ट्रिकल्स एण्ड इलैक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 11 तुकोगंज, मेन रोड, इन्दोर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और विविध उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना प्रथम जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/(262)/76 पी एफ 2(i)]

S.O. 3784.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Precision Electricals and Electronics Private Limited, 11, Tukoganj, Main Road, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019/262/76-PF.II(i)]

का०आ० 3785.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात 1 जनवरी, 1976 से मैसर्स प्रेसिजन इलैक्ट्रिकल्स एण्ड इलैक्ट्रानिक्स, प्राइवेट लिमिटेड, 11 तुकोगंज मेन रोड, इन्दोर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(262)/76 पी एफ 2 (ii)]

S.O. 3785.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1976 the establishment known as Messrs Precision Electricals and Electronics Private Limited, 11, Tukoganj, Main Road, Indore (Madhya Pradesh, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/262/76-PF. II(ii)]

का०आ० 3786.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मेघजी मालासी एण्ड संस, बाजार रोड, कोचीन-2 मट्टनचेरी ग्राम, कोचीन तालुक एर्णाकुलम जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(264)/76-पी एफ 2]

S.O. 3786.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maghjee Malsee and Sons, Bazaar Road, Cochin-2, Mattancherry Village, Cochin Taluk, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019 (264)/76-PF-II]

का०आ० 3787.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जी०आर० टैक्सटाइल्स गोडावाला इस्टेट, कटरगाम रोड, गोतालावाडी के निकट, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(269)/76-पी एफ 2]

S.O. 3787.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs G.T. Textiles, Godawala Estate, Katargam Road, Near Gotalalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S-35019 (269)/76-PF-II]

का०आ० 3788.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० बी० वाइन्डिंग वर्क्स, गोदवाला स्टेट, कटरगाम रोड, गोटावालाडी के निकट नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(270)/76-पी एफ 2]

S.O. 3788.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P.B. Winding Works Bodawala Estate, Katargam Road, Near Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019 (270)/76-PF. II]

का०आ० 3789.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बी०वी० प्रोसेसिंग वर्क्स, बोदवाला स्टेट, कटरगाम रोड, गोतालावाडी के निकट, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(271)/76-पी एफ 2)]

S.O. 3789.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs B. V. Processing Works, Bodawala Estate, Katargam Road, Near Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019 (271)/76-PF. II]

का०आ० 3790.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एन०एस प्रोसेसिंग वर्क्स, बोदावाला स्टेट, कतारगाम रोड, गोतालवाडी के निकट सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (274)/76-पी एफ 2]

S.O. 3790.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs N. S. Processing Works, Bodawala Estate, Katargam Road, Near Gotalawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(274)/76-PF. II]

का०आ० 3791.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एटलस आटो साइकल्स लिमिटेड, रसोई, सोनीपत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस 35019(280)/76 पी एफ 2(i)]

S.O. 3791.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Atlas Auto Cycles Limited Rasoi (Sonepat), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(280)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3792.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1976 से मैसर्स एटलस-आटो लिमिटेड, रसोई, सोनीपत नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(280)/76-पी०एफ० (2) (ii)]

S.O. 3792.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January, 1976 the establishment known as Messrs Atlas Auto Cycles Limited Rasoi (Sonepat), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(280)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3793.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कल्यादि माइन्स द्वारा माइन्स हाउस, होलेनरसीपुर, पो० आ० हस्सन जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या

इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(281)/76-पी० एफ 2(i)]

S.O. 3793.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kalyadi Mines, C/o Mines House, Holenarasipura Post Office, Hasan District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019(281)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3794.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनिक ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, 66 जी० वी० एम० ए० वसहट लिमिटेड, ओधव, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(282)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3794.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Uniq Drums and Barrels Manufacturing Company, 66, G. V. M. A. Vasahat Limited, Odhav, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirty first day of July, 1976.

[No. S. 35019(282)/76-PF. II]

का० आ० 3795.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है है कि मैसर्स पल्लवी, के० के० कोट्टायम, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(283)/76 पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3795.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pallavi, K. K. Road, Kottayam, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1976.

[No. S. 35019(283)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3796.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात्, 1 अगस्त, 1976 से मैसर्स पल्लवी, के० के० रोड, कोट्टायम, केरल नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(283)/76पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3796.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1976 the establishment known as Messrs Pallavi, K. K. Road, Kottayam, Kerala, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(283)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3797.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मोती सेल्स कार्पोरेशन (रजिस्ट्रीकृत) रामेश्वरनगर, आजादपुर, दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक अप्रैल, 1969 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(284)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3797.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Moti Sales Corporation (Registered) Rameshwarnagar, Azadpur Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1969.

[No. S. 35019(284)/76-PF-II]

का० आ० 3798.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री कृष्ण भवन बोर्डिंग एंड लाजिंग, गुरुवयूर, पो० आ० गुरुवयूर नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(286)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3798.—Whereas it apears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Krishna Bhavan Boarding & Loding, Guruvayoor, Post Office Guruvayoor, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1976.

[No. S. 35019(286)/76-PF. II]

का० आ० 3799.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है है कि मैसर्स नर्मदा, पोस्ट बक्स नं० 144, के० के० रोड कोट्टायाम, जिस में नर्मदा पुथेनगडाई बाजार, कांजिरापल्ली स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों कम प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना एक अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(288)/76-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 3799.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the/Messrs Narmada, Post Box No. 144, K. K. Road, Kottayam including its branch at Narmada, Puthennangdai Bazar, Kanjirappally, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1976.

[No. S. 35019(288)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3800.—यतः केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् एक अगस्त, 1976 से मैसर्स नर्मदा, पोस्ट बाक्स नं० 144, के० के० रोड, कोट्टायाम, जिसमें नर्मदा पुथेनागडाई बाजार कांजिरापल्ली स्थित उसकी शाखाएं भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(288)/76-पी० एफ०-2 (ii)]

S.O. 3800.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1976, the establishment known as Messrs Narmads, Post Box No. 144, K. K. Road, Kottayam including its branch at Narmada, Puthenangdai Bazar, Kanjirappally, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35019(288)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3801.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है है कि मैसर्स पिंके, पोस्ट बाक्स सं० 144, के० के० रोड, कोट्टायाम-1 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन के लागू करती है।

यह अधिसूचना एक अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(289)/76-एफ० 2(i)]

S.O. 3801.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pinkey, Post Box No. 144, K. K. Road, Kottayam-I, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1976.

[No. S. 35019(289)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3802.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् एक अगस्त, 1976 से पिंके पोस्ट बक्स नं० 144, के० के० रोड, कोट्टायाम-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(289)/76-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 3802.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of

August, 1976 the establishment known as Messrs. Pinkey, Post Box No. 144, K. K. Road, Kottayam-I, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(289)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3803.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम० आर० वर्क्स, 3098, सलाबतपुरा, अम्बावाडी, सूरत, नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(290)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3803.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. M. R. Works, 3098, Salabutpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S. 35019(290)/76-PF. II]

का० आ० 3804.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कमल वाईडिंग वर्क्स, 3098-ए, सलाबतपुरा, अम्बावाडी, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(291)/76-पी० एफ०2]

S.O. 3804.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamal Winding Works, 3098-A, Salabatpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S. 35019(291)/76-PF. II]

का० आ० 3805.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कलावतीबेन कचंनलाल, 3/3098, सलावतपुरा अम्बावाडी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना, 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(292)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3805.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kalavatiben Kanchanlal, 3/3098, Salabatpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S. 35019 (292)/76-PF. II]

का० आ० 3806.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुन्दरलाल एण्ड कम्पनी वीविंग-फैक्ट्री, 33/1, प्लाट सं० 4, जेल रोड के पीछे खटोदरा सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31, मई 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(293)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3806.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Sunderlal and Company, Weaving factory 33/1 Plot No. 4, Behind Jail Road, Khatodra, Surat, have agreed that the provisions of the employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May 1976.

[No. S. 35019(293)/76-PF. II]

का० आ० 3807.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केशवलाल रणछोडजी, 3/3098, सलाबतपुरा अम्बावाडी, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(294)/76-पी०एफ-2]

S.O. 3807.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Keshavlal Ranchhodji, 3/3098, Salabatpura, Ambawadi, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May 1976.

[No. S. 35019(294)/76-PF. II]

का० आ० 3808.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स छोटू भाई मेघाराम, 3/3098-ए० सलाबतपुरा अम्बावाडी, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(295)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3808.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chhotubhai Manchharam, 3/3098-A, Salabatpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S. 35019(295)/76-PF.II]

का० आ० 3809.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रतिलाल मूलचन्द, 3/3098 सलाबतपुरा अम्बावाडी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(296)/76-पी० एफ०2]

S.O. 3809.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Retilal Mulchand, 3/3098, Salabatpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notificaion shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May 1976.

[No. S. 35019(296)/76-PF. II]

का० आ० 3810.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मयर्स जया टेक्सटाइल्स, 15/408, गोटलावाडी कातरगांव, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारिय की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(303)/76-पी० एफ०2]

S.O. 3810.—Whereas it appears to the Central Government ment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jaya Textiles, 15/408, Gotalawadi, Katargam, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S. 35019(303)/76-PF-II]

का० आ० 3811.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स उमेदभाई गोपालदास, 3/3098-ए, सलाबतपुरा, अम्बावाडी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(304)/76-पी० एफ०2]

S.O. 3811.—Whereas it appears to the Central Government ment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Umedbhai Gopaldas, 3/3098-A, Salabatpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S-35019(304)/76-PF. II]

का० आ० 3812.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सजनम सिल्क मिल्स, 15/408 गोतालावाडी, कतारगाम, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(315)/76-पी०एफ०2]

S.O. 3812.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Sajnam Silk Mills, 15/408, Gotalawadi, Katargam, Surat have agreed that the provisions of the Employers' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1976.

[No. S. 35019(315)/76-PF. II]

का० आ० 3813.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पुष्पाबेन कंचनलाल 3/3098, सलाबतपुरा, अम्बावाडी, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(322)/76पी०एफ०2]

S.O. 3813.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the M/s. Pushpaben Kanchanlal, 3/3098, Salabatpura, Ambawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May 1976.

[No. S. 35019(322)/76-PF. II]

नई दिल्ली, 6 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3814.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोस्टा रीवर ट्रांसपोर्ट, अलटोन्हो-मापुसा-गोवा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अप्रैल, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(31)/76-पी०एफ०2]

New Delhi, the 6th October, 1976

S.O. 3814.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Costa River Transport, Altinho-Mapusa-Goa, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35018(31)/76-P.F. II]

का० आ० 3815.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कासमें कोस्टा एण्ड एसेसिएट्स, अलटिन्हो-मापुसा-गोवा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारियों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(32)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3815.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cosme Costa and Associates, Altinho-Mapusa-Goa, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35018(32)/76-PF. II]

का० आ० 3816.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रेशम सिंह ब्रदर्स, 5, पी० डी' मेलो मार्ग, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की मई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/(34)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3816.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesrs Reshamsingh Brothers, 5, P. D'Mello Road, Bombay-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provision of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1975.

[No. S. 35018(34)/76-PF. II]

का० आ० 3817.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हेबल्स पेस्ट नियंत्रण सेवा, पोस्ट आफिस बाक्स-27, 18 जून रोड पानाजी-गोवा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(35)/76-पी०एफ०2]

S.O. 3817.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Heble's Pest Control Services, Post Office Box 27, 18th June Road, Panaji-Goa, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), sould be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35018(35)/76-PF. II]

का० आ० 3818.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मोदीटेक्सटाइल्स, सी/25, उद्योग नगर, नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर, के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(96)/76-पी०एफ०2]

S.O. 3818.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Modi Textiles, C/25, Udhyog Nagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the sai Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019(96)/76-PF. II]

का० आ० 3819.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विजय लक्ष्मी नरसिम्हा राइस एण्ड आयल मिल, काठवलसा, विजाग जिला आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(151)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3819.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vizia Laxmi Narasimha Rice and Oil Mill, Kothavalasa, Vizag District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provision of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1974.

[No. S. 35019(151)/76-PF. II]

का० आ० 3820.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स महेशचन्द्र जैकिशनदास, भगवान सब-स्टेशन के निकट, खातेवरा, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(159)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3820.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maheshchandra Jekisondas Near Bhagwan Sub-station Khatodra, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April. 1976.

[No. S. 35019(159)/PF. II]

का० आ० 3821.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स खोलवाडवाला वीविंग वर्क्स, जैन डेरासर के सामने, वडताल देवडी रोड, कटारगाम, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(162)/76पी०एफ० 2]

S.O. 3821.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kholwad-Wala Weaving Works, Opposite Jain Derasara, Vadtal Devdi Road, Katargam, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019(162)/76-PF. II]

का० आ० 3822.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दिनेशचन्द्र छगनलाल, जैन डेरा सर के सामने, वडताला देवडी रोड कटारगाम, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(163)/76-पी एफ० 2]

S.O. 3822.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dineshchandra Chhaganlal, Opposite Jain Derasara, Vadtal Devdi Road, Katargam, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the sai Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December. 1975.

[No. S. 35019(163)/76-PF. II]

का० आ० 3823.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स खुशमनलाल, छगनलाल जैन डेरासर के सामने, वडताल देवी रोड, कटारगाम, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(164)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 3823.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khushmanlal Chhaganlal, Opposite Jain Dersara, Vadtal Devdi Road, Katargam, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019(164)/76-PF. II]

का० आ० 3824.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिवेल इलेक्ट्रिक कम्पनी, बी०-5 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, आनुषंगिक औद्योगिक एस्टेट, महादेवपुर, बंगलौर-48 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(166)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 3824.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Siwvel Electric Company B-5, Industrial Training Institute, Ancillary Industrial Estate, Mahadevapur, Bangalore-48 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and

Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provision of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019(166)/76-PF. II]

का० आ० 3825.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाह प्रेमचन्द महासुखराम एच० यू० पी०; 522/1, पंचकुवा गेट के बाहर, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना तीस मार्च, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(167)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3825.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shah Premchand Mahasukhram H.U.P., 522/1, outside Panchkuva Gate, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1974.

[No. S. 35019(167)/76-PF. II]

का० आ० 3826.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि अर्विन्द सिल्क मिल्स, आर० के० रोड, रामबाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35019(169)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3826.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Arvind Silk Mills, R. K. Road, Rambaug, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(169)/76-PF. II]

का० आ० 3827.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भरतकुमार रमनलाल, ए० के० रोड, रामबाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35019(194)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 3827.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharatkumar Ramanlal, A. K. Road, Rambaug, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(194)/76-PF. II]

का० आ० 3828.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जय श्री वीविंग वर्क्स, ए० के० रोड, रामबाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35019(198)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 3828.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayshree Weaving Works, A. K. Road, Rambaug, Surat. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019/198/76-PF. II]

का० आ० 3829.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रुक्मणी डैड प्रिन्टिंग वर्क्स, ए० के० रोड, हीरालाल कालोनी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात

पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(203)/76-पी० एफ०]

S.O. 3829.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rukamani Hand Printing Works, A. K. Road, Hiralal Colony, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(203)/76-PF. II]

का० आ० 3830.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि स्टार वीवर्स वर्कशाप कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सं० एच० एल० इन्ड (डी) 181, डाकघर कड्डोडी, कोझीकोड, केरल राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(207)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3830.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Star Weavers Workshop Co-operative Society Limited No. HL Ind. (D) 181, Post Office Kaddodi, Kozhikote, Kerala State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1976.

[No. S. 350(207)/76-PF. II]

का० आ० 3831.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ढोलका सरकारी गृह वस्तु भण्डार लिमिटेड, डाना बाजार ढोलका जिला अहमदाबाद, जिसमें (i) गृह शाप, डाना बाजार, ढोलका (ii) क्लाथ शाप्स, डाना बाजार ढोलका (iii) वेयर हाउस, एस० टी० स्टैंड के निकट मालव तालाव रोड, ढोलका (iv) राधानपुरी वाद, ढोलका (v) भीम्स रसोडा के सामने ढोलका, और (vi) खाखरचल्का ढोलका स्थित उसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना उनतीस फरवरी 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(210)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3831.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the M/s Dholka Shakari Griha Vastu Bhandar Limited. Dana Bazar, Dholka District, Ahmedabad including its branches at (i) Griha Shop, Dana Bazar, Dholka, (ii) Cloth Shops, Dana Bazar, Dholka, (iii) Warehouse, near S.T. Stand, Malav Talav Road Dholka, (iv) Radhanpuri vad, Dholka, (v) Opp. Bhims Rasoda Dholka and (vi) Khokhar Chalka, Dholka, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-ninth day of February, 1976.

[No. S. 35019 (210)/76-PF. II]

का० आ० 3832.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दुरा प्लास्टिक्स पाइप मैन्युफेक्चरिंग कम्पनी, 71/4-5, जी० आई० डी० सी० एस्टेट, वतवा जिला, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जएगी।

[सं० एस०-35019(213)/76 पी० एफ० 2]

S.O. 3832.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dura Plastics Pipe Manufacturing Company, 71/4-5, G.I.D.C. Estate, Vatva District Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the Said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S. 35019(213)/76-PF. II]

का० आ० 3833.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बालकृष्ण टाकीज, किर्लोस्कर रोड, बेलगाम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना एक जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(215)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3833.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Balakrishna Talkies, Kirloskar Road, Belgaum, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(215)/76-PF. II]

का० आ० 3834.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री वेंकटेश्वर माइनिंग कम्पनी, डोन, कुरनूल जिला (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना एक सितम्बर, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35019(221)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3834.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Venkateswara Mining Company, Dhone, Kurnool District (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1972.

[No. S. 35019 (221)/76-PF. II]

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3835.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बेनूलैक्स इण्डिया कारपोरेशन, मुम्बई (संगीता थियेटर, मलाड, मुम्बई-64) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30, जून, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35018(15)/73-पी० एफ० 2]

New Delhi, the 7th October, 1976

S.O. 3835.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Benulex India Corporation, Bombay (Sangeeta Theatre, Malad, Bmbay-64), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018(15)/73-PF. II]

का० आ० 3836.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टेक्सिल, 15-पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अक्तूबर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35017(11)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 3836.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Texsil, 15, Park Street, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1974.

[No. S. 35017 (11)/75-PF. II]

का० आ० 3837.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत सामिल, सेनबोरडेम कुर्चोरिम, गोवा, जिसके अन्तर्गत तिलामल-गोल्डेम केपेम (गोवा) स्थित उसकी शाखा भी आती है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस-35018(45)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 3837.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Bharat Saw Mill Sanvordem Curchorem Goa including its Branch at Tibamal Sheldem Kepen (Goa), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January 1975.

[No. S. 35018(45)/75-PF. II]

का० आ० 3838.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत है कि मैसर्स लिडन इंजीनियरिंग एण्ड मोल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड मार्फत क्वालिटी लैबस, 119 दादासाहेब फालके मार्ग, दादर, बम्बई-14 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 के दिसम्बर के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35018 (37)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3838.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lyndon Engineering & Mouldings Private Limited, C/o. Quality Labs. 119 Dadasahab Phalke Road, Dadar, Bombay-14 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1974.

[No. S. 35018(37)/75-PF. II]

का० आ० 3839.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि छगनलाल चुन्नी लाल, बक्शी-नि-वाडी, सलाबतपुरा, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 की मई के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35019 (50)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 3839.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chhaganlal Chunilal, Baxi-in-Wadi, Salabatpura, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thrity first day of May, 1974.

[No. S. 35019(50)/75-PF. II]

का० आ० 3840.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बुश टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 15 शेक्सपियर सरणी कलकत्ता-16 जिसमें ब्लाक 'छ' हाइड रोड कलकत्ता 23 स्थित उसका भाण्डागार भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जून, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35017(7)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3840.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Bush Tea Company Private Limited, 15, Shakespeare Sarani, Calcutta-16 including its warehouse at 'G' Block Hide Road, Calcutta-23, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35017(7)/76-PF. II]

का० आ० 3841.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निपुन शिल्प उद्योग 8, नाथर बागान स्ट्रीट, कलकत्ता नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35017 (3) 7/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3841.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nipoon Shilpa Udyog 8, Nather Bagan Street, Calcutta, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1975.

[No. S. 35017(3)/76-PF. II]

का० आ० 3842.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल, कारपोरेशन ऑफ इंडिया, एयर इंडिया बिल्डिंग, 13-वी मंजिल नारीमन प्वाइण्ट, मुम्बई-1 [जिसमें (1) चेफेयर फ्लाईट किचन शान्ताक्रुज एयरपोर्ट, शान्ताक्रुज मुम्बई-29, (2) चेफेयर फ्लाइट किचन पालम एयरपोर्ट नई दिल्ली] सम्मिलित हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(10)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3842.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Corporation of India, Air India Building 13th Floor, Nariman Point, Bombay-1 including its branches at (1) Chefair Flight Kitchen, Santacruz Airport, Santacruz, Bombay-29, (2) Chefair Flight Kitchen, Palam Airport, New Delhi, and Chefair Restaurant, Palam Airport, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of July, 1972.

[No. S. 35018 (10)/76-PF. II]

का० आ० 3843.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्वास्तिक मशीनरी, आनन्द, जिला कैरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 जून, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(63)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3843.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Swastik Machinery, Anand District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019(63)/76-PF. II]

का० आ० 3844.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एग्जैक्ट इंजीनियर्स, सं० 48/4, एस० जे० पी० रोड, बंगलौर-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्तूबर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(68)/76-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 3844.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Exacta Engineers No. 48/4, S. J. P. Road, Bangalore-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1975.

[No. S. 35019(68)/76-PF. II(i)]

का० आ० 3845.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्तूबर, 1975 से मैसर्स एग्जैक्ट इंजीनियर्स, सं० 48/4, एस० जे० पी० रोड, बंगलौर-2 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(68)/76-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3845.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1975 the establishment known as Messrs Exacta Engineers, No. 48/4, S. J. P. Road, Bangalore-2, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(68)/76-PF. II(ii)]

का० आ० 3846.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टिफनीज, 23-ग्राण्ट रोड, बंगलौर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(70)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3846.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Tiffanys, 23, Grant Road, Bangalore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019 (70)/76-PF. II]

का० आ० 3847.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टाइम्स फुटवियर 30 स्ट्रिनजर स्ट्रीट, मद्रास, जिसमें सं० 267 एन एस सी बोस रोड, मद्रास स्थित उसकी विक्रय डिपो भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(73)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3847.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Times Footwear 30, Stringer Street, Madras including its sales Depot at No. 267 N. S. C. Bose Road Madras, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019(73)/76-PF. II]

का० आ० 3848.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एमको, 30 स्ट्रिनजर स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(76)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3848.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. AMCO, 30, Stringer Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019(76)/76-PF. II]

का० आ० 3849.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि राजमोहन कैशियूज (प्राइवेट) लिमिटेड, वाडकेविल्ला, क्विलोन-10, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च 1971 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(80)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3849.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raj Mohan Cashews (Private) Limited, Vedakkevila, Quilon-10, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1971.

[No. S. 35019(80)/76-PF. II]

का० आ० 3850.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सुपर पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज, XIII अक्रूर केमिकल इण्डस्ट्रियल एस्टेट, अक्रूर पोस्ट आफिस एलिप्पी, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(81)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3850.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Super Packaging Industries, XIII, Aroor Chemical Industrial Estate, Aroor Post Office, Alleppey, Kerala State have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1976.

[No. S. 35019(81)/76-PF. II]

का० आ० 3851.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एक्सेल फिल्म वितरक, पोस्ट बाक्स नं० 181 एलिप्पी, केरल, जिसमें (1) एस के टेम्पल रोड, कालिकट, और (2) पोस्ट बाक्स नं० 1230 कोचीन, 11 स्थित उसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(82)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3851.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Excel Film Distributors, Post Box No. 181, Alleppey, Kerala including its branches at (1) S. K. Temple Road, Calicut and (2) Post Box No. 1230, Cochin-11 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019(82)/76-PF. II]

का० आ० 3852.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दी पैराम्बुर अरुन्दाथियार लेदर वर्कर्स इण्डस्ट्रियल कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड नं० 27, कृष्ण दास स्ट्रीट, मद्रास-12 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(86)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 3852.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Perambur Arundathiyar Leather Workers' Industrial Cooperative Society Limited, No. 27, Krishna Dass Street, Madras-12, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35019(86)/76-PF. II]

का० आ० 3853.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हेमाक्षी पर्न वाइन्डिंग वर्क्स, सी/16, उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(89)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 3853.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Hemakshi Pern Winding Works, C/16, Udhyognagar, Navasari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35019(89)/76-PF. II]

का० आ० 3854.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दाक्षा टेक्सटाइल, सी/16, उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थान को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ;

[सं० एस०-35019(95)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3854.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Daxa Textile, C/16, Udhyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019(95)/76-PF. II]

का० आ० 3855.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अनिता वाइंडिंग वर्क्स, सी/16 उद्योगनगर, नवसारी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(106)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3855.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Anita Winding Works, C/16, Udhyognagar, Navsari, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35019(106)/76-PF. II]

का० आ० 3856.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पटेल कारपोरेशन, बिन्दु सरोवर मार्ग, सिदनपुर, जिला मेहसाणा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के नवम्बर के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(130)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3856.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Patel Corporation, Bindu Sarovar Road, Sidnpur, District Mehsana, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1973.

[No. S. 35019(130)/76-PF. II]

का० आ० 3857.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सारंगपुर कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, सारंगपुर चाकला, अहमदाबाद इसमें काकडी बाजार अहमदाबाद स्थित इसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(141)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3857.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sarangpur Co-operative Bank Limited, Sarangpur Chakla, Ahmedabad including its branch at Kakdi Bazar, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1975.

[No. S. 35019(141)/76-PF. II]

का० आ० 3858.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स धनलक्ष्मी वीविंग वर्क्स, ए० के० रोड, रामबाग, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना तीस अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(191)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3858.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dhanlaxmi Weaving Works, A. K. Road, Rambaug, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1976.

[No. S. 35019(191)/76-PF. II]

का० आ० 3859.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सैंटौर रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 307 फर्स्ट क्रास स्ट्रीट, इंदिरा नगर, मद्रास-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अक्टूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(209)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3859.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Centaur Research, Private Limited, 307 First Cross Street, Indira Nagar, Madras-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1975.

[No. S. 35019(209)/76-PF. II]

का० आ० 3860.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अग्रवाल उद्योग भण्डार, 5-इन्दिरा गांधी नगर, केशर बाग रोड, इन्दौर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1976 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(251)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 3860.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Agrawal Udhyog Bhandar, 5, Indra Gandhi Nagar, Keshar Bag Road, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019(251)/76-PF. II]

का० आ० 3861.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तीरथ राम शाह चैरिटेबुल ट्रस्ट, बैटरी लेन, राजपुर रोड, दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1968 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 8(166)/68-पी० एफ० 2]

एस० एस० सहस्रनामन, उप सचिव

S.O. 3861.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Tirath Ram Shah Charitable Trust, Battery Lane, Rajpur Road, Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said estabilshment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1968.

[No. 8(166)/68-PF. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 7 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3862.—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 461, दिनांक 5 फरवरी, 1963 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, जिसका मुख्यालय मद्रास में स्थित है, के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हो गया है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार थिरु पी० भास्करण को पूर्वोक्त गठित श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[संख्या एस०-11020/4/76-डी 1ए]

एल० के० नारायणन, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 7th October, 1976

S.O. 3862.—Whereas a vacancy has occurred in the office the presiding Officer of the Labour Court with headquarters at Madras constituted by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation S.O. No. 461 dated the 5th February, 1963.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby appoints Thiru P. Bhaskaran as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. S. 11020/4/76-D IA]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer.

आदेश

नई दिल्ली, 6 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3863.—संविद श्रमिक (विनियमन और उत्सादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3062 तारीख 21 जुलाई, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,—

(1) क्रम सं० 7 के सामने, स्तंभ 3 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक (बंगलौर, कोलार, मैसूर, माण्ड्या, टुंकूर, कुर्ग, दक्षिण कनारा, हसन, चिकमगलूर, शिमोगा और चित्रदुर्ग के सिविल जिलों को अपवर्जित करते हुए) राज्य।"

(2) क्रम सं० 10 के सामने, स्तंभ 3 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"तमिल नाडु, केरल राज्य और कर्नाटक राज्य के बंगलौर, कोलार, मैसूर, माण्ड्या, टुंकूर, कुर्ग, दक्षिण कनारा, हसन, चिकमगलूर, शिमोगा और चित्रदुर्ग के सिविल जिले तथा पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र।"

[सं० एस० 16011(1)/75-एल डब्ल्यू-(i)]

ORDER

New Delhi, the 6th October, 1976

S.O. 3863.—In exercise of the power conferred by section 15 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3062 dated the 21st July, 1971, namely :—

In the Schedule to the said notification.—(1) against serial number 7, for the entry column 3, the following entry shall be substituted, namely :—

"The States of Andhra Pradesh and Karnataka (excluding Civil districts of Bangalore, Kolar, Mysore, Mandya, Tumkur, Coorg, South Kanara, Hassan, Chickmagular, Shimoga and Chitradurge." :

(2) against serial number 10, for the entry in column 3, the following entry shall be substituted, namely :—

"The States of Tamil Nadu, Kerala and Civil districts of Bangalore, Kolar, Mysore, Mandya, Tumkur, Coorg, South Kanara, Hassan, Chickmagular, Shimoga and Chitradurge of the State of Karnataka and the Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep.".

[No. S. 16011(1)/75-LW-(I)]

आदेश

का० आ० 3864.—केन्द्रीय सरकार, संविद् श्रमिक (विनियमन और उत्सादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा 28 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3063 तारीख 21 जुलाई, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

(1) क्रम संख्या 10 से 12 के सामने, स्तम्भ 3 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"तमिलनाडु, केरल राज्य और कर्नाटक राज्य के बंगलौर, कोलार, मैसूर, माण्ड्या, टुमकूर, कुर्ग, दक्षिणी कनारा, हसन, चिकमगलूर, शिमोगा और चित्रदुर्ग के सिविल जिले तथा पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र";

(2) क्रम संख्या 26 से 29 के सामने, स्तम्भ 3 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक (बंगलौर, कोलार, मैसूर, माण्ड्या, टुमकूर, कुर्ग, दक्षिणी कनारा, हसन, चिकमगलूर, शिमोगा और चित्रदुर्ग के सिविल जिलों को छोड़कर) राज्य।"

[सं० एस० 16011(1)/74-एल डब्ल्यु(II)]

के० डी० गान्धी, अवर सचिव

ORDER

S.O. 3864.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 28 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 3063 dated the 21st July, 1971, namely :—

In the Schedule to the said notification,—

(1) against serial numbers 10 to 12, for the entry in column 3, the following entry shall be substituted, namely :—

"The States of Tamil Nadu, Kerala and Civil districts of Bangalore, Kolar, Mysore, Mandya, Tumkur, Coorg, South Kanara, Hassan, Chickmagular, Shimoga and Chitradurga of the State of Karanataka and the Union territories of Pondicherry and Lakshadweep.".

(2) against serial numbers 26 to 29, for the entry in column 3, the following entry shall be substituted namely :—

"The States of Andhra Pradesh and Karnataka (excluding Civil districts of Bangalore, Kolar, Mysore, Mandya, Tumkur, Coorg, South Kanara, Hassan, Chickmagular, Shimoga and Chitradurga.".

[No. S. 16011(1)/75-LW-(II)]

K. D. GANDHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्तूबर, 1976

का० आ० 3865.—लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 7 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार 31 मार्च, 1976 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान उक्त अधिनियम के अधीन अपने कार्यकलापों की निम्नलिखित रिपोर्ट, उस वर्ष की लेखा विवरणी सहित, प्रकाशित करती है।

भाग-I

साधारण—लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर अधिनियम, 1961, लौह अयस्क पर उपकर के उद्ग्रहण और संग्रहण के लिए तथा लौह अयस्क खनन उद्योग में कार्यरत श्रमिकों के कल्याण के उन्नयन संबंधी कार्यकलापों को वित्तपोषित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। अधिनियम 1 अप्रैल, 1963 को प्रवृत्त हुआ था और 1 अक्तूबर, 1964 को उसे गोवा, दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्रों पर विस्तारित किया गया था। उक्त अधिनियम में, उत्पादित लौह अयस्क के प्रति मीट्रिक टन पर 50 पैसे से अनधिक दर पर उपकर के उद्ग्रहण की व्यवस्था की गई है। उपकर की विद्यमान दर 25 पैसे प्रति मीट्रिक टन है। उपकर आगमों का उपयोग

मुख्य रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य और सफाई में सुधार, रोगों की रोकथाम और शिक्षा संबंधी सुविधाओं, चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था और उनमें सुधार, जल प्रदाय, सामाजिक दशाओं में सुधार और मनोरंजन संबंधी सुविधाओं की व्यवस्था आदि के लिए किया जाता है। कल्याण सुविधाएं सीधे नियोजित कर्मकारों अथवा ठेकेदारों के माध्यम से नियोजित कर्मकारों को दी जाती हैं।

2. लौह अयस्क खान श्रम कल्याण उपकर (संशोधन) अधिनियम, 1970, जिसमें लौह अयस्क पर उपकर के संग्रहण की विद्यमान प्रक्रिया में परिवर्तन करने के लिए उपबन्ध किया गया है, 1 अक्तूबर, 1974 को प्रवृत्त हुआ। संशोधित अधिनियम के अन्तर्गत उपकर सीमाशुल्क के रूप में उद्ग्रहणीय है यदि लौह अयस्क का आयात किया जाता है और उत्पाद-शुल्क के रूप में उद्ग्रहणीय है यदि लौह अयस्क का उपयोग आन्तरिक तौर पर किया जाता है। संशोधित अधिनियम के प्रवृत्त किए जाने के परिणामस्वरूप नई दिल्ली में एक केन्द्रीय उपकर आयुक्त की नियुक्ति की गई है जो लौह अयस्क के आन्तरिक तौर पर उपभोग के संबंध में उपकर के संग्रहण पर निगाह रखने के लिए उत्तरदायी है। कयाण उपकर का सीमा-शुल्क के रूप में संग्रहण करने के लिए सीमा-शुल्क विभाग उत्तरदायी है और उस विभाग को 1/2 प्रतिशत संग्रहण प्रभार के रूप में दिया जाता है।

3. समीक्षा से संबंधित वर्ष के दौरान, 21 आदर्शरूप श्रम कल्याण संबंधी स्कीमों का क्रियान्वयन जारी रहा।

4. विभिन्न राज्यों में लौह अयस्क खनिकों के लिए निम्नलिखित कल्याणकारी कदम उठाए गए :

चिकित्सा सुविधाएं--लौह अयस्क कर्मकारों को, जिनका आधारी वेतन 500 रुपये प्रतिमास है, तथा उनके आश्रितों को संगठन द्वारा स्थापित निम्नलिखित अस्पतालों/औषधालयों आदि में चिकित्सा सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं :--

बिहार :

(1) आपातकालीन अस्पताल, बड़ाजामदा
(2) चल चिकित्सा औषधालय, बड़ाजामदा

उड़ीसा :

(1) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जोड़ा
(2) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जोरुरी
(3) चल चिकित्सा औषधालय, बारबिल
(4) एक एम्बुलेन्स गाड़ी

महाराष्ट्र :

(1) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रेडी
(2) चल चिकित्सा औषधालय, रेडी

मध्य प्रदेश :

(1) चल चिकित्सा औषधालय, राजहारा
(2) चल चिकित्सा औषधालय, बेलाडिला (डिपोजिट सं० 14)
(3) चल चिकित्सा औषधालय, बेलाडिला (डिपोजिट सं० 5)
(4) दो एम्बुलन्स गाड़ियां

कर्नाटक :

(1) केन्द्रीय अस्पताल, करिगनूर (25 शैय्याओं वाला)
(2) चल चिकित्सा औषधालय, हासपेट
(3) चल चिकित्सा औषधालय, हासपेट
(4) चल चिकित्सा औषधालय, सुन्डूर

गोआ :

(1) केन्द्रीय औषधालय, पिल्लिम दरबन्दोरा, गोआ (20 शैय्याओं वाला)
(2) चल चिकित्सा औषधालय, कुरपेम
(3) दो एम्बुलेन्स गाड़ियां

कर्नाटक में करिगनूर स्थित 25 शैय्याओं वाला केन्द्रीय अस्पताल 3-10-75 को पूरा किया गया और चालू किया गया। इस अस्पताल को 50 शैय्याओं का बनाने का प्रस्ताव है। केन्द्रीय अस्पताल, गोआ को भी 50 शैय्याओं का बनाये जाने का प्रस्ताव है। दो 50 शैय्याओं वाले केन्द्रीय अस्पताल, जिनमें से एक बड़ा जामदा (बिहार) तथा जोड़ा (उड़ीसा), का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है और मुख्य भवन लगभग एक वर्ष के समय के भीतर तैयार हो जाने की आशा है। तीन एलोपैथिक औषधालय बिहार क्षेत्र के लिए मंजूर किए गए हैं जो नोआमुंडी, गोआ तथा बराईबुरु में स्थित होंगे। एक चल चिकित्सा औषधालय की मंजूरी भी मध्य प्रदेश में डिपाजिट सं० 5 बेलाडिला के लिए दी गई है। आन्ध्र प्रदेश में दो अंशकालिक चिकित्सक उस क्षेत्र में लौह अयस्क खनिकों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए सेवारत हैं।

केवल लौह अयस्क खनिकों और तपेदिक से पीड़ित उनके परिवार के सदस्यों के ही प्रयोग के लिए शैयाओं के आरक्षण की सुविधाएँ और सेनिटोरियम पद्धति से उनके उपचार की व्यवस्था जारी रखी गई। बिहार क्षेत्र में 45 शैय्याएँ और उड़ीसा क्षेत्र में 32 शैय्याएँ महादेवी बिरला सेनिटोरियम रांची में की गई हैं। इसी प्रकार से 5 शैय्याएं गोआ क्षेत्र के लौह अयस्क खनिकों के लिए सेन्ट ल्यूकस अस्पताल, वेनगुरला में आरक्षित की गई हैं। मध्य प्रदेश क्षेत्र में 4 शैय्याएं बेलडिला के कर्मकारों के लिए एच० एस० एल०, भिलाई मुख्य अस्पताल में आरक्षित की गई हैं। अनुमोदित स्कीम के अनुसार 5 साधारण शैय्याएं खनिकों के प्रयोग के लिए सार्वजनिक औषधालय, मपुसा, गोआ में आरक्षित हैं। इसी प्रकार से क्योंजर स्थित जिला मुख्यालय अस्पताल में भी 5 शैय्याएं आरक्षित हैं। मानसिक रोगियों के लिए मानसिक अस्पताल, कांके, रांची में व्यवस्था चालू रखी गई।

मध्य प्रदेश, उड़ीसा, बिहार, कर्नाटक और गोवा क्षेत्रों में की विहित स्तर की औषधालय सेवाएं बनाए रखने के लिए, उन औषधालयों में उपस्कर और अन्य विभिन्न विशेष प्रकार के उपस्कर लगाने के लिए सहायता अनुदान कतिपय खान मालिकों को दिए गए हैं। अन्य मामलों में भी सहायता अनुदानों की मंजूरी की गई है।

आवास सुविधा :

लौह अयस्क खनिकों के लिए आवास सुविधाएं प्रदान करना संगठन के मुख्य कार्यकलापों में से एक है। मकान के निर्माणों के कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से निम्नलिखित आवास स्कीम में अनुज्ञेय सहायिका 1-11-75 से 2250 रुपये प्रति मकान से बढ़ाकर सामान्य भूमि वाले क्षेत्रों में 6825 रुपये प्रति मकान तथा काली या कंकरीली मिट्टी वाले क्षेत्रों में 1925 रुपये प्रति मकान की मानक प्राक्कलित लागत के 75 प्रतिशत तक अथवा मकान की वास्तविक निर्माण लागत के 75 प्रतिशत तक कर दी गई है। कतिपय अन्य महत्वपूर्ण संशोधनों के परिणामस्वरूप, जो कि स्कीम में किए गए हैं, अनुज्ञेय सहायिकी का 20 प्रतिशत भाग कार्य आरंभ का आदेश जारी होने पर प्रबन्ध वर्ग द्वारा अग्रिम के रूप में दिया जायेगा। इस स्कीम के अन्तर्गत निर्मित मकानों के आबंटितियों द्वारा देय मासिक भाटक एक रुपये होगा जिसके अन्तर्गत बिजली और पानी का प्रभार भी है। यह भाटक खनिकों के स्वामियों द्वारा मकानों की देखरेख और मरम्मत के उपयोग में लाया जाएगा। 'अपना मकान स्वयं बनाओ स्कीम' के अन्तर्गत लौह अयस्क खनिकों को देय वित्तीय सहायता की मात्रा 450 रु० प्रति मकान से बढ़ाकर 1500 रुपये कर दी गई है। इसमें से 600 रुपये सहायिकी के रूप में और 900 रुपये ब्याज मुक्त ऋण के रूप में होंगे जो मासिक किश्तों में वसूल किए जाएंगे और ये किश्तें नौ मास से अनधिक अवधि की होंगी।

विभिन्न आवासन स्कीमों के अन्तर्गत 9488 मकान निर्माण के लिए मंजूर किए गए थे। अब तक 7070 मकान तैयार हो चुके हैं और 565 मकान निर्माणाधीन हैं।

जल आपूर्ति प्रसुविधाएँ–

विभिन्न क्षेत्रों में मंजूर की गई स्कीमों में से सोलह पूरी हो चुकी हैं। रजहरा नगर जल आपूर्ति स्कीम तथा बोलजी जल आपूर्ति स्कीमें भी पूरी हो चुकी हैं। अन्य जल आपूर्ति स्कीमें प्रगति पर हैं। विभिन्न क्षेत्रों में 25 कुएँ भी खोदे गए।

शैक्षिक और मनोरंजन सुविधाएँ :–

लौह अयस्क खान कर्मकारों और उनके कुटुम्बों के लिए शैक्षिक और मनोरंजन संबंधी सुविधाओं में 38 बहुउद्देश्यीय संस्थाएँ दृश्य-श्रव्य सेट कल्याण केन्द्र, 5 महिला एवं बाल कल्याण केन्द्र, 7 चलचित्र यूनिट, 2 अवकाश आवास गृह और 128 रेडियो केन्द्र सम्मिलित हैं जो कि लौह अयस्क खान कल्याण संगठन के विभिन्न क्षेत्रों में हैं। मध्य प्रदेश क्षेत्र में खानों के स्वामियों को खेलकूद प्रतियोगिताओं आदि के आयोजन के लिए सहायता अनुदान मंजूर किए गए। उड़ीसा क्षेत्र में बारबिल में तृतीय अन्तर्राज्यीय खेलकूदों का आयोजन किया गया। एक अनुमोदित स्कीम के अनुसार लौह अयस्क खान के कर्मकारों के बालकों के स्कूलों, कालेजों और तकनीकी संस्थाओं में अध्ययन के लिए वजीफा देने की सुविधा जारी रखी गई। मध्य प्रदेश और गोवा क्षेत्रों में स्कूलों के बच्चों को मध्याह्न भोजन देने की स्कीम जारी रखी गई।

कार्यालय भवन और कर्मचारीवृन्द के लिए क्वार्टर

सरकार ने बारबिल (उड़ीसा) में 22.5 लाख रुपये की लागत का कार्यालय भवन और कर्मचारीवृन्द के लिए क्वार्टर मंजूर किए हैं। इसी प्रकार का एक भवन बिहार क्षेत्र में बड़ाजामदा में निर्माण के लिए प्रस्थापित है।

सहकारी भण्डार

केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार, जिसके बिहार क्षेत्र में 4 प्रारंभिक भंडार हैं और गोवा क्षेत्र में दो प्रारंभिक भंडार हैं, कार्य करते रहे।

घातक और गंभीर दुर्घटना प्रसुविधा योजना

दुर्घटनाओं के शिकार हुए व्यक्तियों की विधवाओं और बच्चों को आर्थिक सुविधाएँ देने की प्रणाली जारी रही।

भाग-2

पहली अप्रैल, 1975 को प्रारम्भिक अतिशेष	3,32,34,343.31 रुपये
1975-76 वर्ष के दौरान प्राप्तियां	68,25,223.32 रुपये
1975-76 वर्ष के दौरान व्यय	1,33,95,914.00 रुपये
	(समनुषंगी लेखा 1974-75 के अनुसार)
31 मार्च, 1976 को अन्त अतिशेष	2,86,63,652.63 रुपये

भाग-3

1976-77 वर्ष के लिए प्राप्तियों और व्यय का प्राक्कलन

प्राक्कलित प्राप्तियां	1,10,00,000 रुपये
प्राक्कलित व्यय	2,31,06,000, रुपये
	(उपकर के प्रतिदाय मद्दे 6.00 लाख रुपये और ऋण आदि मद्दे 9.77 लाख रुपये सम्मिलित हैं)।

[फाईल सं०/जेड/16016(2)/76-एम 4]

टी० के० सेन, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1976

S.O. 3865.—In pursuance of section 7 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 (58 of 1961), the Central Government hereby publishes the following report of its activities under the said Act, during the year ending 31st day of March, 1976, together with a statement of accounts for that year.

PART I

General.—The Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 was enacted to provide for levy and collection of cess from the iron ore and for financing activities to promote the welfare of the labour working in the iron ore mining industry. The Act came into force on the 1st October, 1963 and was extended to the Union territory of Goa, Daman & Diu on the 1st October, 1964. The Act provides for the levy of a cess at a rate not exceeding 50 paise per metric tonne of iron ore produced. However, the present rate of levy is 25 paise per metric tonne. The proceeds of the cess are utilised mainly for the improvement of public health and sanitation, the prevention of diseases; and the provision and improvement of educational facilities, medical facilities; water supply, amelioration of social conditions and provision for recreational facilities, etc. The welfare facilities cover workers employed directly or through contractors.

2. The Iron Ore Mines Labour Welfare Cess (Amendment) Act, 1970 providing for a change in the existing procedure of collection of cess on iron ore, came into force on 1-10-74. Under the Amended Act, the cess is levied as a duty of customs where the iron ore is exported and as a duty of excise where the iron ore is consumed internally. Consequent upon the bringing into force the Amended Act, a Central Cess Commissioner has been appointed at New Delhi who is responsible for watching the amount of cess collected in respect of internal consumption of iron ore. The collection of welfare cess as a duty of customs is the responsibility of the Department of Customs who are paid 1/2 per cent collection charges.

3. During the year under review, 21 welfare prototype schemes continued to be implemented. Three more schemes are under consideration of the Government.

4. The following welfare measures were provided for the iron ore miners in various States :

Medical facilities.—These facilities are being provided free of cost to the iron ore workers getting a basic pay of Rs. 500/- per month and their dependents, in the following hospitals/dispensaries etc. established by the Organisation :

BIHAR

(1) Emergency Hospital, Barajamda

(2) Mobile Medical/Dispensary, Barajamda

ORISSA

(1) Primary Health Centre, Joda

(2) Primary Health Centre, Joruri

(3) Mobile Medical Dispensary, Barbil

(4) One Ambulance Van.

MAHARASHTRA

(1) Primary Health Centre Redi

(2) Mobile Medical Dispensary, Redi

MADHYA PRADESH

(1) Mobile Medical Dispensary, Rajhara

(2) Mobile Medical Dispensary, Bailadila (Deposit No. 14)

(3) Mobile Medical Dispensary, Bailadila (Deposit No. 5)

(4) Two Ambulance Vans.

KARANATAKA

(1) Central Hospital, Kariganur (25 bedded)
(2) Mobile Medical Dispensary, Hospet.
(3) Mobile Medical Dispensary, Sandur.

GOA

(1) Central Hospital, Pilliem Darbandora, Goa (20 bedded)
(2) Mobile Medical Dispensary, Kurpem
(3) Two Ambulance Vans.

The 25-beds Central Hospital at Kariganur in Karnataka State was completed and commissioned on 3-10-1975. It is proposed to expand this hospital to 50 beds. The Central Hospital, Goa is also proposed to be expanded to 50-beds. Construction of the two 50-beds Central Hospitals one each at Barajamda (Bihar) and Joda (Orissa) has also started and the main buildings are expected to be ready in about a years' time. Three Allopathic dispensaries have also been sanctioned in Bihar region to be located at Noamundi, Nua and Baraiburu. Sanction has also been accorded for a mobile Medical Dispensary for Deposit No. 5, Bailadila in Madhya Pradesh. In Andhra Pradesh services of two part-time doctors are being utilised for providing medical services to the iron ore miners in the area.

Facilities for reservation of beds for the exclusive use of iron ore miners and members of their families suffering from T. B. and requiring sanatorium line of treatment have continued. 45 beds in Bihar region and 32 beds in Orissa region have been reserved in the Mahadevi Birla Sanatorium, Ranchi. Similarly 5 beds have been reserved at St. Lukes hospital, Vengurla for iron ore miners of Goa region. In Madhya Pradesh region, 4 beds have also been reserved for the workers of Bailadila in the Bhilai main hospital of the Hindustan Steel Ltd. In accordance with the approved scheme, 5 general beds have been reserved for the use of miners in the public hospital, Mapusa, Goa. Similarly 5 beds have also been reserved in the District Headquarters hospital at Keonjhar. For mental cases arrangements have been continued at the Mental Hospital, Kanke, Ranchi for indoor treatment of workers. Arrangements have also been continued for treatment of leprosy patients in the Mission hospital at Purulia (Bihar). Grants in aid have also been given to certain mine owners in Madhya Pradesh, Orissa, Bihar, Karnataka and Goa regions for maintenance of dispensary services of the prescribed standard, for equipping their hospitals with X-ray and other various specialised equipments. Grants-in-aid have been sanctioned in other cases.

HOUSING FACILITIES

Provision of housing accommodation for iron ore miners is one of the main activities of the Organisation. With a view to increase the tempo of construction of houses, the subsidy permissible in the Low Cost Housing Scheme has been increased with effect from 1-11-1975 from Rs. 2250/- per house to 75% of the standard estimated cost of Rs. 6825/- per house in ordinary soil areas and Rs. 7925/- per house in black cotton or swelly soil areas or 75% of the actual cost of construction of the house, whichever is less. As a result of certain other important amendments carried out in the scheme, 20% of the admissible subsidy is to be givien to the managements as advance with the issue of the work order. The monthly rent payable by the allottees of the houses constructed under this scheme is Rs. 1/- per month which includes charges for electricity and water. This rent will be utilised by the mine owners towards maintenance and repairs of the houses. The quantum of all financial assistance payable to the iron ore miners under the Build Your Own House Scheme has also been increased from Rs. 450/- per house to Rs. 1500/- (Rs. 600/- in the form of subsidy and Rs. 900/- in the form of interest free loan recoverable in monthly instalments spread over a period not exceeding 9 months).

Under the various housing schemes a total number of 94.88 houses were sanctioned for construction. 7017 houses have so far been completed and 565 houses were under construction.

WATER SUPPLY FACILITIES

Out of 26 Water Supply Schemes sanctioned in various regions, 16-have been completed. The Rajhara Township Water Supply Scheme and the Bolani Water Supply Scheme have also been completed. Various other Water Supply Schemes are in progress. 25 wells have been sunk in different regions.

EDUCATION AND RECREATIONAL FACILITIES

The educational and recreational facilities provided to the iron ore mine workers and their families include 38-Multi-purpose Institutes, 1-Welfare Centre, 5-Women-cum-children Welfare Centre, 7-Cinema Units, 2-Holiday Homes one Audio Visual Set and 128-Radio Centres in the various regions of the Iron Ore Mines Labour Welfare Organisation. Grants-in-aid were also sanctioned to mine owners for organising sports, games, tournaments, etc. in the Madhya Pradesh region. The 3rd Inter-State Sports meet of iron ore miners was held at Barbil in Orissa Region. Scholarships continued to be given to the children of iron ore mine workers studying in schools, colleges and technical institutions in accordance with the approved scheme. The midday meals scheme for the school children was continued in Madhya Pradesh and Goa regions. The rate of mid-day meals has been enhanced from 50 to 75 paise per child per day. Uniforms were also supplied to the Primary School going children of iron ore miners in some regions.

OFFICE BUILDING AND STAFF QUARTERS

The Government have sanctioned office building and staff quarters at Barbil (Orissa) at a cost of Rs. 22.5 lakhs. A similar building is also proposed to be constructed at Barajamda in Bihar region.

CO-OPERATIVE STORES

The Central Consumer Cooperative Store with four primary stores in Bihar region and 2 primary stores in Goa region, continued to function.

FATAL & SERIOUS ACCIDENT BENEFIT SCHEME

The system of financial benefits to widows and children of victims of accidents continued to operate.

PART II

Statement of Accounts for the year 1975-76

	Rs.	
Opening balance as on 1st April, 1975.	3,32,34,343.31	
Receipt during the year 1975-76.	88,25,223.32	
Expenditure during the year 1975-76.	1,33,95,914.00	(as per subsidiary accounts (1974-75).
Closing balance as on 31st March, 1976.	2,86,63,652.63	

PART III

Estimates of Receipts and Expenditure for the year 1976-77.

Estimated Receipts	1,10,00,000	
Estimated Expenditure	2,31,06,000	(Includes Rs. 6.00 lakhs on account of refund of cess and Rs. 9.77 lakhs towards loans etc.)

[F. No. Z/16016(2)/76-M IV]

P. K. SEN, Under Secy.

New Delhi, the 6th October, 1976

S.O. 3866.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management

of Upper Mandra Section of Phularitand Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Kharkharee, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD.

Reference No. 118 of 1975

In the matter of an industrial disputes under Section 10 (1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

(Ministry's Order No. L-20012/25/75/D. IIIA dt. 23-9-1975)

PARTIES :

Employers in relation to he management of Upper Mandra Section Phularitand Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad,

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the Workmen—Shri Chet Lal Hari, The concerned workman.

STATE : Bihar Industry : Coal Mines. Dhanbad, dated the 28th September, 1975

AWARD

The following is the schedule of issue framed by the Government of India, Ministry of Labour, in the order of reference as above remitted to this Tribunal for adjudication of industrial dispute existing between the parties.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Upper Mandra Section of Phularitand Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad, in stopping Shri Chet Lal Hari, Sweeper, from work with effect from the 10th July, 1974, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. As the parties did not submit their statement of demands on receipt of the order of reference within the time as stipulated in the law, notices were sent to the parties under registered post. The employers appeared through their authorised representative Shri T. P. Choudhury, Advocate but the workmen neither appeared nor took any steps. The matter proceeded some length and atleast on 14-9-76 the parties appeared and fleld a joint petition of settlement. The concerned workman Shri Chet Lal Hari put his thumb impression in this joint petition of settlement and Shri K. C. Nandekeolyar, area Manager (Personnel), Area No. 1 signed the same for the employers. The Left Thumb Impression of the concerned workan and the signature of Shri Nandkeolyar were duly verified before me. In this reference there were no union of workman concerned. I have gone through the joint petition of settlement and found that the same is beneficial to the parties and accordingly I accept the same.

3. In the result. I make an award in respect of the industrial dispute involved in this reference in terms of joint petition of settlement which do from part of the award as annexure A.

K. K. SARKAR. Presiding Officer.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD.

In Ref. No. 113 of 1975

Employers in relation to Phularitand Colliery (East) Mandra Sec.)

AND

Their Workman

Joint petition of compromise Settlement.

The humble petitioners, on behalf of the parties in the above proceeding, most respectfully beg to state, that the parties have agreed to settle this dispute through voluntary, and amicable settlement, as per terms stated below :—

Terms of Settlement

1. That the parties agree that Sri Chetal Hari, the concerned workman, shall be given fresh employment as a permanent Sweeper in any colliery of Area No. I, within 15 days of his reporting to the Area Personnel Manager, Area No. I., for joining duty.

2. That the parties agree that Sri Chetlal Hari shall report for duty within 15 days of the recording of the Settlement before the Hon'ble Tribunal.

3. That the parties agree that Sri Chetlal Hari shall not be entitled to any back-wages, or any other payment for any period prior to the date of his joining duty, as per this settlement.

4. That the parties agree that parties have no other claim whatsoever, against each other with respect to this dispute.

Prayer

The humble petitioners pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to approve of the above terms of settlement, and pass award in terms thereof.

CHETLAL HARI, Workman Concerned.

Representing Employer.

(K. C. NANDKEOLYAR)

Area Manager (Personnel) Area No. I.

General Manager, Area No. I.

[No. L-20012/25/75-D.IV/A]

S.O. 3867.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirshachatti, District Dhanbad (now under the management of Coal Mines Authority Limited) and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th October, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANABAD

Reference No. 22 of 1974

In the matter of an industrial disputes under Section 10 (1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's Order No. L-2012/13/73-LRII Dated 21-9-1974)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirshachatti, District Dhanbad (now under the management of Coal Mines Authority Limited)

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri N. Das, Advocate.

On behalf of the Workmen—Shri P. K. Bose, Advocate.

State : Bihar Industry : Coal Mine.

Dhanbad, the 28th September, 1976.

AWARD

The following is the schedule of issue framed by the Government of India, Ministry of Labour, in the order of reference as above remitted to this Tribunal for adjudication of industrial dispute existing between the parties.

SCHEDULE

(i) Whether the action of the management of Badjna, Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirshachatti, District Dhanbad (now under the management of Coal Mines Authority Limited) in denying the wages of Shri Dinesh Chandra Bhardwaj, Electric Helper as per coal Wage Board recommendations is justified ? If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?

(ii) Whether the action of the management of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad (now under the management of Coal Mines Authority Limited) in denying Shri Ramesh Chandra Bhardwaj, Underground Munshi, the wages as per Coal Wage Board recommendations and ultimately stopping him from work with effect from the 25th November, 1972, is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?"

2. In response to the notice issued to the parties they appeared before this Tribunal through their authorised representatives viz. Shri N. Das, Advocate on the side of the employers and Shri P. K. Bose, Advocate on the side of the workmen. Statement of Demands were filed by both sides followed by rejoinder. Thereafter parties filed some documents in respect of their respective cases and the reference rolled by stage by stage reaching the stage of hearing. The parties made their respective submissions on the preliminary point as raised by the employers following which within a short time the parties filed joint petition for disposal of the case as they are agreed to settle the issue i.e. indusrial dispute out of Court. The joint petition has been signed by the Senior Personnel Officer of the employers colliery and also their Advocate Shri N. Das. Shri Dinesh Chandra Bhardwaj and Shri Ramesh Chandra Bhardwaj the two workmen concerned in this reference have signed on this joint petition which has also been signed by Shri P. K. Bose, the learned Advocate for the workmen who holds the authority from the General Secretary of the Colliery Mazdoor Sangh. The joint petition have been properly signed by both employers and the workmen. As the parties have agreed to settle the issue out of Court, no industrial dispute exists between the parties before this Tribunal. This therefore calls for passing a no dispute award in this case.

3. In the result, I pass a no dispute award in respect of the industrial disputes involved in this reference.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

[No. L. 2012/13/73-LR II/D-III.A]

S. H. S. IYER, Desk Officer.

New Delhi, the 7th October, 1976

S.O. 3868.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the management of Messrs Mascot Marine Works, Gandhidham (Kutch) and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th September, 1976.

BEFORE DR. B.D. SHARMA, ASSTT. LABOUR COMMISSIONER (C), AN ARBITRATOR APPOINTED UNDER SEC. 10 A OF INDUSTRIAL DISPUTE ACT, 1947.

BETWEEN

Representing Employer.—Shri N. B. Mathur & Shri A. P. Mathur, Partners of M/s. Mascot Marine Works, DBZ/N-42, Gandhidham (Kutch).

Representing workman.—Shri R. K. Patil, DBZ/N-42-A, Gandhidham (Kutch).

Whereas the above parties by a written agreement dated the 30th June, 1976 agreed to refer the dispute namely "whether the termination of services of Shri Ramakrishna Patil by M/s. Mascot Marine Works, DBZ/N-42, Gandhidham (Kutch) is justified ? If not, to what relief, if any, is the said workman entitled to"? to the arbitration of the undersigned.

And whereas the said arbitration agreement was published in the Govt. of India Gazette vide Ministry of Labour's letter No. L. 37013(1)/76-D. IV(A) dated the 12th July, 1976.

The parties were asked to file their statements by 30th July 1976. The first hearing of the arbitration proceeding took place at Ahmedabad on 12th August, 1976 and at the end of the hearing both the parties requested jointly to hold the next sitting of the proceedings at Bombay because Shri Manohar Kotwal, President of the Union was sick and was only available at Bombay. This was agreed to and the next hearing took place at Bombaf on 9th, 10th and 11th September, 1976. Shri Manohar Kotwal, the President of the Union attended the proceedings on 9th, 10th September, 76 and Shri Ramkant Desai, General Secretary of the Union attended the proceedings on 9th, 10th and 11th September, 1976. It was at the initiative of Shri Manohar Kotwal that both the parties started mutual negotiations because Mr. Manohar Kotwal knew that case of the workman was very weak on legal grounds but on humanitarian grounds he appealed to Shri Suresh Mathur, the Founder Director of ths Company, who had himself know Shri R. K. Patil for last 17 years and who was aware some of his good qualities. Therefore a mutual settlement could be arrived at. The proceedings were adjourned to 25th September, 1976 at Ahmedabad. On 25th September, 1976, the following persons participated in the sitting.

1. Shri N. B. Mathur representing the management of M/s. Mascot Marine Works, Gandhidham (Kutch).

2. Shri R. K. Patil, the workman himself.

During the course of hearing both the parties submitted a written mutual agreement duly signed and requested the undersigned to give an award in terms thereof (copy enclosed).

I have gone through the contents of the agreement and am of the opinion that the same is just and reasonable.

In view of the said agreement, filled before me, I award accordingly.

Dr. B. D. SHARMA,

Asstt. Labour Commissioner (C),

And Arbitrator.

Ahmedabad.

Dated the 25th September, 1976.

To

The Honourable Arbitrator,

Dr. B. D. Shrama

Office of the Asstt. Labour Commissioner (C),

Safal Kunj Society, Mani Nagar East,

AHMEDABAD

Subject:—Arbitration agreement between M/s. Mascot Marine Works, Kandla and the Transport & Dock Workers Union, Kandla

Sir,

We the two parties mentioned below do hereby file a mutual settlement arrived at between us as full and final settlement in respect of this dispute before your honour.

Your honour may be pleased to take this settlement on record of this case and give a consent award in terms thereof.

Both the parties do hereby jointly declare that we have entered into this settlment of our own free will and that this settlement is just and fair to both the parties.

We both the parties do further agree to implement the terms of this settlement fully and report compliance thereof to the Asstt. Labour Commissioner (C) Ahmedabad within a period of 30 days from the date of receipt of award.

Thanking you,

Yours faithfully,

Sd/-

Sh. N. B. Mathur

Partner of M/s. Mascot Marine Works

Sd/-

(Sh. A. P. Mathur)

Sd/-

(Sh. C. B. Akhand), Partner of M/s Mascot Marine Works.

Jt. Secy. Transport & Dock

Workers Union, Kandla.

Sd/-

(Shri Ram K. Patil),
Workman

Camp. C. C. I., Bombay

Dated 11th September 1976.

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Representing Employers.—Shri N. B. Mathur Shri A.P. Mathur.

For and on behalf of M/s. Mascot Marine Works, Kandla.

Representing Workman.—Shri Rama Kant Desai, Gen. Secy., Transport & Dock Workers Union.

Shri C. B. Akhani, Jt. Secy., Transport & Dock Workers Union.

Shri Ram K. Patil Workman concern.

SHORT RECITAL OF THE CASE

The dispute regarding the alleged wrongful termination of services of Shri Ram K. Patil by the management of M/s. Mascot Marine Works, Kandla was jointly referred for arbitration to Dr. B. D. Sharma Asstt. Labour Commissioner (C) Ahmedabad under Govt. of India Ministry of Labour notification under section 10 A of Industrial Disputes Act, 1947 No. 37013(1)/76-D.IV (A) dated 12th July, 1976.

After filing their statements to the honourable arbitrator both the parties started mutual negotiations/discussions and after prolonged detailed discussions both the parties came to a mutual settlement on the terms and conditions as mentioned below :

TERMS OF SETTLEMENT

1. The management, keeping in view the long services rendered by Shri R. K. Patil and on the humantarian grounds and the assurances of cooperation and faithful service agreed to take him back on job as a NEW ENTRANT, with no links of his past services. He will be employed at Bombay and not at Kandla (Gandhidham).

2. As a compromise settlement for the claims made by Shri R. K. Patil for arrears, wages, night allowances, gratuity, bonus etc., though the management stressed the pointt that no monetary claim of Shri R. K. Patil is outstanding but as a gesture of goodwill on the pursuation of Shri Rama Kant Desai they agreed to pay a lump sum amount of Rupees Eighteen Thousand five hundred only (Rs. 18500/-) on ad hoc basis as a full and final payment settlement in respect of this case. The management also agreed to waive the recovery of Rs. 12500/- outstanding against Shri R. K. Patil.

3. That Shri R. K. Patil agreed to handover vacant peaceful possession of the house No. BDZ-N-42 A, Gandhidham of the firm Mascot Marine Works at present occupied by him alongwith the furnitures and fittings etc. within a period of one month from the date of this agreement. He would also return all files papers, documents, tools gears etc. which belongs to the company (recorded or unrecorded) which are under his possession, at present.

4. That the payment of money mentioned above i.e. Rs. 18500/- shall be made to him only after handing over the vacant peaceful possession of the house DBZ-N-42A, Gandhidham and furnitures, fittings, files, papers, documents, tools gears etc. which belongs to the company. Also he will withdraw all the claims and suits etc. filed by him before various authorities.

5. That both the parties shall jointly request the honourable Arbitrator to accept the joint settlement on record and give an award in terms thereof.

6. That this will be full and final settlement in respect of this dispute and it shall be binding on both the parties. None of the parties shall ever raise any dispute or demand in respect of this matter before any authority in India.

7. That this settlement shall take effect from the date, the honourable Arbitrator, Dr. B. D. Sharma, gives his award and both the parties shall submit implimentation report to the Asstt. Labour Commissioner (C), Ahmedabad within a period of 30 days from the date of the award.

Sd/-	Sd/-
(Sh. A. P. Mathur)	(Sh. C. B. Akhani)
Sd/-	Sd/-
(Sh. N. B. Mathur)	(Sh. R. K. Patil)

Witnesses :

Sd/-

No. 1 (Shri S. B. Mathur)

Sd/-

No. 2 (Shri D. G. Moniz)

Place : C.C.I. (Cricket Club of India), Bombay.

Dated : 11th September, 1976

[No. L-37013(1)/76-D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

S.O. 3869.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the folowing award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the matter of application filed by Assam Petroleum Mazdoor Union, Duliajan under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, which was received by the Central Government on the 4th October, 1976.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

AT CALCUTTA

Misc. Application No. 6 of 1976, under Sec. 33A of Industrial Disputes Act.

(Arising out of Reference No. 41 of 1975)

PARTIES :

Assam Petroleum Mazdoor Union, Duliajan.

Assam Applicant

Vs.

Oil India Limited, Dulian, Assam Opp. Party.

APPEARANCES :

On behalf of Applicant.—Shri K. Borthakur, Advocate, with Shri B. C. Goswami, Advocate.

On behalf of Opp. Party.—Shri J. K. Ghosh Advocate.

State : Assam Industry : Oil

AWARD

This is a complaint filed by the Secretary, Assam Petrolium Mazdoor Union, Duliajan under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, on behalf of one Sri Rajen Baruah, a workman of Oil India Limited alleging contravention of the provisions of Section 33 of the said Act by the employer company dismissing Sri Rajen Baruah from service when some other industrial dispute was alleged to be pending before this Tribunal in Reference No. 41 of 1975.

2. The Union stated that Sri Barua was dismissed from service with effect from 18-2-76 on the ground that he was alleged to have slapped the Stores Superintendent Sri M.R.A. Rao in his office room at about 4.50 P.M. on 12-2-75 during the course of some discussion relating to the promotion of one P.C. Baruah working in the Oil India Limited. The conversation was alleged to have begun at 3 P.M. Due to this incident the Acting Senior Purchase Officer Sri V. S. Ramakrishna chargesheeted Sri Baruah on 13-2-75 with direction to file his written explanation within 24 hours of the receipt of the charge. Pending departmental enquiry, however, Sri Baruah was suspended from service. A complaint was also alleged to have been filed by Sri Rao, the victim in the case against the workman Sri Baruah before the Sub-Inspector of Police, Bordubi Police Station, Assam, during the pendency of the departmental proceeding. Sri Baruah denied the charge in his explanation dated 14-2-75. However, the management thought it fit to conduct an enquiry against Sri Baruah and as a result of the enquiry the Enquiry Officer submitted his finding on 21-3-1975. He found Sri Rajen Baruah quilty of the misconduct as defined in clause XIV(2)(IX) & (X) of the Company's Standing Orders. The Technical Manager concurred with the finding and held that the workman was liable to be dismissed from service. The company thereafter filed an application before the Induustrial Tribunal, Calcutta under Section 33(3)(b) of the Industrial Disputes Act for an express permission in writing to dismiss the workman in view of the fact that there was an industrial dispute pending decision in Reference No. 15 of 1974 on the file of that Tribunal. The Tribunal held that the application for permission was not sustainable in law as there was no industrial dispute common between Sri Baruah on the one hand and the workman concerned in Reference No. 15 of 1974 on the other. Accordingly the applicant for permission was dismissed on 28-1-1976.

3. The Union rests on an industrial dispute alleged to be pending in respect of one A. F. Lobo in Reference No. 41 of 1975 which according to the union was a dispute common between Sri Baruah and the workman in the aforesaid dispute. The Union also alleged that Sri Rajen Baruah who was the President of the Union resigned his Presidentship on 8-2-1976 but on 16-2-1976 he was said to be elected as a member of the Union's General Council and the fact of his election was communicated to the company. So, according to the union the company had violated the provisions of Sec. 33(3)(b) for not obtaining the permission in writing from the Industrial Tribunal, Calcutta before the dismissal order was passed against Sri Rajen Baruah. The Union further pointed out that the suspension of the workman with effect from 13-2-1975 was also in violation of Section 33(3)(b) of the Industrial Disputes Act. In paragraph 7 of the complaint the union had detailed some of the grounds on which the domestic enquiry against the workman are to be found illegal and invalid. Finally the union submitted that the industrial dispute involved in the case has to be adjudicated upon giving appropriate relief to the workman.

4. The management filed a counter statement as well as a rejoinder contending inter alia that the complaint prima facie is not maintainable in view of the fact that the aggrieved workman himself did not file such complaint as required by Section 33A. They have also pointed out that a complaint without requisite permission from the aggrieved workman filed at the instance of the union is not maintainable in law. According to them Sri Rajen Baruah was not a protected workman under the Act after he ceased to be the President of the union with effect from 8-2-76 and as such the application under Section 33A could not be sustained as he ceased to be a protected workman. The employer company further stated that the enquiry was conducted propeily giving full opportunity to the workman concerned to cross-examine witnesses and examine his own witness in defence. The management denied that the enquiry was in any manner prejudicial to the workman. The company denied any victimisation on the part of the company against the workman concerned. It also states that the complaint filed by the union is not maintainable and that the punishment awarded to the workman has to be upheld.

5. Both parties adduced evidence in respect of preliminary issue as to whether the provisions of Section 33 have been complied with or not at the intance of the management as well as on the question of merits of the case and they agreed that both the questions may be heard together.

6. The first question that arises for consideration is whether the complaint under Section 33A can be maintained by the union, without the authorisation from the aggrieved workman. The aggrieved workman was examined in this case as WW-1 and the Secy. of the Union was WW-2. WW-2 filed a complaint on behalf of the union at the instance of the aggrieved workman Sri Rajen Baruah. Rajen Bruah has given evidence that he had authorised WW-2, Secretary of the Union to file the complaint on his behalf. While WW-2 was being examined he produced an authorisation letter alleged to have been sent by the aggrieved workman to the union. It is marked as Ext. W-4 dated 2-6-76. It was said to be a carbon copy of the original which was sent to the Union. The original however is not produced. But, there is evidence of both WWs 1 and 2 that the union was authorised by Sri Rajen Baruah to file the complaint. The evidence of both persons who are interested in proving the authorisation is before the Tribunal and they had given evidence on oath; and there is no reason to reject that evidence and hold that the application was filed without the authority. I find that the application is maintainable as if there is authorisation to file it by the union at the instance of the workman.

7. The next question is whether as a protected workman Sri Rajen Baruah is entitled to maintain the complaint under Sec. 33A. Sri Rajen Baruah maintains that he was a protected workman when he was dismissed from service on 18-2-1976. In this regard the case of the employer is that Sri Rajen Baruah resigned from the Presidentship of the union on 8-2-76 and that he was not elected again at the meeting of the union but the union elected some other persons as President and other office bearers of the union. Ext. W-7 may be seen in this connection. It is accompanied by a list of elected Councilors who are said to be members of the Executive Committee. Ext. M-7 gives the names of President and other office bearers. Shri Rajen Baruah is only a member of the Council described in item 43 in the second sheet of Ext. M-7. It does not appear from Ext. M-7 that he was a protected workman. The protected workman is defined in the explanation in sub-section 33(3) of the Act which states that a protected workman in relation to an establishment, means a workman who, being an officer of a registered trade union connected with the establishment, is recognised as such in accordance with rules made in this behalf. The relevant rule is Rule 61 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. Sub-rule (1) of Rule 61 provides that any change in the incumbency of any such officer shall be communicated to the employer by the Union within fifteen days of such change. It can be said that the union had communicated the change in the personnel of the executive, but the sub-rule (1) of rule 61 also provides that the union should recognised such personnel as protected workmen before the list is sent to the company for approval. Nothing of the sort was done in this case. This question was once considered by the Calcutta High Court in Saxy and Farmer (India) (Private) Ltd. v. Third Industrial Tribunal and others, 1962 (2) LLJ, 52, where it is stated that the fact that the union communicated to the maangement a list of the office-bearers elected at the annual general meeting of the union would not by itself impliedly amount to the expression of opinion by the union that all office bearers mentioned in the list were to be recognised as protected workmen. So, in the absence of any communication in Ext. M-7 list it cannot be said that the the union had

approved any of the elected persons as protected workman. The union has not complied with the provisions of law for recognition of any of the office bearers as protected workman much less Sri Rajen Baruah who was only a member of the Council of the union. So, it cannot be said that after 8-2-76 Rajen Baruah was a protected workman. Any way, the fact remains that the management treated Rajen Baruah as a protected workman even when the order was passed in Misc. Application No. 1 of 1975 under Section 33(3)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947. The question also does not materially affect the maintainability of the application in view of the fact that the application would be maintainable even if Sri Baruah is not a protected workman. It is incumbent upon the management to file an application under Section 33(1) (b) of the Act for an express permission in writing from this Tribunal to dismiss Sri Rajen Baruah even if he was not a protected workman, "Save with the express permission in writing of the authority before which a proceeding is pending" is common both to Section 33(1)(b) and 33(3)(b). So, even on the basis that Sri Rajen Baruah is a workman as required by Sec. 33(1)(b). it is for the management to file an application under that section to get express permission in writing for the dismissal. So, the question as to whether Rajen Baruah is a protected workman or not for the disposal of the case is not vital and on that ground I do not hold that the application has to be dismissed.

8. The most important question has to be considered next is whether Sri Rajen Baruah is the workman concerned in Reference No. 41 of 1975. Before he succeeds he must prove the following requirements: (i) he should be a workman within the definition of workman in Sec. 2(s) of the Act; (ii) he should be a workman concerned in the pending dispute; and (iii) he should be aggrieved by the alleged contravention of Section 33 by the employer. In a complaint to the Tribunal under Section 33A the primary question that falls to be decided by the Tribunal is whether there has been a contravention by the employer of the provisions of Sec. 33 and it is only in the case where it is found that there has been such contravention that occasion arises for the Tribunal to embark upon further adjudication of the complaint on its merits. Before giving any relief to an employee under Section 33A of the Act therefore the Tribunal has first to find out that the employer's act comes within one of the blanket provision of Sec. 33. Hence a contravention of the provision of Sec. 33 is the foundation for exercising power to adjudicate upon a dispute under Section 33A of the Act. If this issue is answered against the employee nothing further can be done under Sec. 33A of the Act, in other words, the application under Sec. 33A without proof of contravention of Sec. 33 would be incompetent. On this question there has already been a finding by this Tribunal when the management filed an application under Sec. 33(3)(b) of the Act in Misc. Application No. 1 of 1975. The order passed by the Tribunal in that case is marked as Ext. M-3. This Tribunal considered the question whether Sri Rajen Baruah was a concerned workman in Reference No. 15 of 1974. The complainant now does not depend upon that Reference. On the other hand, he relies upon Reference No. 41 of 1975 for the purpose of showing that he is a concerned workman in that case. This Tribunal came to the conclusion that Sri Rajen Baruah was not concerned workman in Reference No. 15 of 1974. In that regard the Tribunal had considered some of the decisions of the Supreme Court. The learned Counsel of the employer argued that on account of the earlier decision the present contention is barred by res judicata. I do not think that the earlier decision is conclusive for the purpose of holding that the present contention is barred by res judicata. On the other hand, it has to be said that the principle of res judicata is not involved in considering the question whether Sri Rajen Baruah is a concerned workman in Reference No. 41 of 1975.

9. Before I consider the question on merits regarding the position of the workman with Reference to his relationship with the workman in Reference No. 41 of 1975, it is necessary to cite few cases as to how connection between the workman and the workman in a pending reference has to be established. In the case of Digwadih Colliery and Ramji Singh, 1964 II, LLJ 143, the Supreme Court said, "It is necessary to enquire what was the subject-matter of the industrial dispute concerned. It is pointed out therein that the petitioner filing an application under S. 33(A) should have satisfied the Tribunal by proving the nature of the dispute during the pendency of which the Act which gave rise to the application under S. 33A was filed, before asking the Tribunal to make a finding in his favour under S. 33(2) and in the absence of such evidence, the Tribunal was not justified in holding that S. 33(2) applied and had been contravened." In a decision of the Patna High Court in New India Sugar Mills Ltd. v Krishna Ballabh Jha, 1967 II LLJ, 210, it was said that the question whether a workman action against whom made under S. 33(2) of the Industrial Disputes Act, may be said to have been concerned in the dispute under reference pending adjudication must be decided on the basis whether there was some common feature in all the disputes which serve as a connecting link thereby rendering the workmen in the later case also, workmen concerned in the dispute in the earlier case. It was said that the mere fact that the same union has taken up the cause of the two workmen or else that by virtue of S. 18(3)(b) of the Act all workmen may be bound by the award in the earlier dispute may not suffice unless there is some other common feature as mentioned above.

10. In Tata Iron & Steel Company v Singh, 1965 (2) LLJ, P122, the Supreme Court had again considered the question. There it was said:

> "The question about the construction of the words 'a workman concerned in such dispute' which occur in Ss. 33(1) and 33(2) has been the subject-matter of judicial decisions and some what inconsistent views had been taken by different High Courts on this point. Some High Courts construed the said words in a narrow way-vide New Jangir Vakil Mills Ltd., Bhavnagar v. N. L. Vyas and others, 1958 II LLJ 573, while others put a broader construction on them—vide Eastern Plywood Manufacturing Company Ltd. v. Eastern Plywood Manufacturing Workers' Union, 1952 I LLJ 623; Newtone Studies, Ltd. v. Ethirajulu (T.R.) and others, 1958 I LLJ 63; and Andhra Scientific Company, Ltd. v. Seshagiri Rao (A.C.), 1959 II LLJ, 717. This problem was ultimately resolved by this Court in its two recent decisions, viz., New Indian Motors (Private) Ltd. v. Morris (K.T.), 1960 I LLJ 551 and Digwadih Colliery v. Ramji Singh, 1964 II LLJ 143. In this letter case this Court considered the conflicting judicial decisions rendered by the different High Courts and has approved of the broader construction of the words 'workman concerned in such dispute."

In M/s. Dalmia International Ltd. v Thomas, I.L.R. 1975 (1) Kerala 664, it was said, "In considering the question it is important to consider the nature of dispute before the Industrial Tribunal. Otherwise as held by the Supreme Court in Digwadih Colliery v Ramji Singh, 1964 II LLJ 143, it would plainly be impossible to decide whether the person involved in a workman concerned within the meaning of s. 33(2). The nature of the dispute should be such as would ordinarily affect the interests of the rest of the workman or in which any principle applicable to the workman in general is involved, or when it could be said that it was a collective dispute on behalf of the workman in general."

11. After expressing the opinion in various decisions, it is now necessary to consider in this case whether the union had established that Rajen Baruah is a concerned workman in Reference No. 41 of 1975. There was no allegation in the complaint or in the evidence as to the nature of the dispute in Reference No. 41 of 1975. The management has filed a copy of the Reference which is marked as Ext. M-6. That dispute was between the management of Oil India Limited and one Sri A. F. Lobo whose service was terminated with effect from 19-4-1969. The body of the reference shows that the dispute was between an individual workman and the management. The fact that the copy of this reference was sent to the President of the Assam Petrolium Mazdoor Union was not a circumstance to hold that the dispute in that reference was for and on behalf of the workman of the establishment. It was true that the industrial dispute in respect of the termination of service of Sri A. F. Lobo was sponsored by the same union who has now sponsored the industrial dispute of Rajen Baruah. The service of A. F. Lobo as Overseer was terminated because of the purpose for which he was appointed came to an end. He was appointed for the purpose of exploration of oil under a scheme. That scheme came to an end. So, naturally his services had to be terminated. But in the present case the dispute is dismissal of Rajen Baruah from service. It was for an alleged misconduct which is governed by the Standing orders that is in force between the parties. There is no sort of relationship between the industrial dispute that existed between Rajen Baruah and its management on one side and the indus-

trial dispute that exist between A. F. Lobo and the management. There is no nexus to connect the two disputes. It is also not in evidence that the entire body of workmen of Oil India Limited had espaused the cause of the industrial dispute in favour of A. F. Lobo. There is also no evidence that the entire body of workmen had espoused the cause of Rajen Baruah in the industrial dispute between him and his employer. There is no other evidence to show that there had been any relationship between the two disputes that existed. There was nothing in common between the two. Neither WW-1 nor WW-2 had given any evidence establishing any common relationship between the dispute in one case and the dispute in the other case. In the absence of any cogent and convincing evidence it cannot be said that Rajen Baruah is a workman concerned in the dispute pending in Reference No. 41 of 1975.

12. Then another instance of an industrial dispute was set up in the name of Fukan who was alleged to have been dismissed by the management. The union has produced only Ext. W-3 to show that there was some such dispute. But no allegation of any kind was made in the complaint regarding such dispute. There is also evidence that the Tribunal had given permission for his dismissal. In the absence of any evidence on record as to the nature of the dispute it cannot be said that Rajen Baruah was a workman concerned in that dispute. So, the union has not proved that Section 33(1)(b) much less Sec. 33(3)(b) has been violated as condition precedent for filing a complaint under Section 33A.

13. The case against the workman Rajen Baruah is that on 12-2-75 at about 3 P.M. he entered the office of the Stores Superintendent, M. R. A. Rao and started discussing the case of a recent promotion of one P. C. Baruah to clerical status and continued such discussion till about 4.50 P.M. when he became excited, suddenly stood up from his seat, called M. R. A. Rao by name and hit him on the spectacle causing bleeding injury on his nose. Soon after the incident he telephoned to Sri Sharma another officer who was working in the adjacent room. When he came to the room he detailed the incident to him and told him that Rajen Baruah had hit him at his face and showed his bleeding injury. On the same day between 5-10 and 5-15 P.M. Dr. Laskar examined Sri Rao and recorded his injury in a certificate which is marked as Ext. M-1(j). That shows that on the left lateral aspect of the root of the nose there was an abraded contusion with bleeding lacerated wound in he centre. The size of the wound was said to be ¼"×¼" skin deep. Dr. Laskar gave the opinion that the injury could have been caused by a hit on the spectacle by any person. Sri Rao told Dr. Laskar that Rajen Baruah had hit him and caused the injury. The broken spectacle was also produced. Sri Rao then made a complaint to the Technical Manager. That complaint is marked as Ext. M-1(q). He had also filed a complaint before the Police on the next day. It is marked as Ext. M-1(i). On the basis of the complaint the management issued a chargesheet on 13-2-75 Ext. M-1(a) is the chargesheet. After the charge the Deputy Technical Manager (Utility) was appointed as Enquiry Officer. He conducted the enquiry against Rajen Baruah at which he was present along with a co-worker who is examined as WW-2 before the Tribunal. The enquiry went on for several days. Sri M. R. A. Rao was examined on 21-2-75 and 25-2-75 and at the instance of the workman he was again recalled and examined at the instance of the workman on 5-3-75. On behalf of Sri M. R. A. Rao three more witnesses were examined. They were Sharma, J. N. Baruah and Dr. Laskar on other dates. All these witnesses had been cross-examined by WW-2 on behalf of the workman. The workman examined himself and on his behalf six defence witnesses were examined. They were Svs. Das, Gogoi, Purkayasta, Brodoloi, Chowdhury and Kakoti. On completion of the enquiry, the Enquiry Officer who is examined as MW-1 submitted his findings which is marked as Ext M-1(o). On a detailed discussion of the evidence he came to the conclusion that the charge was proved against the workman and that he was guilty of the misconduct under clause 14(2) read with sub-clauses (ix) and (x) of the Standing Orders. A copy of the Standing Orders is marked as Ext. M-8. On the basis of that finding the Technical Manager issued Ext. M-1(p) order that he concurred with the finding arrived at by the Enquiry Officer and that he had came to the conclusion that the workman should be dismissed from service. But the Technical Manager said that before dismissal the express permission of the Tribunal shall be obtained. The decision taken by the Technical Manager was communicated to the workman vide. Ext. M-1(p) order. After the dismissal of the permission application, the Technical Manager finally dismissed the workman with effect from 18-2-76 vide Ext. M-1(r) order.

14. As against the domestic enquiry the specific case set out by workman contains in clauses (a) to (m) of paragraph 7 of the complaint. In clause (a) it is stated that the charge framed by one Ramakrishna, Acting Senior Purchase Officer is not valid. That contention cannot be accepted because clause 14(iv) of the Standing Order, Ext. M-8, provides in a case of alleged misconduct the departmental officer may suspend a workman pending full departmental enquiry to establish the case. So, the charge Ext. M-1(a) is valid as the Senior Purchase Officer was a departmental officer of the Stores Department who is entitled to frame a charge as well as to suspend the workman concerned.

15. In clauses (b) and (m) the union stated that the enquiry officer has no authority to enquire into the matter. But Ext. M-1 itself shows that he has been authorised by the Technical Manager to conduct the enquiry. There is no ground to hold that the enquiry conducted by him is unauthorised under any provision of the Standing Orders.

16. The contention in clauses (d) and (e) also cannot be accepted as there was no bar for the domestic enquiry when a police enquiry or a criminal case was pending against the workman. There is no evidence however that Sri Rao, the victim in the case had proceeded with the police charge or with a criminal case. Any way, pendency of any such proceeding is not a bar for conducting domestic enquiry against the workman.

17. In clause (1) it is stated, "no opportunity was given to him to explain his conduct before punishment was awarded to him". It cannot be said that he was not given opportunity. On the other hand, we find that he was given notice of the decision arrived at by the Technical Manager. A copy of his order was communicated to him and he had no complaint to make. So, before the actual dismissal order was passed he had sufficient opportunity to explain his conduct. The company had therefore complied with the procedure and provision in paragraph 2 of clause 14 of the Standing Orders, Ext. M-8.

18. In clause (b), (c), (g), (h), (i), (j) and (k), the main question is as to whether the management had any previous enmity with the workman or that the enquiry officer was biased against him or there has been any victimisation of the workman either during the enquiry or in punishing him. It has to be said that the workman had not made any definite case anywhere before his punishment that he had been victimised or that the enquiry officer was biased against him much less any of the office bearers of the Oil India Limited was on enimical terms with him and therefore the case was foisted against the workman. Now, before this Tribunal while the enquiry was in progress a document was produced and marked as Ext. C-1(a) dated 4-2-1976. Prima facie this document does not appear to be a genuine one. In the last paragarph of this document it is indicated that Rajen Baruah had been dismissed from service. But his dismissal was only with effect from 18-2-1976. So, it is clear that this document would have been fabricated for the purpose of producing before this tribunal to make out a case that he had made wild allegations against the officers of the company. There was absolutely no evidence to prove that any of the allegations were true. Ext. C-1(a) could not be relied upon for the purpose of showing that the office bearers of the Oil India Limited were on enimical terms with the workman since long before his dismissal on 18-2-1976. Apart from this document there is no indication whatsoever that the Officers of the company were on enimical terms with him. There was no evidence to show that the enquiry officer was also on enimical terms with him. The fact that he is a member of a club of which Sri Rao, the victim in the case is also a member of that club is not sufficient to establish that the enquiry officer was prejudiced towards him. It is pointed out that Sri Rajen Baruah was President of the Union and that he used to make complaints against the officers and other employees often and on and that on that account he incurred their displeasure. That statement of Rajen Baruah is not established by evidence. There is nothing on record to show that the management had any particular reason to proceed against the workman and foist a false charge against him. I find that the allegation of victimisation, enmity with the officers and the biased attitude of the enquiry officer had not been proved in the case. So, the domestic enquiry on that account cannot be found against.

19. The next important circumstance pointed out by the union against the enquiry was that certain corrections had been made in the enquiry proceeding and that certain deletions

had also been made. But MW-1 had come forward to say that he never made any deletion or any correction after the enquiry was concluded. Any alteration or any addition in the enquiry proceeding was made then and there at the enquiry in the presence of the workman. If such corrections were made in his presence he should have then and there pointed out that he did not agree with those corrections. There was no evidence to show that any of those corrections or deletions had materially affected the domestic enquiry which was conducted by the enquiry officer in-charge of the enquiry. Mere allegation of a deletion or a correction in the enquiry proceeding by itself is not a circumstance to hold that it has caused prejudice to the workman. I find that the alleged corrections and the deletions would not in any manner affect the merit of the case and no prejudice has been caused against the workman.

20. The workman had a case that one of his witnesses had not been examined. But it is seen from the proceedings that the enquiry officer told Rajen Baruah that any witness to be produced by him shall be examined but he did not produce any other witness and all the six witnesses that were produced by him had been examined in defence. There is nothing to show that the enquiry officer shut out any witness to be examined in favour of the workman. In the absence of any witness produced in defence it is not incumbent upon the enquiry officer to examine the witness. I find there is no invalidity in the enquiry conducted by the enquiry officer on that account.

21. The finding arrived at by the Enquiry Officer as per Ext. M-1(o) is conclusive that the charge levelled against the workman had been proved. The Enquiry officer examined the case in correct perspective consistent with the evidence adduced before him. Each of the conclusions he arrived is supported by evidence. There is nothing to show that he has come to a perverse conclusion on the basis of the evidence in the case. On merits it has to be said that the charge had been proved against the workman. On behalf of the management four witnesses were examined including Sri Rao. The incident was at 4.50 P.M. Soon after the incident he reported the incident to Sri Sharma who was also examined as witness. Sri Rao told Sharma that Rajen Baruah fisted him on his nose causing a bleeding injury. Sri Sharma saw the injury when he entered his room. It was a bleeding injury. On the same day between 5.10 and 5.15 P.M. Sri Rao was taken to Dr. Laskar. Dr. Laskar examined him and issued a certificate. It was clear that the injury could have been caused by a fisting with the hand. Sri Rao told Dr. Laskar that Sri Rajen Baruah fisted him with his hand in the result the glass of spectacle was broken due to the impact and the injury was caused. On the next day at about 12.30 P.M. Sri Rajen Baruah confessed to J. N. Baruah that he had slapped an executive of the Stores Department. Sri I. N. Baruah had given evidence to that effect. The suggestion of the workman during cross-examination was that somebody else would have hit Sri Rao after he left the room; but it does not appear to be probable in the circumstance of the case. There is clear evidence in the case to hold that Sri Rajen Baruah assaulted Sri Rao and caused the injury. So, the finding that he was guilty of the charge has to be accepted.

22. The management has chosen to punish the workman. This is not the first time the workman was found guilty of more or less the same charge. In 1967 he was found guilty of some misconduct and he was suspended from service for two days from 31-8-67. Ext. M-1(k) is the copy of the order of suspension. Again he was warned in 1969 vide Ext. M-1(l) in respect of another charge. He was dismissed from service with effect from 31-10-70 for misconduct vide Ext. M-1(m). There is evidence that he trespassed into the office of the General Manager by breaking open a window and on that account he had been warned though he was liable to be dismissed. Any way, the antecedents of the workman were not satisfactory. The workman attacking a superior officer will affect the discipline in the institution. It is an high handed act on the part of the workman and the management has to take into consideration that aspect of the case for awarding punishment. It is necessary to establish and maintain discipline in any public institution. Without such discipline it would be impossible to work in a public office. Taking into consideration all these circumstances, I feel that the punishment of dismissal awarded to the workman is consistent with the nature of the charge and other circumstances established in the case. So, there is no ground to set aside the dismissal order.

23. In view of above conclusion, I find the complaint under Section 33A is not sustainable and it is therefore dismissed.

I pass my Award accordingly.

Dated, Calcutta,

The 22nd September, 1976.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

[No. L-30014(1)/76-D-IV(B)]

BHUPENDER NATH, Desk Officer.

New Delhi, the 8th October, 1976

S.O. 3870.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank, Mapusa (GOA) and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th October, 76.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/11 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the Canara Bank

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employers—(1) Shri M. N. Nayak, (2) Shri B. V. Puranik Superintendents.

For the workmen—Shri L. G. Narvekar, Advocate.

Industry : Banking State : Goa, Daman and Diu

Bombay, the 15th September, 1976

AWARD

By order No. L. 12012/7/76/DII(A) dated 7-5-1976 the Government of India, in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred to this Tribunal and industrial dispute existing between the employees in relation to the Canara Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the Canara Bank, Mapusa Branch (Goa) in stopping Shri Shantaram N. Saletri, Peon, from work with effect from the 5th October, 1975 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. On receipt of the reference notices were served on the parties to file their written statement. Both the parties have filed their written statements.

3. The workman, Shri Shantaram N. Saletri, in his written statement submits that he was employed as a Peon from November, 1972 on temporary basis and continued to work with breaks in service throughout the years 1973, 1974 and 1975 until his services were terminated. It is submitted that although the workman was on a temporary basis and he was assured that he would be put on the permanent cadre as soon as a vacancy arose, he was not posted as peon when a permanent vacancy arose in the Branch in January, 1975 as result of promotion of a permanent peon to the post of a Clerk. It is stated that for reasons best known to the management of Canara Bank this post was kept vacant right until the end of October 1975 and the services of the workman were

terminated. It is further submitted that the termination of his service is illegal as he was employed on temporary basis and he was the most suitable candidate to fill up the post and his removal from service verbally is mala fide and without any reason. It is stated that after the promotion of the peon to the post of Clerk the workman was assigned regular service from 15-1-1975 to 4-10-1975 without a break and as he has worked for 240 days working days, he should be treated as a confirmed workmen irrespective of his other qualifications. It is maintained that a Peon who is in the service of the Bank from 1972 has fulfilled all the conditions for being confirmed to the vacant post of peon available at the Mapusa Branch of the Canara Bank in terms of the settlement dated 19-10-1966. The workman submits that there is obviously an ulterior motive involved in stopping the services of this workman, and favouritism shown to an outsider seems to be the motive in terminating the services of the workman. The workman therefore demands that he be allowed to continue to work as a Peon at the Canara Bank, Mapusa as a confirmed and permanent peon as the post of peon is still vacant and which is temporarily filled by a new employee.

4. The Bank in its written statement submits that Shri Shantaram N. Saletri was engaged on a daily wage basis since November, 1972 in the leave vacancies of the permanent subordinate staff as and when required and in 1975, a permanent peon was promoted as a Clerk, Shri Shantaram N. Saletri was engaged on a daily wage basis in the vacancy. It is stated that the workman was not a regular employee of the Bank. It is further submitted that though in the matter of filling up of permanent vacancies preference is given to candidates who have worked on temporary basis and for appointment on temporary basis itself, preference is given to candidates who have worked on daily wage basis, for permanent absorption candidates must fulfill all the eligibility criteria laid down by the Bank for recruitment and must be found suitable in all respects and temporary appointment or appointment on daily wage basis by itself is no guarantee for absorption in the permanent cadre. It is further stated that for recruitment to the permanent cadre, one of the requirements laid down by the Bank is that candidates should not be below 18 years of age or above 25 years of age with atleast 5′3″ in height, but the workman was aged 29 years when the question of filling up the permanent vacancy arose and his height is 5′. It is maintained that he was thus ineligible for recruitment to the permanent cadre and therefore, the Bank stopped engaging him from 5-10-1975 and subsequently filled up the vacancy by recruiting a person who met all the eligibility criteria. It is submitted that the Bank's action in not absorbing Shri Shantaram N. Saletri in the permanent vacancy is valid and just and is free from any ulterior motive.

5. In its rejoinder the Bank submits that at no time was any assurance written or oral, given to the workman that he would be absorbed in the permanent cadre. It is submitted that there is no ulterior motive or any favouritism shown to anybody. It is prayed that the Tribunal be pleased to negative the claim of the workman and pass an award holding that the action of the Bank in stopping Shri Shantaram N. Saletri, Peon, from work with effect from the 5th October, 1975 is in order.

6. The Bank in its supplementary statement submits that among other requirements, it is stipulated that the persons recommended for temporary appointment of peons should have completed 18 years of age and should be below 25 years of age at the time of appointment in the Bank, that the prospective candidate should have studied only upto SSLC or Matriculation that the candidate is expected to have a minimum height of 5′3″ and he must be knowing cycling and that he should not be related to any one of the existing employees of the Bank. The Bank submits that the workman did not confirm to the criteria laid down by the Bank with regard to the appointment of temporary peons to the post of permanent peons, and therefore, the Bank had no alternative but to disqualify him from filling the permanent post of a peon.

7. The workman examined himself, WW-1 deposes that he was working as a Temporary Peon in the Canara Bank for the last 4 years since 1972, that he worked for 11 days in the year 1972, 113 days in 1973, 76 days in 1974 and 244 days in 1975, that he was never told that his services were temporary upto 5-10-1975, that he came to know that his services were terminated on 5-10-1975 when the management told him that he is no more required, that he was not given notice or was chargesheeted, that he was not given any warning for any mistake and that his demand is for back wages and reinstatement.

8. On behalf of the management, Shri Pacumha Souza, the Manager was examined. EW-1 deposes that he has been working as Manager in Mapusa for over 5 years, that he knows the workman, that he engaged the workman on daily wages of Rs. 9 per day, that whenever they had extra work they had to engage the workmen on daily wages, they did not issue any writen order as there was no appointment for him, that the day the workman does not come they do not pay him, that as the workman was employed on daily wages it was not necessary for him to send any leave application when he did not come for work, that he had no control over his attendance, that when a permanent peon is on leave for more than 15 days then they take permission from the Head Office to appoint temporary peon provided he fulfills the required qualification, that Exhibit E-2 is the Circular issued by the Head Office regarding the appointment of temporary peons, that he did not give any assurance regarding giving him a job and that the workman did not possess the requisite qualification.

9. It is contended by the learned counsel for the workman that Shri Shantaram N. Saletri was employed as a temporary employee and he has worked for more than 240 days continuous with the Bank and therefore the management should not have stopped him from work with effect from 5-10-1975, but should have absorbed him in a permanent vacancy giving preference as per direction contained in para. 20 : 12 of the Bi-partite Settlement dated 19-10-1966. It is then maintained that the workman should be deemed to have completed one year's continuous service under Section 25B of the I.D. Act as he had put in more than 240 days continuous service in 1975 and he would be entitled to retrenchment compensation and notice pay under Section 25F of the I.D. Act.

10. On the other hand it is contended by the representative of the Bank that Shri Shantaram N. Saletri was engaged purely temporary basis on daily wages as a peon pending recruitment of a suitable candidate and filling up of the permanent vacancy and no assurance was given to the workman that he would be absorbed in the permanent cadre.

11. In order to appreciate the rival contentions it will be apposite to refer to para. 20.7 and 20.12 of the Bipartite Settlement dated 19-10-1966 which lays down that :—

> "20.7—In supersession of paragraph 21.20 and sub-clause (c) of paragraph 23.15 of the Desai Award 'Temporary Employee' will mean a workman who has been appointed for a limited period for work which is of an essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional workman in connection with a temporary increase in work of a permanent nature and includes a workman other than a permanent workman who is appointed in a temporary vacancy caused by the absence of a particular permanent workmen."

> "20.12—"Other things being equal, temporary workman (other than godown-keeper) will be given preference for filling permanent vacancies and if selected they may have to undergo probation."

12. There is no dispute that the workman was employed on daily wages basis since November, 1972 in the leave vacancies of the permanent subordinate staff as and when required. It is admitted by the Bank in the rejoinder that in 1975, a permanent vacancy of a peon arose consequent on the promotion of a peon as a clerk and Shri Shantaram N. Saletri was engaged on daily wage basis in this permanent vacancy also pending recruitment of a suitable candidate. Para 20.7 of the Bipartite Settlement dated 19-10-1966 defines 'temporary employee' to mean a workman who has been appointed for a limited period for work which is of an essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional workman in connection with a temporary increase in work of a permanent nature and includes a workman other than a permanent workman who is appointed in a temporary vacancy caused by the absence of a particular permanent workman. Here the workman was employed in leave vacancies and later on against a permanent vacancy. He was therefore a temporary employee. There is no provisions in the Bipartite Settlement dated 19-10-1966 for employment of workmen

on daily wages. The workman cannot derive any benefit on the basis of paras, 20.9, 20.10 and 20.11 of the Bipartite Settlement for he was not a temporary workman in the employment of the bank on or after 1st June 1965 and ceased to be in the service before the date the settlement dated 19-10-1966 or a workman on the date of settlement. It is true that under para. 20.12 of the Bipartite Settlement other things being equal, temporary workman will be given preference for filling permanent vacancies and if selected they may have to undergo probation. It is obligatory on the management to give a temporary workman preference while filling up a permanent vacancy and if he is selected for the purpose of appointment as a permanent peon he has to undergo probation. According to the Confidential Circular No. 50/71 of 6-7-1971 of the Bank a person for the appointment of temporary peon during the absence of **permanent peons should have completed 18 years and** below 25 years of age at the time of appointment in the Bank, he should have studied upto S.S.L.C., and he should have the minimum height of 5′3″. According to EW-1, the age of the workman in 1975 was 29 and his height was 5′ only. The workman could not have been considered for appointment and therefore the workman cannot claim that he should have been absorbed in a permanent vacancy especially when he was engaged on daily wages as and when required. The workman was not under any obligation to attend the duties nor he was required to file any application for leave and no explanation is called for from him for his absence. He was only employed on daily wages in the vacancies of the permanent sub-ordinate staff as and when required. Therefore the action of the Canara Bank, Mapuca Branch (Goa) in stopping Shri Shantaram N. Saletri, Peon from work with effect from the 5th October, 1975 is justified.

13. I have yet to deal with another argument which centres around Section 25B of the I.D. Act, 1947. This argument is misconceived. Under Section 25B of the I.D. Act, a workman shall be said to be in continuous service for a period if he is, for that period, in uninterrupted service including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman and if a workman is not in continuous service within the meaning of clause (1) of Section 25B for a period of one year or six months, he shall be deemed to be in continuous service under an employer for a period of one year, if the workman, during the period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than two hundred and forty days, and in other case for a period of six months, if the workman, during a period of six calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than one hundred and twenty days. WW-1 deposed that he had worked for 11 days in the year 1972, 113 days in 1973, 76 days in 1974 and 244 days from January, 1975 to 4th October, 1975.

14. Before a workman can be considered to have completed one year of continuous service in an industry within the meaning of S. 25B of the Industrial Disputes Act, it must be shown first that he was employed for a period not less than twelve calendar months and next that during these twelve calendar months he had worked for not less than 240 days. Where the worker was employed only for eleven months, the fact, that during such period of eleven months, he had worked for more than 240 days would not entitle him to get the benefit of S. 25F of the I.D. Act. This was the view expressed by the Supreme Court in Sur Enamel and Stamping Works Ltd. and their workmen, 1963, II, LLJ, 367. The workman therefore cannot derive any benefit from Section 25B and 25F of the I.D. Act. in the result I hold that the action of the Canara Bank, Mapusa Branch (Goa) in stopping Shri Shantaram N. Saletri, Peon, from work with effect from the 5th October, 1975 is justified and therefore he is not entitled to any relief. The reference is answered accordingly.

15. Before parting with the case I cannot but observe en passant that there is no provision in the Bipartite Settlement entitling the Bank to employ the workman on daily wages. In all fairness the Bank should have paid the salary of a temporary workman to Shri Shantaram N. Saletri for the period he had actually worked with the Bank, but it is not one of the questions posed for determination in this reference. The Tribunal is, therefore, helpless in giving any relief to the workman. It may be observed that the Bank was not justified even in employing the workman temporarily in violation of their own Circular Ex. E-2, when the workman did not satisfy the requisite tests. The Bank should have satisfied itself before engaging the workman, whether he answers the requirements stipulated in Ex. E-2, which has not been done in this case.

I make no order as to costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer

[F. No. L12012/7/76-D II A]

R. P. NARULA, Under Secy.

का. आ. 3871.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और 30 सितम्बर, 1976 से श्री महेश चन्द्र को उस अधिकरण का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[संख्या एस-11020/6/76/डी 1(ए) (2)]

S.O. 3871.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 7A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with headquarters at New Delhi and appoints Shri Mahesh Chandra as the Presiding Officer of that Tribunal, with effect from the 30th September, 1976.

[No. S. 11020/6/76/DI(A)(ii)]

का. आ. 3872.—केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33ग की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एस-11020/6/76 डी 1(ए)(1), तारीख 30 सितम्बर, 1976 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, नई दिल्ली को उस श्रम न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जो संघ-शासित क्षेत्र, दिल्ली के किसी उद्योग में जिसके बारे में केन्द्रीय सरकार समुचित सरकार है, नियोजित कर्मकारों के संबंधों में उस उपधारा में निर्दिष्ट लाभ की राशि की गणना मुद्रा में करेगा।

[संख्या एस-11020/6/76/डी 1(ए) (3)]

एल. के. नारायणन, डेस्क अधिकारी

S.O. 3872.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 33C of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifies the Labour Court, New Delhi, constituted under section 7 of the said Act by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. 11020/6/76/DI (A) (ii) dated the 30th September, 1976, as the Labour Court which shall determine the amount at which any benefit referred to in that sub-section would be computed in terms of money in relation to workmen employed in any industry in the Union Territory of Delhi, in respect of which the Central Government is the appropriate Government.

[No. S. 11020/6/76/DI(A)(iii)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

राजस्व और बैंकिंग विभाग

आदेश

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1976

का. आ. 3873.—केन्द्रीय सरकार, विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. का. आ. 1811 तारीख 29 मई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

इस आदेश में "श्री बी. बी. गुजराल, संयुक्त सचिव, भारत सरकार" शब्दों के स्थान पर "श्री बी. बी. गुजराल, अपर सचिव, भारत सरकार" शब्द रखे जाएंगे।

[फा० सं० 671/2/74सी० शु० VIII]

आर. सी. वर्मा, अवर सचिव

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

ORDER

New Delhi, the 23rd October, 1976

S.O. 3873.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. S. O. 1811, dated the 29th May, 1967, namely:—

In he the said Order, for the words "Shri B. B. Gujral, Joint Secretary to the Government of India", the words "Shri B. B. Gujral, Additional Secretary to the Government of India" shall be substituted.

[F. No. 671/2/74-Cus. VIII]

R. C. VERMA, Under Sec.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1976.